हर खबर पर पैनी नजर

# नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक )

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 11 अगस्त 2026, वर्ष- 09, अंक- 168, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com




प्रधानमंत्री मोदी ने लवलीना की देशभक्ति..

# विपक्ष के हंगामे के बीच चार विधेयक पेश अधिकरण सुधार विधेयक लोकसभा से पारित

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच चार महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए। इनमें से अधिकरण सुधार विधेयक, 2026 को सदन ने पारित कर दिया। इसके अलावा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधिकरण सुधार विधेयक पेश किया। विधेयक में देश के विभिन्न अधिकरणों के कामकाज में एकरूपता लाने, उनकी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत करने तथा अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति एवं सेवा शर्तों के लिए समान व्यवस्था करने के वास्ते राष्ट्रीय अधिकरण आयोग गठित करने का प्रस्ताव है। विधेयक के अनुसार, आयोग अधिकरणों के अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति, उनके प्रदर्शन की समीक्षा तथा उनके खिलाफ शिकायतों की जांच से संबंधित कार्य करेगा। इसमें अध्यक्ष और सदस्यों की योग्यता, चयन, नियुक्ति, वेतन, सेवा शर्तों और पद से हटाने की प्रक्रिया के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। केंद्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पेश किया। इसमें खनिज अधिकारों, कराधान और खनिज अन्वेषण से जुड़े मौजूदा प्रावधानों में बदलाव तथा कुछ मामलों में केंद्र की मंजूरी से संबंधित प्रावधान प्रस्तावित हैं। विपक्षी सदस्य एन.के. प्रेमचंद्रन ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक पेश किया।

## लोकसभा अध्यक्ष ने की गतिरोध समाप्त करने की अपील

**नई दिल्ली**। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में भावुक अपील की। उन्होंने सदन में बने गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी दलों के नेताओं से कहा कि जनता की आवाज सदन में सुनाई देनी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक बीएसी की बैठक में अध्यक्ष ने सभी दलों से मिलकर गतिरोध समाप्त करने का रास्ता निकालने को कहा है। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के लिए जितना समय मांगेंगे उतना मिलेगा। जनता के मुद्दों को सदन के गलियारों में इंतजार करते हुए नहीं छोड़ा जा सकता। इन मुद्दों की आवाज इसी सदन में उठनी चाहिए। उन पर चर्चा होनी चाहिए और उनका समाधान तलाशा जाना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों की प्रभावी भागीदारी हो और सदन की सार्थक और रचनात्मक विचार-विमर्श को देश सुने अब इस दिशा में सभी विचार करें। लोकसभा अध्यक्ष ने सभी दलों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से सदन की कार्यवाही सुचारु, व्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संचालित हो, ताकि जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हो सके।

## बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल राज्यसभा से भी पास

**नई दिल्ली**। राज्यसभा ने सोमवार को बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। यह विधेयक लोकसभा से पहले ही पारित हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष के बहिर्गमन पर कहा कि यह दुखद है कि विपक्ष ने इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के दौरान सदन से बाहर जाने का फैसला किया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसे सुधारवादी विधेयकों में विपक्षी सांसदों को रुचि लेकर चर्चा में भाग लेना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि औपनिवेशिक दौर के कानूनों में बदलाव की जरूरत है, क्योंकि उस समय बनाए गए कानून ब्रिटिश शासन के अधीन प्रजा को ध्यान में रखकर बनाए गए थे। वित्त मंत्री ने बताया कि मौजूदा बैंकर्स बुक्स एविडेंस कानून वर्ष 1891 में बनाया गया था। उस समय बैंकिंग व्यवस्था मुख्य रूप से कागजी रिकॉर्ड पर आधारित थी, जबकि आज बैंकिंग में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने में उल्लेखनीय तेजी दिखाई है। ऐसे में बैंकिंग रिकॉर्ड से जुड़े पुराने कानून को मौजूदा डिजिटल व्यवस्था के अनुरूप बनाना जरूरी है। चर्चा के बाद राज्यसभा ने विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक को 5 अगस्त को लोकसभा द्वारा पारित किया जा चुका है। यह नया विधेयक 135 साल पुराने औपनिवेशिक काल के बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट-1891 की जगह लेगा।

# रांची में छात्रों पर लाठीचार्ज, पथराव में पुलिसकर्मी घायल

- जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद में विधानसभा घेराव
- सात बैरिकेड तोड़ आगे बढ़े प्रदर्शनकारी

एजेंसी। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर सोमवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया। विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़ रहे छात्रों ने पुलिस की सातवीं बैरिकेडिंग भी तोड़ दी। अंतिम बैरिकेड के पास स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाने के लिए बल प्रयोग किया। पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए पानी की बौछार करने वाली गाड़ियों का भी इस्तेमाल किया। अधिकारियों की ओर से लगातार छात्रों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और आगे नहीं बढ़ने की अपील की जाती रही। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी बैरिकेड पार कर विधानसभा की ओर बढ़ते रहे। अंतिम बैरिकेड के पास एक प्रदर्शनकारी छात्रा द्वारा पुलिस की ओर जूता-चप्पल फेंकने की घटना भी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर छात्रों को पीछे हटाने का प्रयास किया। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों की ओर से किए गए पथराव में एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट लग गई। घायल पुलिसकर्मी को उपचार के लिए भेजा गया। योगदा कॉलेज से आगे बढ़ने के बाद छात्रों ने पुलिस की सातवीं बैरिकेडिंग पार कर ली।

### जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते गिरफ्तार

**रांची**। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी जेपीएससी की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं के मामले में हुई है। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उन्हें अपने कार्यालय ले गई है। पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें सोमवार शाम न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। एल खियांग्ते ने 22 जुलाई को जेपीएससी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद मामले की जांच कर रही सीआईडी ने उन्हें समन जारी कर 28 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया था। जांच एजेंसी ने उनसे कई दौर में पूछताछ की। सीआईडी ने पहले दिन करीब आठ घंटे, दूसरे दिन लगभग नौ घंटे और तीसरी बार 31 जुलाई को करीब नौ घंटे तक एल खियांग्ते से पूछताछ की थी। लंबी पूछताछ के बाद अब उनकी गिरफ्तारी की गई है।

## संक्षिप्त समाचार

### चार हाईकोर्ट को मिलेंगे नए नियमित चीफ जस्टिस

**नई दिल्ली**। देश के सात हाईकोर्ट इस समय नियमित मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) के बिना संचालित हो रहे हैं। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने चार प्रमुख हाईकोर्ट में नियमित चीफ जस्टिस नियुक्त करने के लिए चार नए नामों की संस्तुति की है। इनमें बॉम्बे, कलकत्ता, पटना और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट शामिल हैं। कॉलेजियम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे हाईकोर्ट, दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस वी. कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट, जबकि बॉम्बे हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस रवींद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा को उसी अदालत का नियमित चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की गई है। भारतीय न्यायपालिका में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति की एक निश्चित संवैधानिक प्रक्रिया है। संविधान के अनुच्छेद 217 के तहत नियुक्ति का अंतिम अधिकार राष्ट्रपति के पास होता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से यह चयन सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम करता है।

### सऊदी अरब में सोफ़ा फ़ैक्ट्री में आग लगने से 16 बांग्लादेशियों की मौत

**ढाका**। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के खोरदाम इलाके में रविवार को एक सोफा बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने से कम से कम 16 बांग्लादेशी प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। बांग्लादेश के प्रवासी कल्याण एवं विदेशी रोजगार मंत्रालय ने सोमवार को सऊदी अरब के फायर सर्विस विभाग के हवाले से हादसे की पुष्टि की। बांग्लादेश के अंग्रेजी अखबार प्रोथोम आलो तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मृतकों में 10 लोग उत्तरी बांग्लादेश के नौगांव जिले के रहने वाले थे, जबकि अन्य मृतक नटोर और राजशाही जिलों से थे। नौगांव के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद सैफ़ुल इस्लाम ने बताया कि जिले के मृतकों में से 10 लोग अतराई उपजिला के निवासी थे। मृतकों की उम्र करीब 25 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। नटोर के नल्डांगा उपजिला के अधिकारियों ने भी तीन मृतकों की पहचान की है। इनमें सब्बीर हुसैन शुवो, शमीम हुसैन और रबिउल अव्वल हृदो शामिल हैं। तीनों खजुरा यूनियन के अलग-अलग गांवों के रहने वाले थे। बताया गया है कि फैक्टरी में आग रविवार को बांग्लादेश के समय के अनुसार दोपहर करीब 3:30 बजे लगी। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद सऊदी अधिकारियों ने राहत और बचाव अभियान चलाया।

## पीएम से मिले एनसीपी के 8 सांसद महाराष्ट्र के कई मुद्दों पर हुई चर्चा

**नई दिल्ली**। शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सभी 8 लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सांसदों का प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी से मिला। बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसदों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों की समस्याएं प्रधानमंत्री के सामने रखीं। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल आर. खोले ने बताया कि सभी सांसदों के अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दे थे। इनमें सरकार की नीतियों, नदियों को जोड़ने की योजना, रेलवे और किसानों की कर्जमाफी जैसे मुद्दे शामिल थे। उन्होंने बताया कि पुणे-नासिक सेमी हाई-स्पीड रेलवे को लेकर भी चर्चा हुई। इस परियोजना के मुद्दे पर हाल ही में बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ था। अमोल खोले ने कहा कि संसद में लगातार हंगामे के कारण सांसद इन मुद्दों को सदन में नहीं उठा पा रहे थे। इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों की बातें ध्यान से सुनीं।

## रिजिजू ने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया

**नई दिल्ली**। संसद में जारी गतिरोध के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा सदन में करना चाहती है, लेकिन इस मुद्दे पर विपक्ष को भी सहयोग करना होगा। उनके सारे सवालों का जवाब गृहमंत्री सदन में देंगे लेकिन चर्चा के दौरान कोई हल्ला गुल्ला नहीं होगा। तभी विस्तृत चर्चा हो सकती है। रिजिजू ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि सरकार की ओर से विपक्ष को प्रस्ताव बिल्कुल स्पष्ट है। जो भी आंदोलन चाहे दिल्ली हो या झारखंड उन सभी आंदोलनों पर चर्चा हो सकती है। सरकार कभी भी चर्चा से पीछे नहीं हटती। हम विद्यार्थियों के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। विपक्ष को गृहमंत्री और सरकार का जवाब सुनना चाहिए। एक बार चर्चा शुरू होने के बाद इस विषय पर हर पहलू पर विस्तार से और गहन चर्चा की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि सरकार चर्चा से पीछे नहीं हट रही है, लेकिन इसके लिए सदन में व्यवधान के बजाय संवाद और संसदीय प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने कहा कि चर्चा शुरू होने के बाद मुद्दे पर गहन चर्चा की जानी चाहिए।

## कांग्रेस, झामुमो और राजद ने झारखंड के युवाओं के साथ किया अन्यायः निशिकांत दुबे

**नई दिल्ली**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को झारखंड की वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड के युवाओं और छात्रों के साथ कांग्रेस, झामुमो और राजद ने घोर अन्याय किया है। योग्य अभ्यर्थियों को दरकिनार कर अपने परिजनों और रिश्तेदारों को नौकरियां बांटी गई हैं। निशिकांत दुबे ने आज संसद परिसर के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) मामले और विपक्ष के आरोपों पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन में भाजपा की सहभागिता पूरी तरह से युवाओं के समर्थन में है और पार्टी मानसिक तथा शारीरिक रूप से प्रदर्शनकारियों के साथ खड़ी है। मीडिया से बातचीत करते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि विपक्ष अक्सर हर मुद्दे के पीछे भाजपा का हाथ होने का आरोप लगाता है जबकि इससे पहले हुए छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके और इसके राष्ट्रीय प्रवक्ताओं को भाजपा ने कभी यह नहीं कहा कि इसके पीछे कांग्रेस या आम आदमी पार्टी (आआप) है। इस आंदोलन पर भाजपा ने कभी राजनीति नहीं की। सांसद ने जेपीएससी मामले में निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए मामले की सीबीआई (सीबीआई) जांच कराने की मांग दोहराई।

## चालक की लापरवाही से नाले में बही कार, दो बच्चों समेत 7 की मौत

**राजगढ़**। सोमवार को तेज बारिश के बीच जिले में एक ईको वैन नाले में बह गई। इसमें ड्राइवर समेत कुल 11 लोग सवार थे। अब तक 7 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें तीन पुरुष, दो महिला और दो बच्चे शामिल हैं। SDERF का बचाव दल बाकी लोगों की तलाश कर रहा है। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में सुबह करीब 9 बजे हुआ। सभी शवों को सारंगपुर लाया गया है। जानकारी अनुसार ईको सवार सभी लोग देवास के रहने वाले हैं। वे सतवास से कड़लावद गांव जा रहे थे। इनमें 3 पुरुष, 4 महिला और 4 बच्चे थे। कार सतवास के धांसड़ गांव निवासी मुकेश सिंह चौहान के नाम पर रजिस्टर्ड है। वही कार चला रहा था। मुकेश और हुकुम सिंह हादसे के बाद तैरकर नाले से बाहर निकल आए। हादसे के तुरंत बाद 4 लोगों की मौत की जानकारी आई थी लेकिन रेस्क्यू के दौरान मृतक संख्या बढ़कर 7 हो चुकी है। पड़ाना के पास झिरी नाले पर 30 फीट का पुल निर्माणाधीन है। तेज बारिश की वजह से पानी पुल के ऊपर बह रहा है। कार ड्राइवर को अधूरा पुल नहीं दिखा। उसने पुल के ऊपर कार चढ़ा दी, जो नाले में बह गई। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे।

## यूएन में भारत का सुझावः सूडान की शिक्षा के लिए अपनाएं 'दीक्षा' मॉडल

**न्यूयॉर्क**। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक उच्च स्तरीय 'एरिया फ़ॉर्मूला बैठक' में भारत ने सूडान में शिक्षा के संकट को लेकर बेहद मजबूत और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। 'सूडान में शिक्षा की सुरक्षाः शांति, रिकवरी और स्थिरता में निवेश' विषय पर आयोजित इस विशेष बैठक में भारतीय काउंसलर एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने भारत की ओर से आधिकारिक वक्तव्य दिया। बैठक में भारत ने स्कूलों पर हो रहे हमलों के खिलाफ सख्त वैश्विक कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की मांग की और भारतीय 'दीक्षा' मॉडल अपनाने पर जोर दिया। न्यूयॉर्क स्थित यूएन मुख्यालय में भारत के स्थायी मिशन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि काउंसलर पुन्नूस ने इस बैठक में नागरिकों, खासकर बच्चों और शिक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और जवाबदेही तय करने की मांग की।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सूडान में बच्चों के लिए शिक्षा बहाल करने के लिए विस्थापन, सुरक्षा और भोजन व दवाओं तक पहुंच ज़रूरी शर्तें हैं। भारतीय मिशन ने कहा पुन्नूस ने सूडान में 600 लाभार्थियों के लिए भारत के कृत्रिम अंग (प्रोस्थेटिक लिम्ब) कैंप के बारे में बताया।

# प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

नीट प्रश्नपत्र मामले में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित बल प्रयोग और पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के संसद में बयान की मांग करते हुए विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसदों ने नारेबाजी की और हाथों में बड़ा पोस्टर लेकर अमित शाह से जवाब देने की मांग की। प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव समेत विपक्ष के कई नेता शामिल हुए। प्रदर्शन कर रहे सांसदों के हाथों में मौजूद पोस्टरों पर लिखा था, 'अमित शाह जवाब दो।' संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका गांधी ने कहा कि जब तक गृहमंत्री शाह संसद में बयान नहीं देंगे, तब तक गतिरोध जारी रहेगा। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष का रुख इस मुद्दे पर बिल्कुल स्पष्ट है। सबसे पहले गृहमंत्री को संसद में आकर दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित ज्यादती पर बयान देना चाहिए। इस मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान के बिना विपक्ष आगे की कार्यवाही की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक, परिसीमन विधेयक और विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक से जुड़े मुद्दों पर भी विपक्ष का रुख स्पष्ट है, लेकिन छात्रों के मुद्दे पर गृहमंत्री का संसद में बयान उनकी प्रमुख मांग है। कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक ने आरोप लगाया कि पिछले तीन सप्ताह से प्रधानमंत्री व गृहमंत्री सदन में नहीं आए।

# होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की सख्ती, अमेरिका के सामने रखीं कई शर्तें

एजेंसी। दुबई

ईरान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के रवैये में बदलाव होने तक होर्मुज स्ट्रेट को खोलने पर कोई सहमति नहीं बनेगी। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा है कि जलडमरूमध्य को खोलने और वहां से जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए अमेरिका को अपना व्यवहार बदलना होगा। इससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को लेकर चल रही बातचीत और जटिल हो गई है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव और रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर मोहम्मद बाघेर जुलघद्र ने कहा कि अमेरिका को भविष्य में ईरान को धमकी नहीं देनी चाहिए। साथ ही उसे ईरान और क्षेत्र में उसके सशस्त्र सहयोगियों के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई को स्थायी रूप से समाप्त करना होगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए कई शर्तें भी सामने रखी हैं। इनमें ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी नौसैनिक प्रतिबंध को हटाना, क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य मौजूदगी वापस लेना और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई करना शामिल है। इसके अलावा ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंध हटाने और जब्त की गई ईरानी संपत्तियों को बिना शर्त जारी करने की मांग की है। अमेरिका की ओर से इन मांगों पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अमेरिका पहले कह चुका है कि होर्मुज की नाकाबंदी खत्म करने से पहले उसे समुद्री मार्ग के संचालन और सुरक्षा को लेकर एक स्वीकार्य समझौता चाहिए। दूसरी ओर, ईरान ने हाल में संकेत दिया था कि वह होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को लेकर ओमान के साथ एक समझौते के करीब है। हालांकि, अब राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की नई शर्तों से स्पष्ट है कि किसी भी व्यवस्था में अमेरिकी भूमिका और नीतियों का मुद्दा महत्वपूर्ण रहेगा। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। इसके जरिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस का अंतरराष्ट्रीय बाजार तक परिवहन होता है। ऐसे में यहां लंबे समय तक आवाजाही बाधित रहने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इसी बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजरायल को मुस्लिम देशों के लिए खतरा बताते हुए उसके खिलाफ एकजुट होने की अपील की है। सऊदी अरब और तुर्की के साथ त्रिपक्षीय रक्षा समझौते के बाद दिए बयान में उन्होंने कहा कि इजरायल के मुद्दे पर मुस्लिम देशों को एकजुट सैन्य मोर्चा बनाने की जरूरत है।

### पाकिस्तान ने इजरायल के खिलाफ एकजुट होने को कहा

## भारत ने की स्लोवेनिया में दूतावास पर हमले की निंदा

**नई दिल्ली**। भारत ने यूरोपीय देश स्लोवेनिया के लजुब्लजाना स्थित भारतीय दूतावास परिसर को खालिस्तान समर्थकों द्वारा निशाना बनाए जाने की निंदा की है। भारत ने अन्य जगहों की कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भी ऐसे समूहों की ओर से फैलाई जा रही घृणास्पद प्रचार सामग्री और गलत सूचनाओं पर ध्यान देने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को घटना पर जारी बयान में कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत राजनयिक परिसर अभेद्य और उनकी सुरक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। वक्तव्य में कहा गया है कि हमने इस मामले को नई दिल्ली और लजुब्लजाना दोनों स्थानों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया है ताकि ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके।

## बलोचिस्तान के पंजगुर जिले में विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू

### कई जगह धमाका, क्वेटा में पुलिसवालों के हथियार लूटे

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर जिले के चिडगी इलाके में बलोच विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान अलग-अलग जगहों पर मोर्टार शेल दागे जाने की भी खबरें हैं। उधर, क्वेटा में पुलिस अधिकारियों के हथियार लूटने की घटना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सैन्य अभियान के दौरान पंजगुर जिले में कई जगह तेज धमाके हुए हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में स्थानीय सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि इस समय चिडगी और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की सेना का विद्रोहियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। अभियान के दौरान अनेक स्थानों पर मोर्टार शेल दागे जाने से धमाके हुए हैं। सेना इस अभियान में ड्रोन का भी सहारा ले रही है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि बलोचिस्तान के मध्य शहर और प्रांतीय राजधानी क्वेटा में 8 अगस्त की रात हथियारबंद लोगों ने कंबरानी रोड पर पुलिस ईगल स्क्वाड के लोगों को हिरासत में लेने के बाद उनके हथियार छीन लिए। इस दौरान गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गया।

## संक्षिप्त समाचार

### दीपक अग्रवाल बने अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच के बिहार प्रदेश अध्यक्ष

**पटना।** अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच ने संगठन का विस्तार करते हुए दीपक अग्रवाल को बिहार प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से यह घोषणा की गई। संगठन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि दीपक अग्रवाल की समाजसेवा, व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय सहभागिता, संगठन के प्रति समर्पण तथा व्यापारी हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच देश के छोटे, मध्यम एवं बड़े व्यापारियों तथा कुटीर एवं लघु उद्यमियों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने वाला राष्ट्रीय संगठन है। संगठन के अनुसार, वह देशभर के व्यापारियों को एकजुट कर उन्हें सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्त प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रहा है।संगठन ने बताया कि उसके निरंतर प्रयासों से हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में व्यापारी कल्याण बोर्डों के गठन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। साथ ही व्यापारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सरकार एवं संबंधित विभागों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाता रहा है। श्री अग्रवाल की नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन की गरिमा, अनुशासन एवं उद्देश्यों को बनाए रखते हुए बिहार के व्यापारियों एवं उद्यमियों के हितों की मजबूती से आवाज उठाएंगे तथा संगठन के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बिहार के व्यापारियों को संगठित करने, उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने तथा व्यापारी हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने श्री अग्रवाल को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की है।

### एनडीए सरकार में गलत करने वालों को बख्शा नहीं जाता, विपक्ष अपने गिरेबान में झाँके : लेशी सिंह

» अपराध और अपराधियों के प्रति एनडीए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति : सुनील कुमार

**पटना।** सोमवार को जद यू प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार की मंत्री लेशी सिंह एवं सुनील कुमार ने प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों के विधि-सम्मत त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में लेशी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के निदेर्शानुसार सोमवार से शुक्रवार तक नियमित रूप से जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसमें आने वाले सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाता है तथा जिस विभाग से संबंधित मामला होता है, उसके तत्काल निष्पादन हेतु आवश्यक पहल की जाती है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में गलत करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाता है। विपक्ष को अनर्गल आरोप लगाने के बजाय पहले अपने गिरेबान में झाँकना चाहिए और अपने अतीत को याद करना चाहिए। मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 में जब नीतीश कुमार ने बिहार की बागडोर संभाली, तब राज्य में कानून का राज स्थापित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा। उनके नेतृत्व में बिहार को भय और अराजकता के माहौल से बाहर निकालकर सुशासन की दिशा में आगे बढ़ाया गया। आज बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर और प्रतिबद्ध है। प्रदेश में कहीं भी आपराधिक घटना होती है, तो सरकार और प्रशासन द्वारा अपराधियों के विरुद्ध पूरी सख्ती के साथ त्वरित कार्रवाई की जाती है। एनडीए सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है।

### सावन महोत्सव 2026 में कला, संस्कृति और प्रतिभा का दिखा रंग

**पटना।** सावन की हरियाली और बिहार की समृद्ध कला-संस्कृति को समर्पित सावन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन हुनर के तत्वावधान में किंग्स रिसोर्ट, जगनपुरा में किया गया। कार्यक्रम में कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद, भाजपा कला-संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वरुण सिंह, अमर शौर्य, रंजन सिंह समेत फिल्म एवं मनोरंजन जगत की कई हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पटना के बच्चों एवं युवा प्रतिभाओं ने शानदार नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रसिद्ध फ्लूट आर्टिस्ट पलक जैन ने बाँसुरी वादन से समां बांधा, जबकि एंकर एवं कॉमेडियन राज सोनी ने अपनी शानदार एंकरिंग से कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।रवि शंकर चौधरी एवं पूजा चौधरी ने हुनर की डायरेक्टर मनीषा मिश्रा द्वारा तैयार मिथिला कला से सजे पारंपरिक परिधान पहनकर बिहार की कला-संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया। वहीं बॉलीवुड अभिनेता रवि सुधा चौधरी को हुनर का ब्रैंड एंबेसडर बनाया गया।प्रतियोगिताओं में मिस सावन का खिताब नव्या ने और रनरअप वैष्णवी रहीं। मिसेज सावन का खिताब स्वाति ने जीता, जबकि रनरअप माला प्रिया रहीं। किड्स मेल वर्ग में अविराज और फीमेल वर्ग में पिहू विजेता बनीं। हुनर टीम की अक्षिता वैभव और पीयूष समेत पूरी टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने कहा कि ह्यसावन महोत्सवह्न का उद्देश्य बिहार की कला, संस्कृति और प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच प्रदान करना है।

# 'बिहार पेंशन दिवस' पर मुख्यमंत्री ने 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में प्रति व्यक्ति 1100 रूपये की दर से राशि का किया हस्तांतरण

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में डी०बी०टी० के माध्यम से प्रति व्यक्ति 1100 रूपये की दर से कुल 1157 करोड़ 72 लाख रूपये की राशि का हस्तांतरण किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारी तथा सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति भी जुड़े हुये थे। इस अवसर पर

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज राज्य के 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में 1157 करोड़ 72 लाख रूपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डी०बी०टी०) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। पेंशन दिवस के इस अवसर पर सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिये राशि 400 रूपये से बढ़ाकर 1100 रूपये की गयी। हमलोगों की सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में प्रत्येक महीने की 10 तारीख को राशि हस्तांतरित कर दी जायेगी। यह सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह एवं तकनीक आधारित जनकल्याणकारी व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हमलोगों की सरकार गरीब, बुजुर्ग, दिव्यांग एवं समाज के वंचित वर्गों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र लाभार्थी छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि पेंशन वितरण समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से होता रहे ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को सम्मानपूर्वक सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रूपये से बढ़ाकर 1100 रूपये किये जाने से लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 करोड़ 70 लाख परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। इसके लिये 23 हजार करोड़ रूपये की सब्सिडी राज्य सरकार की तरफ से खर्च की जा रही है। गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में समाजिक सुरक्षा की निदेशक डॉ० प्रीति ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

# बिहारवासी राष्ट्र गौरव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ 'हर घर तिरंगा अभियान' में बढ़-चढ़ कर शामिल हों : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत आज जे०पी० गोलंबर से कारगिल चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का गांधी मैदान में मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं तिरंगा झंडा लहराकर विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में 'भारत माता की जयघोष', राष्ट्रभक्ति की धुन एवं ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच बिहार सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार में तिरंगा यात्रा की शुरुआत हुई है, जो 17 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने

कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं है। हमारे पूर्वजों एवं स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई है। तिरंगा उनके त्याग, बलिदान और हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यह देश की अखंडता, संप्रभुता, एकता, लोकतंत्र और स्वाभिमान की पहचान है। तिरंगे के सम्मान एवं देश की रक्षा के लिए लाखों वीर सैनिकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के तीनों रंगों का अपना महत्व है। केसरिया रंग साहस, त्याग एवं बलिदान का, सफेद रंग शांति का तथा हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है। भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन देश की सुरक्षा एवं संप्रभुता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित एवं सशक्त राष्ट्र बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान जनभागीदारी का कार्यक्रम है। पूरे बिहार के लोगों से अपील है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। पंचायत, नगर निकाय एवं जिला स्तर पर भी अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत 21 लाख तिरंगे झंडों का वितरण किया गया है। पंचायती राज विभाग एवं नगर विकास एवं आवास विभाग भी इस अभियान में योगदान दे रहे हैं। यह बिहार के 14 करोड़ लोगों की भागीदारी का अभियान है। उन्हेंने कहा कि हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी शहादत देकर हमें स्वतंत्रता और तिरंगा प्रदान किया है। इसकी गरिमा एवं सम्मान की रक्षा करना युवा पीढ़ी का दायित्व है। हम सभी मिलकर भारत को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी बिहारवासियों से राष्ट्र गौरव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

# सरकार की बुलडोजर नीति से जनता भयभीत : भाकपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भाकपा के राष्ट्रव्यापी पदयात्रा कार्यक्रम के तहत बदलाव जरूरी है के नारे के साथ निकाली गई पदयात्रा पाचवें दिन सोमवार को भी जारी रही।करीब एक हजार ग्राम पंचायतों में पदयात्रा निकाली गई। अभी तक 2500 से ज्यादा ग्राम पंचायतों से होकर पदयात्रा में शामिल पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक गुजर चुके है। छात्र, नौजवान, किसान, मजदूरों, महिलाओं से संवाद स्थापित किये गए और हजारों ग्राम गौष्ठी और छोटी बड़ी सभा आयोजित की गई। यात्रा दौरान जनता अपनी समस्या को खुल कर बता रही है। केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से जनता परेशान हैं और बिहार सरकार की बुलडोजर नीति से भयभीत हैं। पूरे राज्य में गरीबों के आसियाने और रोजी रोटी पर सरकार बुलडोजर चला रही है। पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा है कि बिहार में भाजपा के मुख्यमंत्री बनते ही गरीबों की झोपड़ी पर बुलडोजर चलने लगा है। पूरे बिहार में वर्षों से बसे गरीबों और पचाधीरियों को उजाड़ा जा रहा है। राज्य के दर्जनों जिलों में वर्षों से बसे भूमिहीन गरीबों के घरों को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य सरकार से बिना कोई वैकल्पिक व्यवस्था किये गरीबों का घर उजाड़ने पर रोक लगाने की मांग करती है। भाजपा सरकार गरीब उजारो अभियान चला रही है। पूरे बिहार में गरीबों के घर पर बुल्डोजर चला रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी सहित अधिकारियों की भाषा गरीब और जन विरोधी है। वैकल्पिक व्यवस्था किये बिना ही गरीबों को उजाडा जा रहा है। शिवहर, नालंदा, समस्तीपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी, बेगूसराय सहित पूरे बिहार में गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाकर गरीबों के घर तोड़े गए। इस तरह की कार्रवाई कहीं से उचित नहीं है। सरकार का संकल्प है कि भूमिहीनों को उजाड़े जाने से पहले उसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी और पांच पांच डिसिमिल भूमि और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिया जाएगा, लेकिन सरकार कोई वैकल्पिक व्यवस्था किये बिना गरीबों को उजाड़ रही है।

# पटना में हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** स्वतंत्रता दिवस से पहले 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत सोमवार 10 अगस्त को पटना में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। सुबह 10:30 बजे जेपी गोलंबर से शुरू हुई यात्रा में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शामिल हुए और हाथों में तिरंगा लेकर करीब 1.5 किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए कारगिल चौक पहुंचे। यात्रा से पहले मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जेपी गोलंबर पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कारगिल चौक स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर मां भारती की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के दौरान हाथों में लहराता तिरंगा, हृदय में मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम

और जन-जन में उमड़ता राष्ट्रभक्ति के ज्वार ने राजधानी पटना को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के अलावा मंत्रीगण, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में लोगों के अपार जनसमूह की गरिमामय सहभागिता रही। अभियान के तहत 14 अगस्त तक राज्य के सभी मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। तिरंगा यात्रा को देखते हुए पटना में सुबह 7 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक

» मुख्यमंत्री ने हाथों में तिरंगा लेकर 1.5 किमी पैदल मार्च किया

कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। गांधी मैदान, डाकबंगला चौराहा और बुद्धमार्ग समेत कई इलाकों में सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रही, जबकि आपातकालीन वाहनों को छूट दी गई। यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए।

# अरवल सहित कई जिलों में बनेंगे नए बाइपास

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने और शहरों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए बड़े स्तर पर बाइपास निर्माण की तैयारी चल रही है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ-साथ बिहार का पथ निर्माण विभाग भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में कई नए बाइपास बनाने की दिशा में काम कर रहा है। कुछ परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि कई जगहों पर निर्माण कार्य जारी है। बाइपास बनने से शहरों के बीच से गुजरने वाले भारी वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही, एक जिले से दूसरे जिले तक सफर करने वाले वाहनों को भी बेहतर और तेज कनेक्टिविटी मिलेगी। केंद्र सरकार ने बिहार के अरवल जिले के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से एनएच-139 पर नौबतपुर-हरिहरगंज मार्ग के तहत करीब 12 किलोमीटर लंबे फोरलेन बाइपास के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। इस बाइपास के निर्माण से अरवल क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। फोरलेन सड़क होने के कारण वाहनों की आवाजाही भी अधिक सुगम होगी। बिहार के जमुई जिले के झाझा इलाके में भी बाइपास निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। यहां मांगोबंदर, केंदुआ, टोलसोना और नरगंजो को बाइपास परियोजनाओं से जोड़ा गया है। वहीं, पश्चिम चंपारण में भैरोगंज बाइपास के निर्माण को भी मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद स्थानीय यातायात के साथ-साथ लंबी दूरी के वाहनों को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। बिहार में सिर्फ नई परियोजनाओं को मंजूरी ही नहीं दी जा रही है, बल्कि कई महत्वपूर्ण बाइपास का निर्माण पहले से चल रहा है। इनमें छपरा-रिविलगंज बाइपास, आरा बाइपास, बक्सर-चौसा बाइपास और शेखपुरा बाइपास जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा जमुई, खैरा, कटोरिया, बांका, पंजवारा और लखपुरा बाइपास पर भी काम की योजना या निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। वहीं रानीगंज, औरंगाबाद-दाउदनगर, पूर्णिया तथा मधुबनी-बेनीपट्टी-उच्चैठ क्षेत्र में भी बाइपास परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। बिहार में कई बाइपास परियोजनाओं की नींव तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं से जुड़ी है। इन घोषणाओं को अब योजनाओं के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। पथ निर्माण विभाग ने नाबार्ड से ऋण को लेकर समझौता किया है। इसी वित्तीय संसाधन का इस्तेमाल राज्य में बड़ी संख्या में बाइपास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए किया जाना है। बिहार के आरा जिले के पीरो को भी जाम से राहत दिलाने के लिए बाइपास निर्माण की योजना है। इसके अलावा पटना जिले के बिहटा और मनेर में भी बाइपास बनाए जाने की तैयारी है। इसी कड़ी में मधुबनी-जयनगर, गोपालगंज-मीरगंज, फारबिसगंज-अररिया, किशनगंज, सुपौल-त्रिवेणीगंज, नवादा-हिसुआ तथा सीतामढ़ी-शिवहर जैसे इलाकों को भी बाइपास परियोजनाओं से जोड़ने की योजना है।

# बिहार की शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में सबका सहयोग अपेक्षित : मिथलेश तिवारी

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि स्कूल से निकलने के बावजूद स्कूल के प्रति पूर्ववर्ती छात्रों की जिम्मेवारी कम नहीं है। बिहार में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में सभी को मिलकर काम करना होगा। पूर्ववर्ती छात्र स्कूल के अध्यापन कार्य में भी अपना सहयोग दें। शिक्षा मंत्री पटना कॉलेजिएट स्कूल एलुमनाई एसोसिएशन के मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पटना कॉलेजिएट स्कूल एलुमनाई एसोसिएशन से जुड़े पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा संगठन से जुड़े सदस्यों के दुर्घटना बीमा, सदस्यों के दुख-सुख में शामिल होने, स्कूल और छात्रों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि एसोसिएशन का यह प्रयास अनुकरणीय है। वे कोशिश करेंगे की राज्य के सभी विद्यालयों में 15 अगस्त के बाद पूर्ववर्ती छात्रों का संगठन सक्रिय करें। यह व्यवस्था लागू कराएं। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्य सरिता शर्मा ने शिक्षा मंत्री से आग्रह

किया कि पटना कॉलेजिएट स्कूल राज्य का सबसे प्राचीन स्कूल होने के नाते इसे हेरिटेज स्कूल की तरह महत्व दिया जाए। स्कूल की जरूरतों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने पूर्ववर्ती छात्रों से निवेदन किया कि वे विद्यालय की गतिविधियों से जुड़ें। विद्यालय में पूर्ववर्ती छात्रों के संगठन को स्थान दिया जाएगा। उद्घाटन सत्र में कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता, फुलवारी विधायक श्याम रजक, प्राचार्य सरिता शर्मा, पूर्व विधायक अरूण कुमार सिन्हा, समाजसेवी कमल नोपानी, सेवानिवृत न्यायमूर्ति संजय प्रिय सहित कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन अंजलि श्रीवास्तव ने किया। शिक्षा मंत्री ने पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह में कहा कि राज्य में सबसे बढ़िया ट्रांसफर नीति बिहार में तैयार की गई है। नीति तैयार करने के पहले 11 राज्यों की ट्रांसफर नीतियों का अध्ययन कराया गया है। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षकों का का तबादला उनके नजदीक के पंचायतों में किया जाएगा। वहीं पुरुष शिक्षकों का तबादला उनके घर के बगल वाले ब्लॉक में किया जाएगा। 33 हजार शिक्षकों की बहाली करने जा रही है। उन्होंने कहा कि वे शिक्षकों के कल्याण को लेकर जागरूक हैं। उनकी समस्याओं से अवगत है। उन्हें छुट्टी के लिए छह माह तक इंतजार करना पड़ता है। अब ऐसा नहीं होगा। शिक्षकों को आपातकालीन स्थिति में 48 घंटे के अंदर छुट्टी मिलेगी। निर्धारित समय सीमा के अंदर छुट्टी नहीं मिलने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। यह व्यवस्था 31 अक्तूबर तक लागू किया जाएगा। अक्तूबर माह तक शिक्षकों की समस्याओं पर काम कर रहे हैं। नवंबर माह से फोकस छात्रों पर रहेगा। नवंबर माह के बाद बच्चों की पढ़ाई में ढिलाई देने वाले शिक्षकों पर कोई दया नहीं दिखाई जाएगी। स्कूलों में काफी आधारभूत संरचना का विकास किया गया है। ई-शिक्षा पोर्टल पर निबंधित 97 हजार स्कूलों में 2 करोड़ बच्चे निबंधित हैं। इनमें 20 हजार स्कूल निर्धारित 21 बिन्दू मानक पर खड़े उतर रहे हैं। बाकी 77 हजार स्कूलों में कोई ना कोई कमी है। हम इस कमी पर लगातार काम कर रहे हैं। हमें 14 करोड़ लागों के मन का यह भ्रम दूर करना होगा कि सरकारी विद्यालयों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्होंने पूर्ववर्ती छात्रों से उम्मीद जताया कि वे जीवनपर्यन्त विद्यालय से जुड़े रहेंगे। दूसरे विद्यालयों की कमियों को दूर करने के लिए अपना सुझा देंगे।

# भूमिहीन विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर मिलेगी जमीन : डॉ. जायसवाल

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आश्वासन दिया है कि राज्य के भूमिहीन विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। दो महीने में 20 केंद्रीय विद्यालयों के लिए पांच-पांच एकड़ भूमि दी गई है। विद्यालयों और खेल मैदानों से अतिक्रमण हटाया जाएगा। शिक्षा विभाग के भूमि संबंधी कार्यों के निष्पादन के लिए अलग से डीसीएलआर या एडीएम स्तर के पदाधिकारी को नोडल अफसर के रूप में तैनात किया जाएगा। अधिवेशन भवन में चल रहे राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर के दूसरे दिन सोमवार को डॉ. जायसवाल ने शिक्षा अधिकारियों को काम की गुणवत्ता सुधारने और तनावमुक्त होकर काम करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी भी मौजूद रहे। डॉ. जायसवाल ने कहा कि राजस्व विभाग के पास अबतक ऐसे 147 विद्यालयों

» बोले-शिक्षा विभाग के कार्यों के निष्पादन के लिए अलग से नोडल अफसर की होगी तैनाती

» महीने में एक दिन विद्यालय में जाकर बच्चों से संवाद करें अधिकारी

की सूची आई है जहां पर अतिक्रमण है। यह संख्या और बढ़ सकती है। ऐसे विद्यालयों को अतिक्रमणमुक्त कराने और विद्यालयों तक पहुंच पथ के लिए जमीन देने की दिशा में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और शिक्षा विभाग के अधिकारी नई पीढ़ी को तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की पहल से शिक्षकों की समस्याएं एक-एक कर दूर की जा रही हैं। शिक्षक भी शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार के लिए समर्पित होकर काम करें। राजस्व मंत्री ने सुझाव दिया कि विभागीय सचिव, डीईओ, आरडीडी और डीपीओ सहित सभी पदाधिकारी महीने में कम से कम एक दिन किसी विद्यालय में जाकर बच्चों से संवाद करें और कक्षा लें। इससे शिक्षा व्यवस्था की जमीनी स्थिति को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सोने से पहले पूरे दिन के काम का आकलन करना चाहिए। साथ ही अगले दिन किए जाने वाले कार्यों की योजना बनाकर ही सोना चाहिए। काम का मूल्यांकन करने से उसकी गुणवत्ता में सुधार आता है। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों से कहा कि काम के दबाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। अधिकारी कलम और दिमाग से काम करते हैं। इसलिए मानसिक तनाव को कम करना जरूरी है। दिन में कई लोगों से मिलने वाले अधिकारी को हर व्यक्ति से नई ऊर्जा और मुस्कान के साथ मिलना चाहिए। यह जरूर ध्यान रहे कि आपका हर काम परिणाम केंद्रित होना चाहिए। राजस्व मंत्री ने कहा कि अधिकारियों और शिक्षकों को समय-समय पर ऐसे चिंतन शिविरों के माध्यम से अपने काम की समीक्षा करनी चाहिए। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार का आकलन किया जा सकेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### गंगा में स्नान करने के दौरान युवक डूबा, शव की खोज में एसडीआरएफ की टीम जुटी

**दानापुर।** सोमवार की सुबह पुरानी पानापुर गंगा घाट पर स्नान करने के उपरांत एक 30 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पुरानी पानापुर निवासी भागदेव राय के पुत्र सुबोध कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुबोध कुमार पुराना पानापुर घाट पर स्नान करने गया था। स्नान करने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूब गया। डूबने की खबर फैलते ही आसपास के लोग और परिजन घाट पर पहुंचे उन्होंने स्थानीय प्रशासन को भी सूचित किया। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ एवं गोताखोर की मदद से शव की तलाश करने में जुटी हुई है।

### चिड़ियाघर के पास जाम से निपटने के लिए बदला बदला ट्रैफिक

**व्यावसायिक वाहनों को अलग-अलग किया गया डायवर्ट**

**पटना।** पटना में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते चिड़ियाघर के पास करीब 200 मीटर सड़क की एक लेन बंद होने से ट्रैफिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। पीक आवर में वाहनों की संख्या बढ़ने से राजवंशी नगर स्थित हनुमान मंदिर के आसपास जाम की स्थिति लगातार गंभीर हो रही थी। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने सोमवार से सगुना मोड़ की ओर से आने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए नया डायवर्जन प्लान लागू किया है। नए ट्रैफिक प्लान के तहत राजाबाजार पुल के नीचे से आने वाले व्यावसायिक वाहनों को चिड़ियाघर पहुंचने से पहले डुमरा चौकी के पास डायवर्ट किया गया। यहां से वाहन एयरपोर्ट के मुख्य गेट के सामने से होते हुए पटेल गोलंबर और हार्डिंग रोड के रास्ते आयकर गोलंबर अथवा पटना जंक्शन की ओर जा सकेंगे। इस व्यवस्था का मकसद चिड़ियाघर के पास बंद लेन पर वाहनों का दबाव कम करना है। इसके अलावा कुछ व्यावसायिक वाहनों को चिड़ियाघर पहुंचने से पहले एलएनजेपी अस्पताल की ओर मोड़कर पुनाईचक की तरफ भेजा जाएगा। यातायात पुलिस के अनुसार सगुना मोड़ की ओर से आने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए फिलहाल दो डायवर्जन प्वाइंट निर्धारित किए गए हैं। हालांकि एलएनजेपी अस्पताल से पुनाईचक जाने वाली सड़क अपेक्षाकृत संकरी है। ऐसे में इस मार्ग पर व्यावसायिक वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की नई समस्या पैदा होने की आशंका है। ट्रैफिक पुलिस पूरे रूट की निगरानी करेगी और परिस्थितियों के मुताबिक डायवर्जन में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। यातायात पुलिस के मुताबिक मेट्रो निर्माण का अगला चरण विकास भवन और विद्युत भवन के आसपास शुरू होना प्रस्तावित है। वहां निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यातायात व्यवस्था में फिर बदलाव किया जाएगा और व्यावसायिक वाहनों को आयकर गोलंबर से ही डायवर्ट करने की योजना है। फिलहाल पुलिस का पूरा जोर चिड़ियाघर के पास पीक आवर में बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव को नियंत्रित करने और वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने पर है।

### तिरंगा हमारी आन-बान और शान का प्रतीक है : संतोष सुमन

**पटना।** हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने सोमवार पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ तिरंगा यात्रा में शामिल होकर देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली विरासत, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। तिरंगे के साथ सड़क पर निकलना हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। डॉ. सुमन ने कहा कि तिरंगा हमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर एक भारत के रूप में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आज की तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ शामिल होकर उन्हें विशेष गौरव की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता हमेशा राष्ट्रहित और राष्ट्रीय एकता के प्रति सजग रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक बिहार ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आज भी बिहार के लोग राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित तिरंगा यात्राएं नई पीढ़ी को देश के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराने का सशक्त माध्यम हैं। हर घर तिरंगा अभियान को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी के जनअभियान के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए। डॉ. सुमन ने बिहारवासियों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता तथा विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लें।

### मुथूट फिनकॉर्प को आरबीआई से मिला स्थायी एडी-2 फॉरेक्स लाइसेंस, देशव्यापी विदेशी मुद्रा कारोबार को मिलेगी मजबूती

**पटना।** भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड को स्थायी (पर्पेचुअल) अधिकृत डीलर श्रेणी-2 (ऑथराइज़्ड डीलर कैटेगरी-2; एडी-2) विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) लाइसेंस प्रदान किया है। इस लाइसेंस से कंपनी को खुदरा ग्राहकों, एमएसएमई, एसएमई, कॉर्पोरेट, यात्रियों और अपने भागीदार परितंत्र की बदलती ज़रूरतों को बेहतर तरीके से पूरा करने के लिए विभिन्न किस्म की विनियमित विदेशी मुद्रा सेवा प्रदान करने में मदद मिलेगी। मुथूट फिनकॉर्प, पूरे भारत में फैले अपने विशाल एडी-2 विदेशी मुद्रा नेटवर्क के साथ, विदेशी मुद्रा से जुड़ी सेवाओं को देश भर के ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराने के लिहाज़ से उत्कृष्ट स्थिति में है। मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी (सीईओ), श्री शाजी वर्गीज़ ने कहा इस लाइसेंस से हमें अपने देशव्यापी नेटवर्क के ज़रिये खुदरा ग्राहकों, एमएसएमई, एसएमई, कॉर्पोरेट, यात्रियों और हमारे भागीदार परितंत्र को व्यापार तथा परिवार के भरण-पोषण के लिए रेमिटेंस सहित नियमित फॉरेक्स सेवा का व्यापक पोर्टफोलियो पेश करने की मंज़ूरी मिली है। यह उपलब्धि भारत के बढ़ते व्यापार, यात्रा, शिक्षा और रेमिटेंस परितंत्र का समर्थन करने से जुड़े हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप है। हम सुरक्षित, अनुपालन-आधारित और ग्राहक-केंद्रित फॉरेक्स समाधान प्रदान करने के लिए टेक्नोलॉजी और वितरण क्षमताओं में निरंतर निवेश करते रहेंगे। इसके ज़रिये हम अपने ग्राहकों, भागीदारों और अन्य हितधारकों के लिए सतत मूल्य सृजन के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

### जुलाई 2026 में तुर्किश एयरलाइंस ने 95 लाख यात्रियों को दी हवाई यात्रा सेवा

» **कुल लोड फैक्टर 86.5 प्रतिशत रहा; जनवरी-जुलाई अवधि में यात्रियों की संख्या 5.4 प्रतिशत बढ़कर 5.4 करोड़ हुई**

**पटना।** तुर्किश एयरलाइंस ने जुलाई 2026 के लिए अपने यात्री और कार्गो यातायात परिणाम जारी किए हैं। कंपनी के अनुसार, जुलाई के दौरान कुल 95 लाख यात्रियों ने टर्किश एयरलाइंस की सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान कंपनी का कुल लोड फैक्टर 86.5 प्रतिशत रहा, जो हवाई यात्रा की मजबूत मांग को दर्शाता है। जुलाई 2026 के दौरान अंतरराष्ट्रीय परिचालन में भी मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला। कंपनी का अंतरराष्ट्रीय लोड फैक्टर 86.2 प्रतिशत, जबकि घरेलू परिचालन का लोड फैक्टर 89.1 प्रतिशत दर्ज किया गया। कंपनी के परिचालन विस्तार और यात्री मांग के अनुरूप उपलब्ध सीट क्षमता में भी वृद्धि दर्ज की गई। जुलाई 2026 में उपलब्ध सीट किलोमीटर 2.7 प्रतिशत बढ़कर 25.7 अरब हो गया, जबकि जुलाई 2025 में यह आंकड़ा 25 अरब था। इससे संकेत मिलता है कि एयरलाइन ने बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता में लगातार विस्तार किया है। जुलाई 2026 में तुर्किश एयरलाइंस के कार्गो और मेल कारोबार में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। इस अवधि में परिवहन किए गए कार्गो/मेल की मात्रा 4.9 प्रतिशत बढ़कर 2.031 लाख टन हो गई। जुलाई 2025 में यह आंकड़ा इससे कम था।

# बाकीपुर में आज से विधायक प्रशांत किशोर का जनसंवाद अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

**फतुहा/पटना।** डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि वार्ड-वार जनता के बीच पहुंचेंगे प्रशांत किशोर, विकास और भविष्य की कार्ययोजना पर होगा सीधा संवाद "नेता जनता के दरवाजे पर आए, जनता अपनी समस्या और अपने क्षेत्र का भविष्य खुद तय करे" बाकीपुर विधानसभा क्षेत्र में 11 अगस्त 2026 से जनसंवाद का विशेष अभियान शुरू होने जा रहा है। क्षेत्र के लोगों के बीच सीधे पहुंचकर प्रशांत किशोर विभिन्न वार्डों में आम जनता से संवाद करेंगे। इस दौरान स्थानीय समस्याओं, क्षेत्र के विकास, जनसुविधाओं तथा आने वाले समय की राजनीतिक एवं विकास संबंधी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य केवल भाषण या राजनीतिक सभा करना नहीं, बल्कि जनता के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनके सुझावों को आगे की कार्ययोजना से जोड़ना बताया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से वार्ड स्तर पर लोगों से सीधा संपर्क स्थापित करने की कोशिश की जाएगी।

**वार्ड-वार होगा जनसंवाद**

**प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार—**

11 अगस्तः वार्ड संख्या 15, 18 एवं 40

12 अगस्तः वार्ड संख्या 19, 22, 23 एवं 26

13 अगस्तः वार्ड संख्या 29, 16 एवं 39

14 अगस्तः वार्ड संख्या 15, 18 एवं 40

16 अगस्तः वार्ड संख्या 30, 24 एवं 27

17 अगस्तः वार्ड संख्या 28, 31, 35 एवं 21

18 अगस्तः वार्ड संख्या 34, 42 एवं 36

19 अगस्तः वार्ड संख्या 41 में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

**अब जनता बोलेगी, नेता सुनेंगे**

राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो बाकीपुर का यह अभियान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। आज आम जनता केवल चुनाव के समय नेताओं के आने की परंपरा से आगे बढ़कर अपने क्षेत्र की सड़क, नाली, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा और नगर व्यवस्था जैसे सवालों पर जवाब चाहती है। ऐसे में वार्ड स्तर पर सीधे जनता के बीच जाकर संवाद करना राजनीति को केवल चुनावी गतिविधि से निकालकर जनभागीदारी की राजनीति से जोड़ने का प्रयास हो सकता है। कार्यक्रम में लोगों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने वार्ड की वास्तविक समस्याओं को लेकर उपस्थित हों और सिर्फ शिकायत ही नहीं, बल्कि समाधान और विकास की अपनी राय भी रखें।

**विकास की दिशा जनता तय करे—यही संवाद का संदेशः** जनसंवाद के दौरान क्षेत्र के विकास की प्राथमिकताएं क्या हों, किन समस्याओं का समाधान पहले होना चाहिए और आने वाले वर्षों में बाकीपुर को किस दिशा में ले जाना चाहिए—इन विषयों पर जनता की राय जानने की कोशिश की जाएगी। आम जनता से अपील है कि वे अपने वार्ड में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों, अपनी बात खुलकर रखें और अपने क्षेत्र के भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा में भागीदार बनें। **राजनीति में बदलाव का रास्ता जनता के बीच सेः** बाकीपुर में शुरू हो रहा यह वार्ड-वार जनसंवाद केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और राजनीति के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की कोशिश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। अब देखना होगा कि जनता इस अभियान को कितना समर्थन देती है और वार्डों से उठने वाले मुद्दे आगे की राजनीतिक दिशा को कितना प्रभावित करते हैं। **संदेश साफ है—** नेता मंच से बोले और जनता सुने, यह पुरानी राजनीति है; अब जनता बोले और नेता सुनें, यही जनसंवाद की राजनीति है।

## 26 बिहार बटालियन ने निकाली 'हर घर तिरंगा' यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा खगौल

नई सोच एक्सप्रेस

**खगौल।** 26 बिहार बटालियन एनसीसी की ओर से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व 26 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुशांत गोविल की निगरानी में किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी के अधिकारियों सहित करीब 200 कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा जे.एन. लाल कॉलेज, खगौल से शुरू होकर दानापुर रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित तिरंगे तक निकाली गई। इस दौरान कैडेट हाथों में तिरंगा लेकर 'भारत माता की जय' के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। पूरे यात्रा मार्ग पर देशभक्ति का माहौल बना रहा और कैडेटों में खासा उत्साह एवं जोश देखने को मिला। इस अवसर पर कर्नल सुशांत गोविल ने कहा कि देश के प्रति समर्पित रहना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' यात्रा के माध्यम से लोगों को राष्ट्रप्रेम और देश की एकता एवं अखंडता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनसीसी अधिकारी सूबेदार महेंद्र सिंह, कैप्टन सुनील कुमार, ट्रेनिंग जेसीओ सुभाष कुमार झा, हवलदार बिंदे तथा सीटीओ कोनार्क बस्ट सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने पूरे जोश और उल्लास के साथ कैडेटों का उत्साहवर्धन किया।

## नशामुक्त बिहार की शुरुआत स्कूलों से हो बच्चों को नशे से बचाना पूरे समाज की जिम्मेदारी

नई सोच एक्सप्रेस

**फतुहा।** नशामुक्ति अभियान के तहत नवोदय पब्लिक स्कूल में दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, फतुहा स्टेशन रोड की ओर से नशामुक्ति को लेकर चलाए जा रहे महाअभियान के तहत नवोदय पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नशे के खिलाफ संकल्प लेते हुए नशामुक्ति की शपथ ली। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर रहा है। युवाओं और विद्यार्थियों को नशे की गिरफ्त से बचाना केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संगठनों और समाज के प्रत्येक जागरूक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यदि देश का भविष्य बचाना है तो नशे के खिलाफ अभियान को केवल भाषण और पोस्टर तक सीमित नहीं रखा जा सकता। स्कूल-कॉलेजों से लेकर गांव और मोहल्लों तक लगातार जनजागरूकता अभियान चलाना होगा। बच्चों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में समय रहते जागरूक करना होगा, क्योंकि आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक और राष्ट्र का निर्माता है। डॉ. पटेल ने कहा कि नशे के कारण अनेक परिवार आर्थिक संकट, बीमारी, घरेलू कलह और सामाजिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए समाज को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार पर कठोर कार्रवाई और नशे के प्रति सामाजिक जागरूकता—दोनों मोर्चों पर एक साथ काम करना जरूरी है। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक अरुण पटेल, नवोदय पब्लिक स्कूल के शिक्षकगण, डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह, भाई जी, बीके अंजू, बीके रेखा बहन सहित विद्यालय के सभी बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशे से बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक अरुण पटेल को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। **राजनीतिक संदेशः** "नशे के खिलाफ केवल नारा नहीं, निर्णायक सामाजिक आंदोलन चाहिए। जिस दिन हर स्कूल का बच्चा नशे के खिलाफ खड़ा हो जाएगा, उसी दिन नशामुक्त समाज की असली नींव मजबूत होगी।"

## पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया पटना-आरा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने पटना-आरा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । इस दौरान महाप्रबंधक ने इस रेलखंड के रेलवे ट्रैक, रेल पुलों आदि का मुआयना किया। महाप्रबंधक ने रेल ट्रैक के बेहतर रख-रखाव पर संतोष व्यक्त करते हुए संरक्षित रेल परिचालन के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आरा जं. पर चल रहे निर्माणाधीन स्थल का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा पर पूरा करने का निर्देश दिया । पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा । निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने आरा जं. पर नवनिर्मित सिक लाइन शेड, कोचिंग डिपो आरा का निरीक्षण के उपरांत उद्घाटन किया गया । इसके साथ ही महाप्रबंधक ने आरपीएफ बैरक सह पोस्ट, आरा एवं रेलवे कॉलोनी, आरा में कर्मचारियों के कल्याणार्थ हेल्थ सेंटर का उद्घाटन किया गया । निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार तथा मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

# सावन महोत्सव के अवसर पर 38वीं वर्ष "बिहारश्री रत्न अवॉर्ड" दिया गया

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** स्थानीय कंकड़बाग पीसी कॉलोनी स्थित विम्पा हॉबी सेंटर में सावन महोत्सव के शुभ बेला पर रंग बिरंगी परिधानों में हरिहर रंग से सरोवर श्रावणी महोत्सव काफी धूमधाम से मनाया गया। सावन पर आधारित गीत, संगीत एवं नृत्य पर आधारित कार्यक्रम में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया गया जिसका उद्घाटन चर्चित चिकित्सा पहल के निदेशक डॉक्टर दिवाकर तेजस्वी ने किया। मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश ज द यू के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह थे, अन्य अतिथियों में उमाशंकर सिंह, मुकेश कुमार, प्रेम प्रतीक, अजय पासवान, मनीष कुमार आदि ने उपस्थित होकर अपने उदगार व्यक्त किया। अध्यक्षता प्रसिद्ध रंगकर्मी व पत्रकार विश्वमोहन चौधरी "संत" ने किया। सभी उपस्थित दर्शकों को स्वागत भाषण स्वागताध्यक्ष रवि रंजन ने किया। अतिथियों के हाथों नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ संजीव कुमार सुमन, लोक गायन में धर्मेंद्र कुमार, कला आयोजन में कृष्ण जी शर्मा उर्फ शालीमार, सिंने अभिनय एवं नृत्य में अंशिका सिंह, सिने अभिनय में आदित्य सिंह रंगमंच, गायन एवं नृत्य विधा में हरे कृष्णा सिंह मुन्ना पत्रकारिता विधा में नरेश चंद्र और प्रसिद्ध उद्घोषक एवं गायक ऋषभ राठौर को "बिहार श्री रत्न सम्मान" स्वरूप सम्मान पत्र, शाल एवं प्रतीक चिन्ह दिया गया। सावन पर आधारित गायन, वादन एवं नृत्य में भाग लेने वाले कलाकार थे आलोक चोपड़ा, अरुण कुमार गौतम, संगीता सुप्रिया, नीलम सिंहा, नरेंद्र कुमार, ऋषभ राठौर, सविता सुधांशु, देव कुमार, अमर कुमार, गोविंदा, रिद्धविका राठौर, मैथिली, शिवानी, रियांशिका राठौर, गुणिका, अद्विका, मिहिका, कियारा, दिव्य आदि प्रमुख थे। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन लोक गायिका एलिजा बानो ने किया।

## बाहर की हरियाली मन को भी हरित कर देती हैः डॉ पूनम सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** महिला समन्वय बिहार प्रदेश की संयोजिका डॉ. पूनम सिंह के नेतृत्व में उनकी प्रांत टोली सदस्य संगीता सिन्हा, वीणा वर्मा, मंजू गुप्ता, अनीता गुप्ता, नीलम गुप्ता आदि के साथ मिलकर मंदिर मठ आदि जगहों में वृक्ष लगाए 1 डॉ पूनम सिंह ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेड़ पौधे हमें सिर्फ ऑक्सीजन ही नहीं देते हमारी सारी जरूरत को भी पूरी करते हैं 1 बाहर की हरियाली हमारे मन को भी हरित कर देती है 1 पेड़ पौधों से सजे हुए सभी स्थान देखने में सुंदर लगने के साथ-साथ हमें प्रसन्नता भी देते हैं 1 सावन का महीना इसी हरियाली का संदेश लाती है 1 किसान, महिलाएं जीव जंतु पक्षी सभी इसे त्यौहार के रूप में मनाते हैं 1 प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में एक बार कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखरेख करनी चाहिए 1

# "सारे जहाँ से अच्छा... के धुनों से गूंज उठा एम्स पटना परिसर

नई सोच एक्सप्रेस

» **स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच SSB के 24 सदस्यीय ब्रास बैंड ने बांधा देशभक्ति का समां**

**पटना।** "सारे जहाँ से अच्छा...", "ऐ मेरे वतन के लोगों..." जैसी देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों ने सोमवार को एम्स पटना परिसर के माहौल को पूरी तरह राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सशस्त्र सीमा बल, फ्रंटियर हेडक्वार्टर्स, पटना के 24 सदस्यीय ब्रास बैंड ने एम्स पटना के प्रशासनिक भवन के सामने शानदार संगीतमय प्रस्तुति देकर परिसर में देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को जीवंत कर दिया। SSB के जवानों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और राष्ट्रीय धुनों की गूंज ने कुछ ही पलों में पूरे परिसर को भावनाओं से भर दिया। डॉक्टरों, फैकल्टी सदस्यों, विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस विशेष प्रस्तुति का आनंद लिया। अनुशासन और जोश से सजी बैंड की प्रस्तुति ने वातावरण में ऐसा रंग भरा कि एम्स परिसर मानो देशभक्ति के सुरों का मंच बन गया। बैंड मास्टर हेड कांस्टेबल जी.डी रूपेश रंजन के नेतृत्व में 24 सदस्यीय टीम ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और ऊर्जा के साथ विभिन्न देशभक्ति गीतों एवं राष्ट्रीय धुनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, उप निदेशक (प्रशासन) निलोत्पल बल एवं डीन (एकेडमिक्स) प्रो. पूनम प्रसाद भदानी सहित वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने सशस्त्र सीमा बल, फ्रंटियर हेडक्वार्टर्स, पटना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की प्रस्तुतियां स्वतंत्रता दिवस समारोह को और अधिक जीवंत एवं प्रेरणादायक बनाती हैं। उन्होंने SSB के पूरे बैंड दल की शानदार प्रस्तुति की सराहना की।

## केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना में 07 करोड़ की राशि से आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** पूर्व मध्य रेल के केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (CSSH), पटना में रेल कर्मचारियों के बेहतर इलाज हेतु महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह ने इंडियन रेलवे फाईनेन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरएफसी) द्वारा प्रदत्त रु. 7,28,20,943/- के चिकित्सा उपकरणों का का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार दूबे, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ एन.के.सजीव, चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे । इंडियन रेलवे फाईनेन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदत्त निधि से लैप्रोस्कोपिक मशीन, ईकोकार्डियो स्कैनिंग मशीन, मल्टीरपैरा कर्डियक मॉनिटर, मोटराईज्डो बेड, सीटीजी मशीन, ओटी टेबल, ईसीजी मशीन जैसे आधुनिक चिकित्सा उपकरण खरीदे गये है। इस अस्पताल में खरीदे गये चिकित्सा उपकरण से ईलाज की गुणवत्तात में काफी सुधार होगा । पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनिता सिंह ने कहा कि अस्पताल में विशेष अवसरों पर सभी मरीजों को चिकित्सा सहायता दी जा जाती रही है, जो निरंतर जारी रहेगी। विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार दूबे ने कहा आईआरएफसी के भारत में 52वें स्थान की लाभकारी संगठन है जिसका कुछ अंश कल्याणकारी कार्य में दिया जाता है। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ संध्या किरण, एसीएचडी, सामान्य् एवं डॉ ए. के. ओझा, एसीएचडी, एडमिन ने घन्यवाद ज्ञापन किया गया।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से लनामिवि के एनएसएस कोषांग द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण जारी

नई सोच एक्सप्रेस

**दरभंगा।** ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के एनएसएस कोषांग के तत्वावधान में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से मधुबनी के विभिन्न कॉलेजों के 200 एनएसएस स्वयंसेवकों का सात दिवसीय "युवा आपदा मित्र आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" जुबिली हॉल में तीसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें शिविर संयोजक डॉ आर एन चौरसिया, कार्यक्रम समन्वयक-द्वितीय डॉ शबनम कुमारी, डॉ सोनू राम शंकर, डॉ युगेश्वर साह, डॉ अरविन्द कुमार मिलन, डॉ अनुपम प्रिया, डॉ प्रियंका राय, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ रीता कुमारी, डॉ कमलेश्वर प्रसाद कमल, डॉ दिलीप झा, डॉ संतोष कुमार, मनीष राज सुमित कुमार झा, अमित कुमार झा, रवीन्द्र कुमार सिंह, मणिकान्त ठाकुर, मुकेश कुमार झा आदि ने सक्रिय सहयोग किया। वहीं एसडीआरएफ, पटना की ओर से हवलदार कृष्ण नंदन सिंह, रूपेश कुमार पासवान, मालिक कुमार, राजू कुमार, खोखो कुमार, देव कुमार, तनुजा कुमारी एवं संतोषी कुमारी ने स्वयंसेवकों को कई तरह से प्रशिक्षित किया। शिविर का शुभारंभ करते हुए डॉ अनुपम प्रिया ने कहा कि वैसे सीखने की कोई उम्र नहीं होती, पर युवा छात्र- छात्राओं में सीखने की काफी क्षमता एवं ललक होती है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वयंसेवक दरभंगा में उपलब्ध "आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर" में अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर 'आपदा मित्र' बने और समाज को लाभ पहुंचाएं। एसडीआरएफ राजू कुमार ने बज्रपात होने के कारण, प्रभाव तथा इसके दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए को विस्तार से बताते हुए कहा कि हम बिजली गिरने की प्राकृतिक घटना को रोक नहीं सकते हैं, परंतु इससे होने वाले जन-धन के नुकसानों को कम जरूर कर सकते हैं। कहा कि बज्रपात से प्रायः आंख, कान एवं मस्तिष्क को ज्यादा आघात पहुंचता है। इसलिए प्रभावित व्यक्ति को जल्द से जल्द अस्पताल ले जाना चाहिए, अन्यथा जान भी जा सकती है। वहीं तनुजा कुमारी ने शारीरिक आकलन एवं निरीक्षण को विस्तार से बताते हुए दुर्घटना आदि के कारण शरीर में हुए नुकसान की पूरी जांच के तौर-तरीकों की जानकारी दी। बौद्धिक सत्र में विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक डॉ संजीव कुमार शाह ने "युवा शक्ति और राष्ट्र-निर्माण" पर व्याख्यान देते हुए कहा कि युवा हमारे राष्ट्र के भविष्य एवं कर्णधार हैं। वे अपनी कुशलता, क्षमता एवं परिश्रम से राष्ट्र को नया रूप देने में सक्षम हैं। युवा राष्ट्र के मजबूत स्तंभ एवं वास्तविक शक्ति हैं, जिनके बल पर राष्ट्र के भविष्य को स्वर्णिम बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक असफलता ही दूसरी सफलता का द्वार खोलता है। हमें हमेशा उम्मीद के साथ ही धैर्य एवं अनुशासन पूर्वक आगे बढ़ते रहना चाहिए। "जियो और जीने दो" के सकारात्मक सोच के साथ स्वामी विवेकानन्द जैसे युवाओं के बल पर हम रामराज्य की स्थापना कर सकते हैं। शिविर का संचालन एवं स्वागत संयोजक डॉ आर एन चौरसिया ने किया।

» युवा हमारे राष्ट्र के भविष्य एवं कर्णधार, जिनकी कुशलता, क्षमता एवं परिश्रम से राष्ट्र को नया रूप देना संभव- डॉ संजीव कुमार

## 'प्लास्टिक बंदी' कानून का कठोरता से पालन कर राष्ट्रध्वज का अपमान रोकें ! हिन्दू जनजागृति समिति की प्रशासन से मांग

नई सोच एक्सप्रेस

**मुजफ्फरपुर।** 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर देशभक्ति की भावना से राष्ट्रध्वज बड़े अभिमान के साथ फहराए जाते हैं; परंतु दुर्भाग्य से वही राष्ट्रध्वज उसी दिन सड़कों पर, कूड़ेदान में या नालियों में फटी अवस्था में पड़े मिलते हैं। विशेषकर प्लास्टिक के ध्वज जैविक रूप से विघटनशील न होने के कारण यह अपमान कई दिनों तक होता रहता है। इसके अतिरिक्त, 'टी-शर्ट', मास्क और अन्य परिधानों के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर राष्ट्रध्वज का अपमान हो रहा है। इस अपमान को रोकने के लिए उच्च न्यायालय के आदेशों और उपलब्ध कानूनों का प्रशासन कड़ाई से पालन करे, यह मांग हिन्दू जनजागृति समिति ने माननीय जिलाधिकारी महोदय को दिए गए ज्ञापन में की है। इस अवसर पर अधिवक्ता जितेंद्र कुमार सिंह, अधिवक्ता संजय, अधिवक्ता जयवर्धन तथा अधिवक्ता रमेश कुमार सिंह उपस्थित थे। राष्ट्रध्वज के इस अपमान को रोकने के लिए हिन्दू जनजागृति समिति ने मुंबई उच्च न्यायालय में जनहित याचिका (क्र. 103/2011) दायर की थी। इसकी सुनवाई करते हुए माननीय न्यायालय ने प्लास्टिक के राष्ट्रध्वजों द्वारा होने वाला अपमान रोकने के लिए सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। तदनुसार, केंद्रीय एवं राज्य के गृह तथा शिक्षा विभागों ने परिपत्र जारी किए हैं। वर्तमान में देशभर में 'सिंगल यूज़ प्लास्टिक' पर पूर्ण प्रतिबंध होने के कारण प्लास्टिक ध्वजों का उत्पादन और बिक्री करना अब दोहरा अपराध है। इसके साथ ही, 'भारतीय ध्वज संहिता 2002', 'प्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम 1950' (धारा 2 और 5) तथा 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971' (धारा 2) के अंतर्गत राष्ट्रध्वज का अपमान करना एक दंडनीय अपराध है। प्रशासन को इन कानूनों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करना चाहिए। उच्च न्यायालय ने सरकार को निर्देश दिए हैं कि 'राष्ट्रध्वज का अपमान रोकने के लिए कृति समिति स्थापित की जाए और जनजागृति हेतु उसमें सामाजिक संस्थाओं को सम्मिलित किया जाए।' इसी संदर्भ में हिन्दू जनजागृति समिति पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से 'राष्ट्रध्वज का सम्मान रखें!' यह राष्ट्रव्यापी अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान और प्रश्नमंजूषा आयोजित करना, हस्तपत्रक बांटना, भित्तिपत्रक लगाना, स्थानीय केबल चैनल्स और 'सोशल मीडिया' के माध्यम से जनजागृति करना, तथा सड़कों पर गिरे राष्ट्रध्वजों को एकत्रित कर उनका सम्मानपूर्वक निस्तारण (Disposal) करना आदि कार्य निरंतर किए जाते हैं, यह भी समिति ने इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से स्पष्ट किया है।

## जलाभिषेक के दौरान स्काउट-गाइड कैडेटों ने संभाली भीड़, सुचारू रही व्यवस्था

नई सोच एक्सप्रेस

**छपरा।** सावन माह की दूसरी सोमवारी के अवसर पर छपरा शहर के प्रसिद्ध धनी धर्मनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा, सेवा एवं सुरक्षा के लिए भारत स्काउट एवं गाइड, सारण के 50 कैडेटों ने जिम्मेदारी संभाली। अनुमंडल पदाधिकारी, छपरा सदर एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, सारण के संयुक्त निर्देश के आलोक में मंदिर परिसर में सेवा शिविर आयोजित किया गया। इसका नेतृत्व जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज ने किया। सोमवारी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। भीड़ को देखते हुए कैडेटों ने सुबह से ही मंदिर परिसर में मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से जलाभिषेक कराने, भीड़ को नियंत्रित करने तथा जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कैडेटों ने अनुशासन और सेवा भावना के साथ श्रद्धालुओं को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया, जिससे जलाभिषेक की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हुई। सेवा शिविर में जिला प्रशिक्षक प्रणव सिंह, सोनू गुप्ता सहित अन्य प्रशिक्षक एवं 50 कैडेट सक्रिय रहे। जिला संगठन आयुक्त अमन राज ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड का मूल मंत्र सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी है। धार्मिक स्थल पर श्रद्धालुओं की सेवा करना कैडेटों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी स्वयंसेवक सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े आयोजनों में तत्परता से अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे।

## महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान से नालंदा के पांच शिक्षक सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

**बक्सर।** शिक्षा, संस्कृति और संस्कार विषय पर संत पॉल इंटरनेशनल स्कूल, बक्सर में राज्य स्तरीय सेमिनार सह महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विकास फैमिली क्लब परिवार बिहार एवं एक्टिव टीचर्स एंड स्टूडेंट ग्रुप, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में नालंदा सहित बिहार के 18 जिलों तथा मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 100 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डुमरांव राजपरिवार के सदस्य मान विजय सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी भारतीय सनातन संस्कृति से दूर होकर पश्चिमी संस्कृति की ओर बढ़ रही है, जिससे गुरु-शिष्य परंपरा प्रभावित हो रही है। आयोजक मनोज मिश्रा ने शिक्षकों से शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार विकसित करने का आह्वान किया। समारोह में नालंदा के प्राथमिक विद्यालय बेलदरिया पावा के प्रधान शिक्षक रोहित कुमार, उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोहनासराय के शिक्षक मो. नजमुद्दीन, उर्दू प्राथमिक विद्यालय पेढ़ूका की प्रधान शिक्षिका श्वेता सिन्हा, प्राथमिक विद्यालय देवकली की शिक्षिका फूल कुमारी तथा प्राथमिक विद्यालय बालबापर की शिक्षिका कुमारी अवंतिका सिन्हा को महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। प्रधान शिक्षक रोहित कुमार ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को सही दिशा देना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। सम्मानित शिक्षक शिक्षा के साथ रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, बाल विवाह रोकथाम, सांप्रदायिक सौहार्द, नवाचार एवं निर्धन बच्चों की सहायता जैसे कार्यों में भी योगदान दे रहे हैं।

## नशे से विनाश, योग से विकास ,उदयवीर सिंह,शुगर इंडस्ट्रीज में नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

**बेतिया।** मझौलिया शुगर इंडस्ट्रीज परिसर में सोमवार को नशामुक्त भारत अभियान एवं मिशन स्पंदन के तहत नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दादी प्रकाश मणि जी की पावन स्मृति में आयोजित हुआ। इस दौरान अधिकारियों, कर्मियों एवं किसानों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुगर इंडस्ट्रीज के यूनिट हेड उदयवीर सिंह ने कहा कि नशे से विनाश और योग से विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। नशा केवल शरीर को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि व्यक्ति के सपनों और भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन ही सच्चे आनंद का आधार है। नशामुक्त व्यक्ति अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल के प्रति अधिक जिम्मेदार तरीके से योगदान दे सकता है।उन्होंने शुगर इंडस्ट्रीज के सभी अधिकारियों एवं कर्मियों से नशे से पूरी तरह दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। कहा कि नशामुक्त जीवन से परिवार में खुशहाली आती है और समाज भी स्वस्थ एवं मजबूत बनता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान को समझते हुए इससे दूर रहने का संकल्प लिया।मौके पर परचेज डिपार्टमेंट हेड एपी सिंह, एजीएम एचआर हरीश सिंह, एजीएम गन्ना विभाग अखिलेश सिंह, यूएन राय, सीसीएम धीरेंद्र प्रताप सिंह, इंजीनियरिंग हेड योगेंद्र कुमार, जीएम प्रोडक्शन सर्वेश दुबे, प्रभात तिवारी, शिवजी यादव, संदीप कुमार, नागेंद्र मिश्रा, गोविंद सिंह, विजय पांडेय सहित शुगर इंडस्ट्रीज के कर्मी एवं किसान मौजूद रहे।

## जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, ठोस कार्रवाई की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

**देसरी।** एसपीएस कॉलेज खेल मैदान में गड्ढे की भराई व प्रकाश व्यवस्था, देसरी में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण, एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव, सरदार वल्लभभाई पटेल रेलवे स्टेडियम के सौंदर्यीकरण तथा रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विकास की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। एसपीएस कॉलेज खेल मैदान से निकले प्रदर्शन में छात्र-युवा, खिलाड़ी, स्थानीय नागरिक और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए वैशाली जिला कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत पंडित ने कहा कि देसरी रेलवे फाटक पर रोज लगने वाले जाम के बावजूद आरओबी निर्माण की वर्षों पुरानी मांग पर अब तक ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जनता अब आश्वासन नहीं, कार्रवाई चाहती है। अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि एसपीएस कॉलेज का खेल मैदान युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन मैदान में गड्ढा और पर्याप्त रोशनी नहीं होने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मो. रुस्तम एवं अनीश कुमार ने कहा कि कई वर्षों से आवेदन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। प्रखंड विकास पदाधिकारी मोनिका कुमारी ने छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से वार्ता कर स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान तथा नीतिगत मांगों को सरकार तक भेजने का आश्वासन दिया। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

## +2 उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मुरला में 40 होनहार छात्र-छात्राओं को पहनाया गया प्रीफेक्ट बैच

नई सोच एक्सप्रेस

**मोतीहारी।** रामगढ़वा प्रखंड के +2उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मुरला में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यालय के मेधावी और अनुशासित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 7 से 10 के चयनित 40 होनहार छात्र-छात्राओं को शिक्षकों द्वारा 'प्रीफेक्ट बैच' प्रदान किया गया। बैच प्राप्त करने वाले प्रमुख विद्यार्थियों में सफक आजम, मयूरी कुमारी, नंदनी कुमारी, आशीष कुमार, शमीम आलम, सुमित कुमार इत्यादि शामिल हैं।शिक्षकों ने बताया कि प्रीफेक्ट बैच उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, बेहतर आचरण, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन का परिचय देने वाले छात्रों को दिया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और सहयोग की भावना विकसित करना है, ताकि वे विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने और दैनिक गतिविधियों के संचालन में शिक्षकों का सहयोग कर सकें।यह पूरा कार्यक्रम प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री प्रकाश कुमार एवं वरीय शिक्षक मोहम्मद सद्दाम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय अध्यापक श्री श्याम कुमार, श्री अरविंद कुमार गिरी, श्री राजकुमार प्रसाद, श्री राकेश कुमार, श्री पन्नालाल चौधरी, कुमारी ज्योति, श्री रौशन कुमार, इशरत फातिमा एवं अन्य सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य छात्रों को भी इनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

## हर घर तिरंगा अभियान के तहत सहकारिता भवन से निकली तिरंगा यात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

**जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।** हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला सहकारिता भवन से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले कर्मियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा जिला सहकारिता भवन से शुरू होकर जिला समाहरणालय भवन तक गई। इस दौरान कर्मचारियों ने लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। जिला अंकेक्षण पदाधिकारी धनंजय कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता का संदेश देता है। तिरंगा हम सभी के लिए गौरव और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं सम्मान व्यक्त करने की अपील की। इसअवसर पर अनुमंडल अंकेक्षण पदाधिकारी कैसर आलम, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी श्रीकृष्ण रजक, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी ललन प्रसाद, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी रिजवानूर रहमान, प्रधान लिपिक संजू कुमार समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

## संक्षिप्त समाचार

### सुगौली स्टेशन पर लावारिस बैग से छह लीटर विदेशी शराब बरामद

**मोतीहारी।** सुगौली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर रविवार की देर रात पुलिस ने लावारिस हालत में रखे जूट के बैग से करीब छह लीटर विदेशी शराब बरामद की। शराब जननायक एक्सप्रेस के गुजरने के दौरान प्लेटफार्म के पश्चिमी हिस्से में पुराने थाना के समीप से बरामद की गई। पुलिस के अनुसार जूट के बैग में 750 एमएल की आठ बोतल 3 एक्स रम, जिस पर सेल फॉर पंजाब अंकित था, बरामद हुई। बैग का कोई दावेदार मौके पर नहीं मिला। मामले में अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।कार्रवाई में एसएचओ के नेतृत्व में एएसआई मुन्ना राय, अमर लोक कुमार तथा महिला पुलिसकर्मी पूजा कुमारी शामिल रहीं। पुलिस शराब के मालिक और उसे स्टेशन तक पहुंचाने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए जांच कर रही है।

### वृद्ध महिला को मारपीट कर जख्मी किया प्राथमिकी दर्ज

**वैशाली।** बरांटी थाना क्षेत्र के बरुआ गांव निवासी पिंकी देवी पति वरुण कुमार ने थाने में शराबी पति के द्वारा मारपीट कर जख्मी कर देने व आभूषण छीनने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें कहा है कि रात्रि के 9 बजे मेरे पति वरुण कुमार शराब पीकर आए और मेरे साथ गाली गलौज करने लगे साथ ही मेरे सोना व चांदी के आभूषण मुझसे छीनने लगा। जब मेरी सासू मां बचाने आई तो उन्हें भी मारपीट कर जख्मी कर दिया। ग्रामीण हल्ला हंगामा सुनी तो दरवाजे पर भीड़ जमा हो गई।वही अगल-बगल के ग्रामीणों द्वारा डायल 1112 पुलिस को सूचित किया गया। डायल 12 पुलिस पति वरुण कुमार को लेकर थाने पर चली गई। आवेदन में अपने स्तर से जांच कर कानूनी कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया है।

### हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर रामगढ़वा में तैयारियां तेज, 12 को ब्लॉक परिसर से निकलेगी भव्य यात्रा

**मोतीहारी।** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए रामगढ़वा प्रखंड प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी कड़ी में प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड सह अंचल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 12 अगस्त को ब्लॉक परिसर से एक विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए आम लोगों में देशभक्ति का अलख जगाएगी।बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ राकेश कुमार ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने का एक अनूठा प्रयास है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रखंड के प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना है। बैठक के दौरान रैली के रूट चार्ट, सुरक्षा व्यवस्था, अनुशासन और विभिन्न पंचायतों से आम जनता की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। इस प्रशासनिक बैठक में पुलिस और ब्लॉक प्रशासन के पदाधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार, एसआई रामेश्वर राम, मुखिया पति शमसुल, मुखिया जानेआलम, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, पारसनाथ काजी, बीपीआरओ विश्वजीत कुमार, एलएस ज्योति कुमारी, बीसीओ रामनारायण साह तथा पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह सहित कई अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।बैठक के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे 12 अगस्त को आयोजित होने वाली इस तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाएं और अपने घरों पर गर्व से तिरंगा लहराकर राष्ट्रीय पर्व का हिस्सा बनें। ,

### शराब कारोबारी को पकड़कर छोड़ने का वीडियो हुआ वायरल, दो दारोगा लाइन हाजिर

**गया जी/वजीरगंज।** शराब कारोबारी को पकड़ने के बाद कथित तौर पर छोड़ने के मामले में वजीरगंज थाने के दो दारोगा पर गाज गिरी है। वायरल वीडियो की जांच के बाद वरीय पुलिस अधिकारियों ने दारोगा जितेन्द्र पासवान और जमीरा बैठा को लाइन हाजिर कर दिया है। मामले में आगे की विभागीय कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।मामला 9 जुलाई का बताया जा रहा है। पुलिस ने रेंगना गांव स्थित एक ईंट-भट्ठे के पास मोटरसाइकिल पर देशी शराब लेकर जा रहे एक व्यक्ति को पकड़ा था। आरोप है कि बाद में कथित तौर पर लेन-देन के बाद उसे छोड़ दिया गया। इसी दौरान गांव के युवक नीतीश कुमार ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया।आरोप है कि वीडियो बनाए जाने के बाद पुलिसकर्मियों ने दबाव बनाकर नीतीश के मोबाइल से वीडियो डिलीट करा दिया। हालांकि, इससे पहले नीतीश ने वीडियो अपने एक दोस्त के मोबाइल पर भेज दिया था। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और मामला वरीय पुलिस अधिकारियों तक पहुंचा।परिजनों के अनुसार, घटना के करीब दस दिन बाद वजीरगंज पुलिस ने आधी रात को अशोक प्रसाद के घर से नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे 30 लीटर देशी शराब रखने के आरोप में जेल भेज दिया। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। ग्रामीणों ने नीतीश पर शराब रखने के आरोप को गलत बताते हुए दावा किया कि वह और उसका परिवार शराब के सेवन या कारोबार से जुड़ा नहीं है।मामले को लेकर कई यूट्यूब चैनलों पर भी खबरें प्रसारित हुईं। इसके बाद वायरल वीडियो और पूरे प्रकरण की जांच कराई गई। जांच में पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आने पर दोनों दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया।वही पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में विभागीय जांच आगे भी जारी रहेगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

### अशोक सिंह के निधन पर जिला परिषद सदस्य ने जताया शोक

**भभुआ।** चैनपुर उत्तरी भाग-1 के फकराबाद गांव निवासी अशोक सिंह का ब्रेन हेमरेज के बाद बनारस के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य अखिलेश कुमार चौरसिया फकराबाद स्थित उनके आवास पर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर अखिलेश चौरसिया ने कहा कि जनता के सुख-दुख में खड़ा रहना ही जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में शामिल होकर हरसंभव सहयोग करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने परिजनों को इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

### प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया

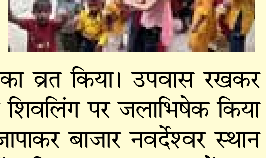

**वैशाली।** प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में आज दूसरी सोमवारी को श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किया गया एवं बेलपत्र फूल फल आदि अर्पित की गई।महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों ने भी सोमवारी का व्रत किया। उपवास रखकर अपने अगल-बगल भोले बाबा के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया एवं सुख शांति की दुआ मांगी।राजापाकर बाजार नवर्देश्वर स्थान मंदिर परिसर में बाजार के दर्जनों महिला पुरुष श्रद्धालुओं द्वारा कौनहारा घाट हाजीपुर से गंगाजल लाकर बाजे गाजे बैन्ड बाजे के साथ बाजार के बीच विभिन्न चौक चौराहे का भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर में जलाभिषेक किया। वही रात्रि में विभिन्न शिवालयों को छोटे-छोटे बल्बों से सजाया गया है।विभिन्न मंदिरों में रात्रि को भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

## संक्षिप्त समाचार

### 30 अगस्त तक मांगें पूरी करने का आश्वासन, सफाईकर्मी काम पर लौटे

**जहानाबाद (हसनैन दीवाना)**। नगर परिषद के सफाईकर्मी अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। सोमवार को सफाईकर्मियों ने विरोध मार्च निकालकर नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन समाप्त किया। इसके बाद सफाईकर्मियों के प्रतिनिधिमंडल ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार से मुलाकात कर अपनी मांगों को लेकर बातचीत की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। बातचीत के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी ने सफाईकर्मियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए 30 अगस्त तक उनकी मांगों के समाधान की दिशा में कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि जायज मांगों को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।एनजीओ के स्तर पर किसी प्रकार की अनियमितता या कमी पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करने की भी बात कही गई। अधिकारी के आश्वासन के बाद सफाईकर्मियों ने फिलहाल अपना आंदोलन समाप्त करते हुए काम पर लौटने का निर्णय लिया। सफाईकर्मी बबलू कुमार, सूरज, मदन सहित अन्य कर्मचारियों ने कहा कि वे शहर की सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अपने काम पर वापस लौट रहे हैं लेकिन 30 अगस्त तक उनकी 10 सूत्री मांगें पूरी नहीं हुईं तो इसके बाद सफाई कर्मी दोबारा हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे। इसके बाद बड़ी संख्या में महिला और पुरुष सफाईकर्मी नगर परिषद कार्यालय से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लौट गए और शहर के विभिन्न इलाकों में सफाई कार्य संभाल लिया। सफाईकर्मियों ने स्पष्ट किया कि 30 अगस्त की समय सीमा उनके आंदोलन के अगले चरण का आधार होगी। मांगें पूरी होने पर आंदोलन समाप्त माना जाएगा अन्यथा फिर से हड़ताल शुरू की जाएगी।

### 72 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर दवा दी गई

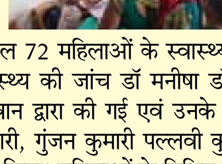

**वैशाली**। सीएचसी राजापाकर में प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच हुई।शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर एसपी उपाध्याय ने बताया कि आज के शिविर में कुल 72 महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर दवा दी गई। उनके स्वास्थ्य की जांच डॉ मनीषा डॉक्टर शालिनी डॉक्टर जितेंद्र मोहन पासवान द्वारा की गई एवं उनके कार्य में एएनएम शांति कुमारी, पूजा कुमारी, गुंजन कुमारी पल्लवी कुमारी शोभा कुमारी प्रभा कुमारी ने सहयोग किया। महिलाओं के विभिन्न जांच की जांच की गई। खाने के लिए उन्हें विटामिन बी कंपलेक्स आयरन कैलशियम की दवा दी गई। महिलाओं को भारी वजन नहीं उठाने की सलाह दी गई।खाने में पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई। उन्हें डिलीवरी अपने किसी नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में करने के संबंध में बताया गया कि प्रशिक्षित डॉक्टर व प्रशिक्षित नर्स द्वारा प्रसव कराया जाता है। जिससे जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ होता है।

### राष्ट्रभक्तों की सेवा में सुधा सदैव समर्पित

» हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत तिरंगा यात्रा में सुधा ने उपलब्ध कराए निःशुल्क पेय पदार्थ

**पटना**। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार द्वारा हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत सोमवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार के नेतृत्व में जेपी गोलंबर से कारगिल चौक, पटना तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा में शामिल प्रतिभागियों की सुविधा एवं सेवा के लिए बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड द्वारा यात्रा मार्ग में सुधा का विशेष स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल के माध्यम से तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों को निःशुल्क सुधा जल, लस्सी एवं छाछ सहित अन्य पेय पदार्थ उपलब्ध कराए गए।इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, ने सुधा द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान कॉम्फेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य सचिव का स्वागत किया गया। सुधा के स्टॉल पर तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों, नवयुवकों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने शीतल एवं पौष्टिक पेय पदार्थों का सेवन किया। भीषण गर्मी के बीच निःशुल्क पेय पदार्थों की यह व्यवस्था यात्रा में शामिल लोगों के लिए काफी उपयोगी एवं राहत देने वाली रही।

### कृषि, सिंचाई, प्रसंस्करण एवं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में साझा होंगे अनुभव : विजय

» तेलंगाना में स्थित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कृषि संस्थानों का करेंगे भ्रमण, बिहार में लागू करने की संभावनाओं पर होगा मंथन

**पटना**। तेलंगाना दौरे पर रवाना होने से पहले कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के कृषि क्षेत्र को आधुनिक, तकनीक आधारित एवं रोजगारोन्मुख बनाने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से यह दौरा महत्वपूर्ण है। इस दौरान तेलंगाना में कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, आधुनिक तकनीकों एवं सफल प्रयोगों की जानकारी प्राप्त की जाएगी। उनके साथ कृषि विभाग के प्रधान सचिव, कृषि निदेशक एवं उद्यान निदेशक भी रहेंगे। दौरे के दौरान कृषि मंत्री तेलंगाना के कृषि मंत्री, कृषि विभाग के सचिव एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कृषि, सिंचाई, फसल विविधीकरण, डिजिटल कृषि, कृषि प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ ही, तेलंगाना में स्थित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कृषि संबंधी संस्थानों का भ्रमण कर वहाँ हो रहे अनुसंधान, नवाचार एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से रूबरू होंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार और तेलंगाना की कृषि परिस्थितियाँ अलग हैं, लेकिन किसानों की आय बढ़ाना दोनों राज्यों की साझा प्राथमिकता है। तेलंगाना में किए जा रहे सफल प्रयोगों एवं नवाचारों को समझते हुए बिहार की परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी तकनीकों और मॉडलों को अपनाने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में बीज उत्पादन एवं बीज विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीज कृषि उत्पादकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण आधार है। बिहार में भी गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को बढ़ावा देने, किसानों को उन्नत किस्मों के बीज समय पर उपलब्ध कराने तथा बीज उत्पादन एवं प्रसंस्करण से जुड़े रोजगार और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।बिहार की परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी पहल को आगे बढ़ाना इस दौरे का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।उन्होंने कहा कि बिहार के मिथिला मखाना, शाही लीची, जदालू आम, कतरनी धान, मगही पान एवं मर्चा धान जैसे उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुँचाने के लिए प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं निर्यात की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना आवश्यक है। तेलंगाना के अनुभव इस दिशा में बिहार के लिए उपयोगी साबित होंगे। इस दौरे से कृषि तकनीक, सिंचाई एवं जल प्रबंधन, बागवानी, कृषि प्रसंस्करण एफपीओ आधारित मूल्यवर्धन, कृषि उद्यमिता एवं निर्यात के क्षेत्र में नई संभावनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। इससे बिहार के किसानों को आधुनिक तकनीक एवं बेहतर बाजार से जोड़ने तथा उनकी आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

# 19 सूत्री मांगों को लेकर किसान-मजदूर संगठनों का जेल भरो आंदोलन

नई सोच एक्सप्रेस

**जहानाबाद (हसनैन दीवाना)**। बिहार राज्य किसान सभा, सीआईटीयू, बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन जिला कमेटी जहानाबाद समेत विभिन्न किसान-मजदूर संगठनों ने राष्ट्रीय आह्वान पर जेल भरो आंदोलन किया। आंदोलन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी को 19 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। बिहार राज्य किसान सभा के जिला सचिव दिलीप कुमार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों से किसान, मजदूर और गरीब वर्ग परेशान हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है जबकि खाद-बीज की कीमत और कृषि लागत लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, किसानों और मजदूरों की कर्जमाफी तथा खाद-बीज की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। आंगनवाड़ी सेविका वीणा कुमारी ने महिलाओं और आंगनवाड़ी कर्मियों की समस्याओं के समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि गरीब एवं मजदूर परिवारों के बच्चों और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को मजबूत करने के साथ आंगनवाड़ी कर्मियों को उचित मानदेय और आवश्यक सुविधाएं मिलनी चाहिए। ज्ञापन में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को वापस लेने, चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, बिजली अधिनियम 2025 को वापस लेने तथा पुराने मनरेगा कानून को लागू करने की मांग की गई। इसके अलावा भूमिहीन गरीब परिवारों को आवास के लिए जमीन उपलब्ध कराने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के निजीकरण पर रोक लगाने और बेरोजगारों को रोजगार देने की मांग भी शामिल है। संगठनों ने खाद-बीज की खरीद में किसान आईडी की बाध्यता समाप्त करने, राशन कार्ड से नाम काटने पर रोक लगाने और सभी पात्र लाभुकों को वृद्धावस्था पेंशन देने की मांग उठाई। साथ ही बाढ़, सुखाड़ और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था, बंद पड़े नलकूपों को चालू करने तथा सुखाड़ प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की गई। आंदोलनकारियों ने फल्गु नदी को सोन नदी से जोड़ने समेत अन्य मांगों पर भी शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

# स्व. श्याम किशोर सिंह की पुण्यतिथि पर पौधरोपण

नई सोच एक्सप्रेस

**नालंदा**। इस्लामपुर स्थित स्व. श्याम किशोर सिंह के स्मृति स्थल पर उनकी 16वीं पुण्यतिथि पर सेमिनार सह वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आम, अमरूद, पीपल व पपीता के पौधे लगाए गए तथा ग्रामीणों के बीच 100 पपीते के पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उनके पुत्र एवं बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि स्व. श्याम किशोर सिंह को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से विशेष लगाव था। उन्होंने किसानों के कर्ज माफ करने की दिशा में सरकार से ठोस पहल की मांग की। पूर्व पंचायत समिति सदस्य कौशलेंद्र कुमार ने युवाओं के लिए पंचायत स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा सातवीं कक्षा से छात्रवृत्ति देने की मांग की। सेमिनार की अध्यक्षता रामदहिन सिंह ने की। उन्होंने किसानों की जमीन से जुड़े नियमों की समीक्षा कर उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# सारण क्रिकेट ने दी पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

**छपरा**।सारण जिला क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय संजय कुमार सिंह के निधन पर सोमवार को राजेंद्र स्टेडियम में सारण जिला क्रिकेट संघ की ओर से शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों और खिलाड़ियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष उज्ज्वल मिश्रा ने कहा कि संजय कुमार सिंह का निधन सारण क्रिकेट परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सारण में क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपना बहुमूल्य समय खेल के प्रति समर्पित किया। उनका योगदान क्रिकेट जगत में हमेशा स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि सारण क्रिकेट को लेकर संजय कुमार सिंह ने जो सपने देखे थे, उन्हें आगे बढ़ाने और पूरा करने के लिए संघ प्रतिबद्ध है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक सभा में सुरेश प्रसाद सिंह, पॉल इस्माइल, राजू नयन शर्मा उर्फ ददन गिरी, विभूति नारायण शर्मा, कैशर अनवर, चंदन शर्मा, कुंदन शर्मा, सुनील कुमार सिंह, सौरभ कुमार ट्विंकल और राजेश राय सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। खिलाड़ियों में ऋषभ राज, ऋतिक, अरुणेश, समर्थ, मोनू, प्रिंस राज और नितीश पांडेय सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद थे।

# अदाणी फाउंडेशन की मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट को डीएम आलंकृता पांडेय ने दिखाई हरी झंडी

नई सोच एक्सप्रेस

**भागलपुर**। स्थानीय समुदायों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में अदाणी फाउंडेशन की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। भागलपुर की जिलाधिकारी आलंकृता पांडेय ने अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट के माध्यम से पीरपैंती में निर्माणाधीन पावर प्लांट के आसपास के 30 गांवों में रहने वाले लोगों को प्राथमिक एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए क्षेत्र में 18 निर्धारित स्टॉपेज प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां तय कार्यक्रम के अनुसार मोबाइल हेल्थ यूनिट पहुंचकर स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगी। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुंच को बेहतर बनाना है। मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट के माध्यम से स्थानीय समुदायों को नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य जांच के अलावा जरूरतमंद लोगों को मुफ्त दवा भी देने की व्यवस्था की गई है। अडानी फाउंडेशन की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के साथ-साथ समुदाय के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## विष्णुधाम से बैजूधाम तक गूंजा 'हर-हर महादेव', हजारों कांवरियों ने उठाया पवित्र जल

नई सोच एक्सप्रेस

**गयाजी**। श्री हरिहर कांवरिया संघ एवं शिव नारायण सेवा संस्थान, गयाजी के तत्वावधान में रविवार को श्री विष्णुधाम गयाजी से श्री बैजूधाम गुरुआ तक प्रथम कांवर यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई।इस यात्रा में हजारों श्रद्धालु कांवरिया शामिल हुए।कांवरियों ने उत्तरवाहिनी फल्गु नदी से पवित्र जल भरकर भगवान् श्री विष्णु के दर्शन करते हुए हर-हर महादेव, हरि-हरि बोल और बोल बम के जयघोष के बीच बैजूधाम गुरुआ के लिए प्रस्थान किया । डीजे की धुन पर कांवरिया नाचते-गाते और भगवान शिव के जयकारे लगाते आगे बढ़ते रहे। युवा व्यवसायी सह समाजसेवी तोषण मैतीन एवं अंशिका मैतीन ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।यात्रा मार्ग में स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने कांवरियों का जोरदार स्वागत किया। जगह-जगह शर्बत, पानी और फल की व्यवस्था की गई। कुसुम मोटर के सुधीर कुमार सिंह, सतगुरु इंटरप्राइजेज के उपेंद्र कुमार समेत चेरकी के दुकानदार भाइयों ने कांवरियों की सेवा की। संस्थापक रमेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री विष्णुधाम से श्री बैजूधाम गुरुआ तक अगली कांवर यात्रा 23 अगस्त 2026 को निकाली जाएगी। वही आयोजकों ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने की अपील की है।

## मलयपुर थाना क्षेत्र के पत्नेश्वर चौक पर साइबर डीएसपी ने चलाया दो पहिया वाहन जांच अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

**जमुई**।मलयपुर थाना क्षेत्र के पत्नेश्वर चौक पर रविवार रात्रि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व साइबर डीएसपी अभिषेक कुमार ने किया।रात्रि करीब 8 बजे से शुरू हुए इस अभियान में दो पहिया वाहनों के कागजात, हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस और नशे में वाहन चलाने की जांच की गई। बिना कागजात और ट्रिपल राइडिंग करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई। साथ ही संदिग्ध वाहनों की भी तलाशी ली गई।साइबर डीएसपी अभिषेक कुमार ने बताया कि अपराध नियंत्रण और सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने आम लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने की अपील की।अभियान के दौरान दर्जनों वाहनों की जांच की गई और नियम उल्लंघन करने वाले कई चालकों का चालान काटा गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। चेकिंग के दौरान मलयपुर थाना अध्यक्ष शेखर सौरभ सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

## वजीरगंज में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन का चुनाव हुआ संपन्न रमाकांत बने अध्यक्ष, पारदर्शी राशन वितरण का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

**गया जी**। वजीरगंज प्रखंड फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव सोमवार को सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव में रमाकांत सिंह को अध्यक्ष और शिवशंकर प्रसाद को उपाध्यक्ष चुना गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन दिनदयाकर भारती उर्फ कपिल चौधरी ने किया।महुयेत पंचायत निवासी रमाकांत सिंह के अध्यक्ष चुने जाने पर डीलरों ने बधाई दी। वहीं दखिनगांव निवासी शिवशंकर प्रसाद को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने डीलरों की समस्याओं को मजबूती से प्रशासन तक पहुंचाने और राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने का संकल्प लिया।अध्यक्ष रमाकांत सिंह ने कहा कि सभी डीलरों को साथ लेकर उपभोक्ताओं को समय पर और सही मात्रा में राशन उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि डीलरों की समस्याओं के समाधान के लिए भी संगठन स्तर पर लगातार पहल की जाएगी।चुनाव में प्रखंड के बड़ी संख्या में फेयर प्राइस डीलर शामिल हुए। नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर सदस्यों में उत्साह देखा गया।

## जहानाबाद का शानदार प्रदर्शन टीबी मुक्त भारत अभियान में बिहार में प्रथम एवं टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट में चौथा स्थान

नई सोच एक्सप्रेस

**जहानाबाद (हसनैन दीवाना)**। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया के दिशा निर्देशन में जिले ने टीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिले में चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत जिले में 1,44,000 आबादी की रिकॉर्ड टीबी स्क्रीनिंग के साथ संवेदनशील आबादी के एक्स-रे परीक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 32,357 लक्षित आबादी में से 14,660 व्यक्तियों का चेस्ट एक्स रे परीक्षण कर 45 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी क्रम में टीबी संक्रमण की रोकथाम के लिए संचालित टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट में भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए पात्र 271 व्यक्तियों में से 193 व्यक्तियों को उपचार से जोड़कर 71 प्रतिशत उपलब्धि के साथ जहानाबाद ने पूरे बिहार में चौथा स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिले में टीबी मरीजों की समय पर पहचान एवं जांच सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध सभी 7 फिक्स्ड एक्स-रे मशीनें पूर्ण रूप से कार्यशील और सरकार के टीबी मरीजों को न्यूट्रिशन किट उपलब्ध कराने में टीबी मरीजों के लिए अभीतक 748 टीबी फूड कम न्यूट्रिशन किट उपलब्ध करायी जा चुकी है। यह पोषण किट आगामी छह माह तक नियमित रूप से टीबी प्रभावित मरीजों के बीच वितरित की जायेगी, जिससे उपचार के दौरान उनकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके तथा उपचार की सफलता दर में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी चिकित्सकों, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम तथा अभियान से जुड़े सभी सहयोगी संस्थानों के प्रयासों की सराहना करते हुए स्वास्थ्य विभाग को इस उपलब्धि को बनाए रखते हुए संवेदनशील आबादी की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे जांच सुनिश्चित करने तथा शेष सभी पात्र व्यक्तियों को शीघ्र जोड़ने का निर्देश दिया गया।

## बिहार विश्वविद्यालय विधेयक 2026 पर भड़का मगध विवि, शिक्षक-कर्मचारी बोले- स्वायत्तता से समझौता नहीं; बिल वापस होने तक जारी रहेगा आंदोलन

नई सोच एक्सप्रेस

**गया जी**।प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय विधेयक 2026 के खिलाफ मगध विश्वविद्यालय में सोमवार को शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी सड़क पर उतर आए। शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर कर्मचारियों ने एक दिवसीय सामूहिक अवकाश रखकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों के अलावा गया कॉलेज, जे.जे. कॉलेज, जी.बी.एम. कॉलेज, आर.एल.एस.वाई. कॉलेज और टी.एस. कॉलेज हिसुआ समेत कई अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षक-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।प्रदर्शन के बाद संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी को ज्ञापन सौंपा। मोर्चा ने साफ कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति या सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले प्रावधानों के विरोध में लोकतांत्रिक संघर्ष है। शिक्षकों-कर्मचारियों ने सरकार से प्रस्तावित विधेयक को तत्काल वापस लेने की मांग की। साथ ही कहा कि विधेयक पर सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा हो तथा विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक और अकादमिक निर्णयों में बाहरी हस्तक्षेप की किसी भी संभावना को समाप्त किया जाएसभा को संबोधित करते हुए शिक्षक और कर्मचारी नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और शैक्षणिक स्वतंत्रता से किसी भी कीमत पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार ने यदि उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।मोर्चा की ओर से ज्ञापन की प्रतियां राज्यपाल-सह-कुलाधिपति, मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव और मगध विश्वविद्यालय के कुलसचिव को भी भेजी गई हैं। शिक्षकों और कर्मचारियों ने दो टूक कहा कि विधेयक वापस होने तक उनका शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक आंदोलन जारी रहेगा।

# जेन जी की चौखट पर संघ, बदलती राजनीति की आहट

**युवाओं को साधने से ज्यादा जरूरी है उन्हें समझना; मोहन भागवत के संवाद के बाद संघ की नई पहल बीजेपी समेत पूरी राजनीतिक व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का अवसर**

**आरती कुमारी**

भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव धीरे-धीरे आकार लेता दिखाई दे रहा है। यह बदलाव किसी चुनावी नतीजे, किसी राजनीतिक गठबंधन या किसी नए दल के उदय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस पीढ़ी की बदलती राजनीतिक चेतना से जुड़ा है, जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और वैश्विक सूचनाओं के बीच बड़ी हुई है। यही पीढ़ी आज जेन जी यानी जनरेशन जेड के नाम से पहचानी जाती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत द्वारा हाल में दिए गए साक्षात्कार और स्वतंत्रता दिवस के बाद संघ के प्रचारकों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में जेन जी के युवाओं से सीधे संवाद की प्रस्तावित कवायद इसी बदलते सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य की ओर संकेत करती है। संघ का यह प्रयास इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आरएसएस को भारतीय राजनीति और समाज में केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि एक लंबे वैचारिक आंदोलन के रूप में देखा जाता है। उसकी कार्यशैली परंपरागत रूप से शाखाओं, प्रत्यक्ष संपर्क, सामाजिक गतिविधियों और संगठनात्मक अनुशासन के इर्द-गिर्द विकसित हुई है। लेकिन डिजिटल युग ने संवाद की प्रकृति ही बदल दी है। आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचने के लिए केवल पारंपरिक संगठनात्मक माध्यम पर्याप्त नहीं हैं। जिस युवा के हाथ में स्मार्टफोन है, जिसकी दुनिया सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर फैली हुई है और जो कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की घटनाओं की जानकारी हासिल कर सकता है, उसके सामने किसी विचार को स्वीकार कराने के लिए तर्क, संवाद और विश्वसनीयता जरूरी है। यही कारण है कि जेन जी के बीच जाकर संवाद करने की संघ की पहल को केवल सामान्य जनसंपर्क कार्यक्रम के रूप में देखना उचित नहीं होगा। यह एक ऐसे वैचारिक संगठन की कोशिश है, जो यह समझना चाहता है कि नई पीढ़ी के मन में देश, समाज, राष्ट्रवाद, धर्म, लोकतंत्र, शासन, रोजगार, शिक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर क्या विचार हैं।

**नई पीढ़ी, पुराने राजनीतिक समीकरण**- भारतीय राजनीति लंबे समय तक जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा और पारंपरिक सामाजिक पहचान के आधार पर मतदाताओं के राजनीतिक व्यवहार का आकलन करती रही है। राजनीतिक दलों ने अलग-अलग समय में सोशल इंजीनियरिंग के अनेक फार्मूले विकसित किए। लेकिन डिजिटल पीढ़ी के विस्तार ने इन फार्मूलों को चुनौती देना शुरू कर दिया है।

जेन जी की राजनीतिक प्राथमिकताएं एकरूप नहीं हैं। यह मान लेना भी गलत होगा कि पूरी पीढ़ी किसी एक विचारधारा के पक्ष या विपक्ष में खड़ी है। इस पीढ़ी की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि यह सवाल पूछती है। यह सरकार के कामकाज को केवल राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि अपने प्रत्यक्ष अनुभवों से परखती है। रोजगार मिल रहा है या नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता कैसी है, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता कितनी है, डिजिटल सुविधाएं कितनी प्रभावी हैं, पर्यावरण को लेकर सरकार की नीति क्या है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति कैसी है और प्रशासन आम नागरिक के प्रति कितना जवाबदेह है—ये ऐसे सवाल हैं जो युवा मतदाताओं के राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इस पीढ़ी के लिए राजनीतिक पहचान पहले की तरह स्थायी भी नहीं है। सोशल मीडिया ने राजनीतिक विमर्श को अधिक खुला और साथ ही अधिक अस्थिर बनाया है। एक युवा एक मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ा हो सकता है और दूसरे मुद्दे पर उसी सरकार की आलोचना कर सकता है। वह किसी पार्टी का समर्थक होते हुए भी उसके फैसले पर सवाल उठा सकता है। यही प्रवृत्ति पारंपरिक राजनीतिक संगठनों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

**संघ के सामने सबसे बड़ा सवाल—सुनना या समझाना**- संघ के सामने जेन जी के साथ संवाद की सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वह युवाओं के बीच किस भूमिका में जाता है। यदि यह संवाद केवल विचारधारा समझाने या संगठन की उपलब्धियां बताने तक सीमित रहता है तो उसकी प्रभावशीलता सीमित हो सकती है। लेकिन यदि संघ युवाओं की वास्तविक चिंताओं को सुनता है और असहमति को भी संवाद का हिस्सा बनाता है, तो यह पहल दूरगामी प्रभाव डाल सकती है। युवाओं के सवाल कई बार असहज करने वाले हो सकते हैं। रोजगार की कमी, प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रक्रिया, पेपर लीक की शिकायतें, महंगाई, निजी क्षेत्र में अवसर, शिक्षा की लागत, डिजिटल निगरानी, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक बहस में बढ़ती कटुता जैसे विषयों पर युवा सीधे सवाल कर सकता है। यही सवाल किसी भी राजनीतिक या वैचारिक संगठन के लिए आत्ममंथन का अवसर बन सकते हैं। संघ यदि वास्तव में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद को अपनी प्राथमिकता मानता है तो जेन जी के साथ संवाद में केवल समर्थक युवाओं तक पहुंचने के बजाय आलोचनात्मक और स्वतंत्र सोच रखने वाले युवाओं को भी शामिल करना महत्वपूर्ण होगा। लोकतंत्र में संवाद की सार्थकता तभी है जब सामने वाला व्यक्ति सहमति के साथ-साथ असहमति व्यक्त करने के लिए भी स्वतंत्र हो।

**बीजेपी के लिए भी संदेश**- संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच संगठनात्मक एवं वैचारिक संबंध भारतीय राजनीति में किसी से छिपे नहीं हैं। हालांकि दोनों की संस्थागत भूमिकाएं अलग हैं, लेकिन व्यापक राजनीतिक विमर्श में संघ की सामाजिक गतिविधियों और बीजेपी की राजनीतिक रणनीति के बीच संबंधों पर लगातार चर्चा होती रही है। ऐसे में जेन जी के साथ संघ का संवाद अप्रत्यक्ष रूप से बीजेपी के लिए भी महत्वपूर्ण फीडबैक साबित हो सकता है। पिछले एक दशक से अधिक समय में बीजेपी ने युवाओं के बीच राष्ट्रवाद, विकास, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप, आत्मनिर्भरता और नए भारत जैसे मुद्दों के माध्यम से मजबूत राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। लेकिन समय के साथ युवाओं की अपेक्षाएं भी बदली हैं। आज का युवा केवल यह नहीं पूछता कि देश कहां पहुंचा है। वह यह भी पूछता है कि उसके अपने जीवन में क्या बदला है। उसे रोजगार चाहिए, बेहतर शिक्षा चाहिए, सुरक्षित और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था चाहिए, कौशल के अनुरूप अवसर चाहिए और ऐसा प्रशासन चाहिए जो उसकी समस्याओं को सुने। इसलिए राजनीतिक दलों के लिए केवल उपलब्धियों का प्रचार पर्याप्त नहीं होगा। उपलब्धियों के साथ जवाबदेही भी जरूरी होगी। यदि संघ के संवाद में युवाओं की ओर से ऐसी चिंताएं सामने आती हैं, तो निश्चित रूप से वे बीजेपी के लिए भी आत्ममंथन का विषय बन सकती हैं। खासकर उन राज्यों में जहां युवा आबादी बड़ी संख्या में चुनावी राजनीति को प्रभावित करती है।

**राष्ट्रवाद की नई व्याख्या**- संघ की विचारधारा में राष्ट्रवाद एक केंद्रीय तत्व रहा है। लेकिन नई पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति का स्वरूप भी बदल रहा है। आज का युवा राष्ट्र के प्रति गर्व और राष्ट्रीय पहचान को स्वीकार करते हुए भी सरकार की नीतियों की आलोचना को राष्ट्रविरोध नहीं मानता। वह यह सवाल पूछ सकता है कि देशभक्ति का अर्थ केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित है या इसमें नागरिक अधिकार, सामाजिक न्याय, वैज्ञानिक सोच, संवैधानिक मूल्यों और बेहतर शासन भी शामिल हैं। यह बदलाव केवल संघ के लिए नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और वैचारिक संगठनों के लिए महत्वपूर्ण है। यदि राष्ट्रवाद को युवा पीढ़ी के बीच प्रभावी बनाए रखना है तो उसे उसके रोजमर्रा के जीवन और आकांक्षाओं से जोड़ना होगा। रोजगार, शिक्षा, तकनीक, विज्ञान, खेल, पर्यावरण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी राष्ट्र निर्माण का हिस्सा हैं।

**सोशल मीडिया की चुनौती**- जेन जी के साथ संवाद का सबसे जटिल पक्ष सोशल मीडिया है। सोशल मीडिया ने राजनीतिक संवाद को लोकतांत्रिक और व्यापक बनाया है, लेकिन इसके साथ फेक न्यूज, आधी-अधूरी जानकारी, ट्रोल संस्कृति, राजनीतिक ध्रुवीकरण और एल्गोरिदम आधारित सूचना बुलबुले जैसी चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। आज युवा एक ही घटना के बारे में अलग-अलग स्रोतों से अलग-अलग दावे देख सकता है। ऐसे वातावरण में किसी भी संगठन की विश्वसनीयता केवल उसके इतिहास से तय नहीं होगी। उसे लगातार तथ्य, पारदर्शिता और संवाद के आधार पर अपनी विश्वसनीयता अर्जित करनी होगी। संघ के लिए यह एक अवसर भी है। यदि वह डिजिटल माध्यमों को केवल प्रचार के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय संवाद के मंच के रूप में विकसित करता है, तो वह नई पीढ़ी तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकता है। युवाओं की भाषा, उनके प्रश्न और उनकी डिजिटल आदतों को समझना आज किसी भी सामाजिक संगठन के लिए अनिवार्य हो गया है।

**क्या यह भारतीय राजनीति में बदलाव की शुरुआत है**- जेन जी के साथ संघ का संवाद भारतीय राजनीति में तत्काल कोई बड़ा राजनीतिक परिवर्तन कर देगा, ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि यह पहल राजनीति की बदलती प्रकृति का संकेत है। आने वाले वर्षों में युवा मतदाता केवल चुनाव जीतने या हारने का आंकड़ा नहीं होंगे, बल्कि राजनीतिक एजेंडा तय करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति बनेंगे। इसलिए संघ का यह प्रयास एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है—क्या भारतीय राजनीति नई पीढ़ी के सवालों के अनुसार अपनी भाषा और प्राथमिकताएं बदलने के लिए तैयार है? इसका जवाब केवल संघ या बीजेपी को नहीं देना है। कांग्रेस, क्षेत्रीय दलों और अन्य राजनीतिक संगठनों के सामने भी यही चुनौती है। यदि युवा रोजगार मांगता है तो सभी दलों को रोजगार पर ठोस नीति बतानी होगी। यदि वह पारदर्शिता मांगता है तो राजनीतिक संगठनों को अपने भीतर भी पारदर्शिता बढ़ानी होगी। यदि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करता है तो असहमति को स्वीकार करने की राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी।

**संवाद से ही बनेगा भविष्य**- भारतीय लोकतंत्र की शक्ति केवल चुनाव में नहीं, बल्कि संवाद में है। राजनीतिक विचार तभी जीवंत रहते हैं जब वे समय के साथ समाज के सवालों का सामना करते हैं। नई पीढ़ी से संवाद का अर्थ उसके विचारों को अपने पक्ष में करना नहीं, बल्कि उसके विचारों को समझना भी होना चाहिए। संघ यदि जेन जी के बीच जाकर उनकी बात सुनता है, उनकी आलोचनाओं को स्वीकार करता है और उनसे मिले सुझावों को अपनी सामाजिक कार्यप्रणाली में स्थान देता है, तो यह उसके लिए एक महत्वपूर्ण परिवर्तन साबित हो सकता है। इसी तरह यदि इस संवाद से बीजेपी सहित व्यापक राजनीतिक व्यवस्था को युवाओं की वास्तविक आकांक्षाओं का संकेत मिलता है और नीतियों में उसका प्रतिबिंब दिखाई देता है, तो इसका लाभ लोकतंत्र को मिलेगा। दरअसल, जेन जी के सामने आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन-सी विचारधारा सही है। वह यह जानना चाहती है कि कौन-सी विचारधारा उसके भविष्य के सवालों का जवाब दे सकती है। यही वह कसौटी है जिस पर आने वाले वर्षों में राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और वैचारिक संस्थाओं को खरा उतरना होगा। संघ की जेन जी के साथ प्रस्तावित संवाद यात्रा इसलिए केवल संघ की रणनीति नहीं, बल्कि बदलते भारत की तस्वीर भी है। यह उस दौर का संकेत है जिसमें राजनीतिक विरासत से ज्यादा व्यक्तिगत अनुभव, नारे से ज्यादा नीति, भाषण से ज्यादा परिणाम और आदेश से ज्यादा संवाद महत्वपूर्ण होता जा रहा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि संघ इस नई पीढ़ी को केवल अपने वैचारिक विस्तार की जमीन मानता है या उससे सीखने की भी कोशिश करता है। यदि संवाद वास्तव में दोतरफा हुआ, तो यह भारतीय राजनीति में एक स्वस्थ बदलाव की शुरुआत हो सकती है। लेकिन यदि संवाद केवल अपनी बात मनवाने का माध्यम बना, तो डिजिटल पीढ़ी उसे उसी तेजी से अस्वीकार भी कर सकती है, जिस तेजी से वह किसी विचार को स्वीकार करती है।

# जनता के द्वार शासन की दस्तक : 'सहयोग' से जनसमस्या समाधान की नई उम्मीद

**आचार्य अशोक चौधरी "प्रियदर्शी", कटिहार, बिहार**

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति केवल चुनाव नहीं, बल्कि जनता और शासन के बीच निरंतर संवाद है। चुनाव के समय जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है, लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा उसके बाद होती है—जब सामान्य नागरिक अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगाता है और यह अपेक्षा करता है कि शासन उसकी बात सुनेगा, समझेगा और उसका समाधान करेगा। इसी दृष्टि से बिहार सरकार का 'सहयोग' कार्यक्रम एक सकारात्मक और जनोन्मुखी पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। जुलाई २०२६ में बिहार सरकार ने राज्यस्तरीय 'सहयोग' कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसके माध्यम से विभिन्न जिलों से आने वाली चयनित जन-शिकायतों की सुनवाई मुख्यमंत्री स्तर पर की जा रही है। सरकारी विवरण में भी स्पष्ट किया गया है कि केवल शिकायत सुन लेना पर्याप्त नहीं है; जनता समस्या के निष्पादन से संतुष्ट हो, तभी 'सहयोग' कार्यक्रम का लक्ष्य पूरा माना जाएगा। यह विचार अपने आप में महत्वपूर्ण है। सामान्य नागरिक के लिए शासन की सबसे बड़ी पहचान किसी विशाल सरकारी भवन, चमकदार कार्यालय या लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया से नहीं होती। उसके लिए सरकार तब दिखाई देती है जब उसकी जमीन का विवाद सुलझता है, पेंशन मिलती है, राशन की समस्या दूर होती है, सड़क बनती है, नाली साफ होती है, बिजली या पानी की समस्या का समाधान होता है, किसी प्रमाणपत्र का काम होता है या उसे किसी विभाग से न्याय मिलता है। अक्सर नागरिक की समस्या बड़ी नहीं होती, लेकिन उसके लिए वह समस्या जीवन की सबसे बड़ी परेशानी बन जाती है। एक गरीब परिवार के लिए पेंशन की छोटी राशि भी महत्वपूर्ण हो सकती है। किसी विद्यार्थी के लिए प्रमाणपत्र या छात्रवृत्ति का समय पर मिलना उसके भविष्य से जुड़ा हो सकता है। किसी किसान के लिए भूमि संबंधी अभिलेख की त्रुटि वर्षों की परेशानी का कारण बन सकती है। किसी व्यापारी के लिए स्थानीय प्रशासन से संबंधित समस्या उसके पूरे व्यवसाय को प्रभावित कर सकती है। इसलिए शासन के लिए छोटी दिखने वाली नागरिक शिकायत भी नागरिक के लिए बड़ी समस्या हो सकती है। यहीं 'सहयोग' जैसे कार्यक्रम की उपयोगिता सामने आती है। यदि कोई नागरिक स्थानीय स्तर पर अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रयास करने के बाद भी संतुष्ट नहीं हो पाता, तो उसके लिए राज्यस्तरीय मंच उपलब्ध होना प्रशासनिक व्यवस्था में विश्वास पैदा कर सकता है। रिपोर्टों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य उन शिकायतों को भी सुनना है जिनका समाधान जिला स्तर पर अपेक्षित रूप से नहीं हो पाया। यह व्यवस्था केवल शिकायत सुनने का मंच न बनकर जवाबदेही का माध्यम बने, यही इसकी वास्तविक सफलता होगी। किसी नागरिक ने शिकायत की, अधिकारी ने सुन लिया और फिर मामला फाइलों में दब गया—तो ऐसी जनसुनवाई का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। वास्तविक सफलता तब होगी जब शिकायत दर्ज हो, उसकी जांच हो, संबंधित विभाग को समय-सीमा दी जाए, कार्रवाई की निगरानी हो और अंततः शिकायतकर्ता को यह जानकारी मिले कि उसकी समस्या का क्या हुआ। बिहार में पहले से विभिन्न स्तरों पर 'सहयोग शिविर' और जनसमस्या समाधान की व्यवस्थाएँ संचालित होती रही हैं। सरकारी जानकारी के अनुसार प्रत्येक माह प्रखंड, अंचल और थाना स्तर पर शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं का यथासंभव मौके पर समाधान करने की व्यवस्था भी बताई गई है। राज्यस्तरीय 'सहयोग' कार्यक्रम इस व्यवस्था को ऊपर तक जोड़ने वाली कड़ी के रूप में उपयोगी हो सकता है। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह हो सकती है कि शासन जनता तक पहुँचे और जनता को शासन तक पहुँचने के लिए असाधारण प्रभाव या राजनीतिक संपर्क की आवश्यकता न पड़े। लोकतंत्र में किसी नागरिक को अपनी सामान्य समस्या के समाधान के लिए किसी बड़े व्यक्ति की सिफारिश खोजने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। यदि निर्धारित प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो, तो सामान्य नागरिक भी सम्मानपूर्वक अपनी बात रख सकता है। हालाँकि इस पहल को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक संस्कृति में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। जनसुनवाई में आने वाले व्यक्ति को केवल 'परिवादी' मानकर उसकी बात सुनना पर्याप्त नहीं है। वह राज्य का नागरिक है और उसकी समस्या सुनना शासन का दायित्व है। अधिकारी यदि नागरिक से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें, उसकी बात पूरी तरह समझें और समाधान की दिशा में संवेदनशीलता के साथ काम करें, तो शासन के प्रति विश्वास स्वतः बढ़ेगा। 'सहयोग' नाम भी अपने भीतर एक सकारात्मक संदेश रखता है। शासन और जनता एक-दूसरे के विरोधी पक्ष नहीं हैं। सरकार कानून और नीतियाँ बनाती है, प्रशासन उन्हें लागू करता है और जनता उन व्यवस्थाओं की वास्तविक उपयोगकर्ता है। यदि इन तीनों के बीच संवाद और सहयोग मजबूत होगा, तो विकास योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकेगा। लेकिन किसी भी जनसहयोग अथवा जनसुनवाई कार्यक्रम की वास्तविक सफलता केवल इस बात से निर्धारित नहीं होगी कि उसमें कितने लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। सफलता का वास्तविक पैमाना यह होगा कि कितनी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और स्थायी समाधान हुआ। यदि एक ही समस्या को लेकर नागरिक बार-बार अलग-अलग कार्यालयों में जाने के लिए विवश होता है, तो यह केवल नागरिक की परेशानी नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरी का संकेत भी है। इसलिए 'सहयोग' कार्यक्रम को शिकायतों के संकलन से आगे बढ़ाकर प्रशासनिक सुधार का माध्यम बनाया जाना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जा सकती है और शिकायतकर्ता को उसके मामले की प्रगति की जानकारी मोबाइल संदेश अथवा अन्य डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई जा सकती है। किस विभाग को शिकायत भेजी गई, किस अधिकारी के पास मामला लंबित है, जांच कब पूरी होनी है और अंतिम निर्णय क्या हुआ—इन सभी चरणों को पारदर्शी बनाया जाए। इससे नागरिक को बार-बार कार्यालय जाने की आवश्यकता कम होगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी निर्धारित होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि एक ही प्रकृति की शिकायतें बार-बार क्यों आ रही हैं, इसका विश्लेषण किया जाए। यदि किसी जिले से लगातार भूमि विवाद की शिकायतें आ रही हैं, तो केवल व्यक्तिगत मामलों का निपटारा करने के बजाय भूमि अभिलेखों और राजस्व व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता हो सकती है। यदि पेंशन से संबंधित शिकायतें लगातार सामने आती हैं, तो संबंधित विभाग की प्रक्रिया की समीक्षा होनी चाहिए। यदि नगरों से जलजमाव, कचरा अथवा अतिक्रमण की शिकायतें बार-बार आती हैं, तो समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि नगर प्रबंधन की संरचनात्मक कमजोरी की हो सकती है। यही वह बिंदु है जहाँ 'सहयोग' कार्यक्रम को शिकायत समाधान से सुशासन सुधार की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। हर शिकायत प्रशासन के लिए केवल एक मामला नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद किसी कमी का संकेत भी है। हजारों शिकायतों का सामूहिक अध्ययन सरकार को यह समझने में मदद कर सकता है कि जनता किन समस्याओं से सबसे अधिक परेशान है और किन विभागों में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। इस कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राजनीतिक दृष्टि से भी विचारणीय है। लोकतंत्र में जनता की समस्या सुनना किसी राजनीतिक दल पर कृपा नहीं, बल्कि शासन का दायित्व है। लेकिन जब सरकार स्वयं नागरिकों की बात सुनने के लिए मंच उपलब्ध कराती है, तो यह प्रशासन और जनता के बीच विश्वास की खाई को कम करने की सकारात्मक कोशिश बन सकती है। इससे नागरिकों को यह संदेश मिलता है कि उनकी आवाज सत्ता के गलियारों तक पहुँच सकती है। हालाँकि इस प्रकार के कार्यक्रम को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना भी आवश्यक होगा। यदि शिकायतों का समाधान योग्यता, कानून और तथ्यों के आधार पर होने के बजाय राजनीतिक पहचान अथवा प्रभाव के आधार पर होने लगे, तो कार्यक्रम की मूल भावना कमजोर पड़ जाएगी। सहयोग का अर्थ समान अवसर और निष्पक्ष सुनवाई होना चाहिए, न कि प्रभावशाली लोगों के लिए अलग रास्ता। जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों की भूमिका भी इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यस्तरीय जनसुनवाई तभी प्रभावी होगी जब नीचे की प्रशासनिक व्यवस्था स्वयं सक्रिय और उत्तरदायी हो। यदि प्रत्येक छोटी समस्या राज्य स्तर तक पहुँचने लगे, तो यह राज्यस्तरीय मंच पर अनावश्यक दबाव बढ़ाएगा। इसलिए 'सहयोग' को स्थानीय प्रशासन का विकल्प नहीं, बल्कि उसकी अंतिम निगरानी और जवाबदेही की कड़ी बनाया जाना चाहिए। इसके साथ नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। प्रत्येक शिकायत तथ्य और प्रमाण के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए।

## सुबह उठते ही करें ये 5 काम, सकारात्मक रहेगा पूरा दिन

सुबह का समय दिन की शुरुआत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सुबह उठने के बाद किए गए कुछ कार्य मन को शांत रखने और दिनभर सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। माना जाता है कि दिन की शुरुआत यदि अच्छे विचारों और शुभ कार्यों के साथ की जाए तो व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह पूरे दिन बेहतर तरीके से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर पाता है। आइए जानते हैं सुबह उठते ही किए जाने वाले पांच ऐसे काम, जिन्हें शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सुबह आंख खुलने के बाद सबसे पहले अपनी हथेलियों को देखना शुभ माना जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि हथेलियों में देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती और भगवान विष्णु का वास होता है। हथेलियों को देखकर मन में सकारात्मक विचार लाने की परंपरा रही है। इससे दिन की शुरुआत अच्छे भाव के साथ करने का अवसर मिलता है। बिस्तर से नीचे पैर रखने से पहले धरती माता को मन ही मन प्रणाम करने की परंपरा भी कई परिवारों में रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पृथ्वी को माता का स्वरूप माना जाता है। इसलिए जमीन पर पैर रखने से पहले उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना शुभ माना जाता है।

# सोशल मीडिया - तकनीक सुविधा और चुनौती

**जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना**

इक्कीसवीं सदी में सोशल मीडिया ने दुनिया को जिस तेजी से बदला है, उसकी कल्पना कुछ दशक पहले तक करना भी मुश्किल था। आज किसी गांव में बैठा व्यक्ति कुछ सेकंड में दुनिया के किसी दूसरे कोने में मौजूद व्यक्ति तक अपनी बात पहुंचा सकता है। किसी घटना का वीडियो कुछ मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकता है। सरकारें नागरिकों से सीधे संवाद कर सकती है, कारोबारी अपने उत्पादों का प्रचार कर सकते हैं, कलाकारों को अपना मंच मिल सकता है और आम नागरिक भी अपनी आवाज लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही ताकत अब एक गंभीर चुनौती का रूप भी ले रही है। सोशल मीडिया जितना लोकतांत्रिक संवाद का माध्यम बना है, उतना ही यह गलत सूचना, अफवाह, फर्जी सामग्री, छेड़छाड़ किए गए वीडियो और अब डीपफेक जैसी तकनीकों के कारण चिंता का विषय भी बन गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तस्वीर, आवाज और वीडियो को इस स्तर तक बदलना संभव बना दिया है कि वास्तविक और नकली के बीच अंतर करना आम व्यक्ति के लिए बेहद कठिन हो गया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह चुनौती और गंभीर हो जाती है। यहां करोड़ों लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। राजनीतिक बहस से लेकर मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार, सामाजिक अभियान और व्यक्तिगत संवाद तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म रोजमर्रा की जिन्दगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसी बदलते डिजिटल परिदृश्य में केंद्र सरकार ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा से डीपफेक सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। सरकार और कंपनी के बीच हुई बैठकों के नतीजों की समीक्षा के बाद आगे के कदमों के लिए कानूनी राय लेने की बात भी सामने आई है। यह घटनाक्रम केवल किसी एक कंपनी या किसी एक तकनीक का मामला नहीं है। यह उस बड़े सवाल की ओर इशारा करता है कि डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों की सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए? सोशल मीडिया को केवल समस्या के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इसके असंख्य सकारात्मक पक्ष हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने संचार की दुनिया को बदल दिया है। परिवार के सदस्य दूर रहने के बावजूद जुड़े रह सकते हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन ज्ञान हासिल कर सकते हैं। छोटे व्यापारी बिना बड़े विज्ञापन बजट के अपने उत्पाद ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं। सामाजिक संगठनों को अभियान चलाने का मंच मिलता है। किसी प्राकृतिक आपदा के समय सोशल मीडिया राहत और बचाव कार्य में भी उपयोगी साबित हो सकता है। रक्त की जरूरत, लापता व्यक्ति, आपात सहायता या स्थानीय प्रशासन की सूचना कुछ ही समय में बड़े समूह तक पहुंचाई जा सकती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इसी तंत्र का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, लोगों को भ्रमित करने, किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा खराब करने, सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने या राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गति है और यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी बन सकती है। एक गलत वीडियो को सत्यापित होने में कई घंटे लग सकते हैं, लेकिन उसे वायरल होने में कुछ सेकंड ही लगते हैं। यही अंतर डीपफेक के खतरे को और बड़ा बना देता है। डीपफेक ऐसी डिजिटल सामग्री को कहा जाता है जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों की सहायता से किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज, हावभाव या पूरे वीडियो को इस तरह बदला जाता है कि वह देखने और सुनने में वास्तविक प्रतीत हो। कल्पना कीजिए कि किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का चेहरा किसी दूसरे व्यक्ति के वीडियो पर लगा दिया जाए और उसकी आवाज भी उसी व्यक्ति जैसी बना दी जाए। देखने वाले को लगेगा कि वास्तव में वही व्यक्ति वह बात कह रहा है। यहीं से खतरा शुरू होता है। डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल मनोरंजन, फिल्म निर्माण, डबिंग, शिक्षा या रचनात्मक प्रयोगों के लिए सकारात्मक रूप से भी किया जा सकता है। समस्या तकनीक के अस्तित्व में नहीं बल्कि उसके दुरुपयोग में है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण पहले की तुलना में अधिक आसानी से उपलब्ध हैं। कुछ मामलों में सामान्य तकनीकी जानकारी रखने वाला व्यक्ति भी तस्वीर या वीडियो में बदलाव कर सकता है। इससे एक ऐसी दुनिया बन रही है जहां आंखों से दिखाई देने वाली चीज भी हमेशा सच नहीं मानी जा सकती। फर्जी खबरों का खतरा नया नहीं है। सोशल मीडिया से पहले भी अफवाहें और झूठी सूचनाएं मौजूद थीं। लेकिन डीपफेक ने इस समस्या को एक नई तकनीकी शक्ति दे दी है। पहले किसी झूठे दावे के साथ एक तस्वीर या साधारण वीडियो लगाया जाता था। अब किसी व्यक्ति की ऐसी वीडियो बनाई जा सकती है जिसमें वह ऐसी बात कहता हुआ दिखाई दे जो उसने कभी कही ही नहीं। यानि झूठ को सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि दृश्य प्रमाण जैसा दिखने वाला रूप दिया जा सकता है। यही बात डीपफेक को पारंपरिक फर्जी खबरों से अधिक खतरनाक बनाती है। किसी व्यक्ति को यदि बताया जाए कि एक बयान फर्जी है तो वह जांच कर सकता है। लेकिन जब उसके सामने उस व्यक्ति का चेहरा, आवाज और होंठों की गति सहित पूरा वीडियो हो, तो उसे संदेह करना कठिन हो सकता है। डिजिटल युग में यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव बेहद महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में शामिल है। यहां इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच लगातार बढ़ी है। सोशल मीडिया का इस्तेमाल महानगरों तक सीमित नहीं है। छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं। यह डिजिटल विस्तार एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन इसके साथ डिजिटल साक्षरता की चुनौती भी मौजूद है। हर व्यक्ति यह नहीं जानता कि किसी वीडियो की सत्यता कैसे जांची जाए। हर उपयोगकर्ता यह समझने में सक्षम नहीं होता है कि किसी तस्वीर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल हुआ है या नहीं। यही कारण है कि फर्जी सामग्री तेजी से लोगों के विश्वास को प्रभावित कर सकती है। भारत में भाषाई विविधता भी एक अतिरिक्त चुनौती है। हिन्दी, अंग्रेजी और प्रमुख भारतीय भाषाओं के अलावा अनेक क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री तैयार की जाती है। यदि डीपफेक सामग्री क्षेत्रीय भाषा में बनाई जाए और उसी सामाजिक संदर्भ को ध्यान में रखकर प्रसारित की जाए, तो उसका प्रभाव काफी व्यापक हो सकता है। सोशल मीडिया पर फर्जी सामग्री का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता है। यदि किसी चुनाव के दौरान किसी प्रमुख राजनीतिक नेता का फर्जी वीडियो वायरल हो जाए तो उसके राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। यदि किसी उम्मीदवार के बारे में गलत वीडियो बड़े पैमाने पर फैल जाए तो मतदाताओं की धारणा प्रभावित हो सकती है। लोकतंत्र में चुनाव का आधार मतदाता का स्वतंत्र और सूचित निर्णय है। यदि मतदाता को जानबूझकर झूठी सामग्री दिखाकर भ्रमित किया जाता है तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ धोखा नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास भी हो सकता है। इसीलिए डीपफेक का प्रश्न धीरे-धीरे राष्ट्रीय सुरक्षा, चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता से जुड़ता जा रहा है। मेटा दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है और उसके प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में भारतीय उपयोगकर्ता मौजूद हैं। भारत सरकार का मेटा से डीपफेक के खिलाफ कार्रवाई करने को कहना इस बात का संकेत है कि सरकार केवल उपयोगकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराकर समस्या का समाधान नहीं देख रही है। सरकार प्लेटफॉर्म कंपनियों की जिम्मेदारी पर भी जोर दे रही है। यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि किसी प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर फर्जी सामग्री फैल रही है तो उस प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए? क्या कंपनी को ऐसी सामग्री पहचानने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली विकसित करनी चाहिए? क्या संदिग्ध सामग्री को तेजी से हटाने की व्यवस्था होनी चाहिए? क्या उपयोगकर्ताओं को चेतावनी दी जानी चाहिए? क्या किसी डीपफेक वीडियो पर स्पष्ट लेबल होना चाहिए? क्या चुनावी समय में विशेष निगरानी की जरूरत है? इन सवालों का उत्तर आसान नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का कहना होता है कि वे उपयोगकर्ताओं को अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करते हैं। दूसरी तरफ सरकारों की जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इन दोनों के बीच संतुलन बनाना मुश्किल है। यदि सरकार प्लेटफॉर्म से बहुत अधिक सामग्री हटाने को कहती है तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। यदि सरकार बिल्कुल हस्तक्षेप नहीं करती तो गलत सूचना और डीपफेक के प्रसार से नागरिकों को नुकसान हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि कार्रवाई के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और कानूनी प्रक्रिया हो। किस सामग्री को हटाया जाएगा? किस आधार पर उसे डीपफेक माना जाएगा? कौन इसकी जांच करेगा? उपयोगकर्ता को अपील का अधिकार मिलेगा या नहीं? इन सवालों की स्पष्ट व्यवस्था लोकतांत्रिक डिजिटल शासन के लिए आवश्यक है। सरकार द्वारा बैठकों के नतीजों की समीक्षा के बाद आगे की कार्रवाई को लेकर कानूनी राय लेने की बात इस विषय की संवेदनशीलता को दर्शाती है। किसी डिजिटल सामग्री को हटाने का आदेश केवल तकनीकी निर्णय नहीं है। इसके साथ नागरिक अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निजता, प्रतिष्ठा और कानूनी दायित्व जुड़े होते हैं। इसलिए किसी व्यापक कार्रवाई से पहले कानूनी स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म के संचालन को लेकर नियामकीय ढांचा पहले से विकसित हो रहा है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक की तकनीक इतनी तेजी से बदल रही है कि कानूनों और तकनीकी वास्तविकता के बीच अंतर पैदा होना स्वाभाविक है। आज जो तकनीक नई है, संभव है कुछ वर्षों बाद वह सामान्य बन जाए। इसलिए कानून को केवल वर्तमान तकनीक के आधार पर नहीं बल्कि भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। डीपफेक के खिलाफ कार्रवाई की मांग के बीच सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करने, किसी नीति पर सवाल उठाने या किसी राजनीतिक विचार का समर्थन करने का अधिकार नागरिकों को होना चाहिए। लेकिन किसी व्यक्ति की नकली वीडियो बनाकर उसे वास्तविक बताना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आसानी से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। यहां फर्क करना जरूरी है। रचनात्मक व्यंग्य, पैरोडी, फिल्मी प्रयोग और जानबूझकर धोखा देने वाला डीपफेक एक ही चीज नहीं हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी नेता का व्यंग्यात्मक वीडियो बनाता है और साफ तौर पर बताता है कि यह पैरोडी है, तो उसकी प्रकृति अलग है। लेकिन यदि वही वीडियो इस तरह फैलाया जाए कि लोग उसे वास्तविक बयान समझें, तो समस्या पैदा होती है। इसलिए नियमन को तकनीक के साथ-साथ इरादे और संदर्भ को भी समझना होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### युवाओं पर लाठी चलाकर सरकार अपने सवालों से नहीं बच सकती : देवशरण भगत

**रांची**। जेपीएससी-जेएससीए की परीक्षा एवं नियुक्ति व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों को लेकर विधानसभा घेराव करने पहुंचे छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और वाटर कैनन के इस्तेमाल की आजसू पार्टी ने कड़ी निंदा की है। पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि छात्रों को रोकने के लिए कंटीले तारों से बैरिकेडिंग और पुलिस बल का इस्तेमाल सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। डॉ. भगत ने कहा कि जिन युवाओं के हाथों में किताब, कलम और नियुक्ति पत्र होना चाहिए, उनके ऊपर लाठियां बरसाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को युवाओं के सवालों का जवाब संवाद के माध्यम से देना चाहिए, न कि पुलिस की ताकत के जरिए उनकी आवाज दबाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लाठी, आंसू गैस और वाटर कैनन से युवाओं की आवाज को दबाया जा सकता है, लेकिन उनके भीतर के आक्रोश को खत्म नहीं किया जा सकता। जेपीएससी-जेएससीए की परीक्षा और नियुक्ति व्यवस्था में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। डॉ. भगत ने सरकार से छात्रों के साथ तत्काल संवाद कर उनकी मांगों पर ठोस निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि युवाओं की मांगों को लगातार अनसुना किया गया तो यह आंदोलन आने वाले दिनों में व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस की लाठी से युवा शक्ति को नहीं रोका जा सकता। झारखंड का युवा अपने अधिकार, सम्मान और भविष्य की लड़ाई लड़ रहा है और आजसू पार्टी इस संघर्ष में मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

### लाठी और वाटर कैनन से युवाओं की आवाज नहीं दबा सकती सरकार : सुदेश

**रांची**। जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षा एवं नियुक्ति व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विधानसभा घेराव करने पहुंचे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज, आंसू गैस और वाटर कैनन के इस्तेमाल की आजसू पार्टी ने कड़ी निंदा की है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने इसे सरकार की संवेदनहीनता और विफलता बताया। सुदेश महतो ने कहा कि अपने अधिकार और भविष्य के लिए आवाज उठा रहे युवा कोई अपराध नहीं कर रहे हैं। जिन हाथों में किताब, कलम और नियुक्ति पत्र होना चाहिए, उन हाथों पर लाठी चलाना सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को रोकने के लिए कंटीले तारों से बैरिकेडिंग के बावजूद बड़ी संख्या में युवाओं का विधानसभा तक पहुंचना यह दर्शाता है कि युवाओं में सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से पुलिस बल के पीछे छिपने के बजाय छात्रों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। आजसू अध्यक्ष ने जेपीएससी-जेएसएससी से जुड़ी विवादित प्रक्रियाओं की निष्पक्ष समीक्षा, लंबित नियुक्तियों को लेकर स्पष्ट एवं समयबद्ध कार्यक्रम जारी करने तथा छात्रों पर हुए बल प्रयोग की जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि युवाओं के धैर्य की परीक्षा लेना बंद किया जाए। समय रहते उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो छात्रों का यह आक्रोश पूरे झारखंड में व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेंगे।

### छात्रों पर बल प्रयोग उचित नहीं, संवाद से हो समस्याओं का समाधान : केशव महतो कमलेश

**रांची**। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं के प्रति लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा व्यक्त की गई चिंता और समर्थन का स्वागत किया है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि अपने अधिकारों और भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग उचित नहीं है। छात्रों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाना चाहिए और विवादों का समाधान बातचीत एवं संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। ऐसे में उनके साथ लोकतांत्रिक एवं संवेदनशील व्यवहार जरूरी है। लाठीचार्ज, आंसू गैस या किसी भी प्रकार का अनावश्यक बल प्रयोग छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों और उनकी जायज मांगों के साथ खड़ी है। सरकार ने चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जो छात्रों के साथ लगातार संवाद कर रही है, लेकिन संवाद के साथ समाधान भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उन्हें सुना जाना लोकतंत्र की मूल भावना है। छात्र झारखंड की ताकत और भविष्य हैं, इसलिए उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। केशव महतो कमलेश ने छात्रों से भी अपील की कि वे शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं अनुशासित तरीके से आंदोलन जारी रखें और किसी भी प्रकार के उकसावे या अराजकता से बचें। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक हिंसा या अराजकता का माध्यम बनाने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाना चाहिए।

### पुलिस अधीक्षक ने की मासिक अपराध गोष्ठी की समीक्षा

**लातेहार**। जिला पुलिस मुख्यालय में सोमवार को पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने मासिक अपराध गोष्ठी की समीक्षात्म बैठक। इस दौरान उन्होनें थाना प्रभारियों को लंबित कांडों का निष्पादन जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने अपराध नियंत्रण का भी समीक्षा की और एक रणनीति के तहत कार्य करने एवं उग्रवाद व अपराध नियंत्रण के लिये सामूहिक रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

### दो ब्राउन शुगर तस्करों की हुई गिरफ्तारी, भेजे गये न्यायिक हिरासत में

**लातेहार**। विगत कुछ दिनों से लातेहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न जगहों पर ब्राउन शुगर का खरीद बिक्री किये जाने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। इस संबंध में कार्यवाही करते हुये पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लातेहार के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये गढ़वा से एक बस में ब्राउन शुगर लेकर आ रहे दो नशा के तस्करों को कृष्णा होटल लातेहार के पास में चेकिंग के दौरान रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 6.59 ग्राम ब्राउन शुगर, कागज सहित नगद 1860 रु बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में अभिनव अंकुर का आपराधिक इतिहास रहा है, जबकि एक अन्य अभियुक्त शिवम कुमार को गिरफ्तार करते हुये न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

# छात्र आंदोलन को हिंसक बनाने की साजिश, निष्पक्ष जांच हो : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस

**रांची**।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने विधानसभा घेराव के दौरान हुई घटनाओं को गंभीर बताते हुए छात्र आंदोलन में कथित तौर पर उपद्रवी तत्वों के घुसने की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े कुछ लोग छात्रों के वेश में आंदोलन में शामिल होकर बैरिकेडिंग तोड़ने और पथराव जैसी गतिविधियों के जरिए माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे थे। नायक ने कहा कि ये गंभीर आरोप हैं और इनकी सच्चाई CCTV फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की जांच हो, ताकि शांतिपूर्ण छात्रों और वास्तविक उपद्रवियों के बीच स्पष्ट अंतर किया जा सके। आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की भी मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा पर छात्र आंदोलन को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि "छात्रों के कंधे पर राजनीति की बंदूक नहीं चलेगी।" उन्होंने कहा कि छात्र अपने भविष्य, रोजगार और पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे हैं और उन्हें किसी राजनीतिक दल की कठपुतली नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों के न्यायसंगत अधिकार, रोजगार और पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया के पक्ष में मजबूती से खड़ी है। सरकार और छात्र प्रतिनिधियों के बीच संवाद को और व्यापक बनाते हुए नियुक्ति, परीक्षा और भर्ती से जुड़े मामलों के समाधान के लिए समयबद्ध रोडमैप तैयार किया जाना चाहिए। नायक ने कहा, "छात्रों को लाठी नहीं, न्याय; टकराव नहीं, संवाद और आश्वासन नहीं, ठोस समाधान चाहिए।" उन्होंने मांग की कि हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाए, निर्दोष छात्रों को संरक्षण मिले और उनकी जायज मांगों का लोकतांत्रिक तरीके से समाधान निकाला जाए।

# सांसद मनीष जायसवाल ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस

**हजारीबाग**।हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर झारखंड के कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित धांधली, युवाओं के आंदोलन और प्रदेश की बदहाल कानून-व्यवस्था का मामला प्रमुखता से उठाया। सांसद ने गृह मंत्री को अवगत कराया कि भर्ती परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता और सीटों की खरीद-बिक्री के गंभीर आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सीआईडी जांच की निष्पक्षता पर छात्रों को भरोसा नहीं है, इसलिए 5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के भविष्य को देखते हुए इस पूरे मामले की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। इसके अलावा, सांसद जायसवाल ने राज्य में बढ़ते संगठित अपराध, हजारीबाग व रामगढ़ में फैलते अवैध नशे के कारोबार और प्राकृतिक व खनिज संपदा की कथित लूट पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य और राज्य के

» जेपीएससी धांधली की सीबीआई जांच और गिरती कानून-व्यवस्था का उठाया मुद्दा

संसाधनों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए इन पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की।

# लातेहार पुलिस को मिली बड़ी सफलता: 146 किग्रा गांजा के साथ अंतर्राज्यीय तस्कर गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

**बालूमाथ/लातेहार**। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े अंतर्राज्यीय रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान 146 किलोग्राम अवैध गांजा, तस्करी में प्रयुक्त होंडा सिटी कार और रेकी कर रही एक बोलेरो वाहन समेत 3 अंतर्राज्यीय तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे का अनुमानित बाज़ार मूल्य लगभग 22,00,000 (बाइस लाख रुपये) बताया जा रहा है। **सघन चेकिंग अभियान में हत्थे चढ़े तस्कर**: मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि चंदवा की तरफ से एक सफेद रंग की होंडा सिटी कार में कुछ तस्कर अवैध गांजा लादकर बालूमाथ के रास्ते बिहार की ओर जा रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO), बालूमाथ के नेतृत्व में मकईयाटांड पुलिस पिकेट के पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के क्रम में संदिग्ध सफेद होंडा सिटी कार को रोका गया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 06 बोरों में भरा कुल 146 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। **ओडिशा से लाकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेचने की योजना**: कार में सवार तीनों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उन्होंने स्वीकार किया कि वे ओडिशा के झारसुगुड़ा के रहने वाले हैं। उनके सरगना द्वारा ओडिशा से गांजा की तस्करी कराकर बिहार ले जाया जाता था, जहां इसे ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। गिरोह के सदस्य पिछले कई वर्षों से गांजा तस्करी के इस अवैध कारोबार में संलिप्त थे। गिरफ्तार तस्करों की निशानदेही पर तस्करी के दौरान आगे-आगे रेकी कर रहे एक अन्य बोलेरो वाहन को भी पुलिस ने ज़ब्त कर लिया। **गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण**: गिरफ्तार अभियुक्तों में राहुल भाईसल (22), पिताः स्व. उद्धव भाईसल, पताः ग्राम-बंदवाहल, थाना-बनहरपाली, जिला-झारसुगुड़ा (ओडिशा), कलामुद्दीन उर्फ सोनू (22), पिताः स्व. अब्दुल खलील, पताः ग्राम-बंदवाहल, थाना-बनहरपाली, जिला-झारसुगुड़ा (ओडिशा), संतोष बेहरा (33), पिताः अशोक बेहरा, पताः ग्राम-बंदवाहल, थाना-बनहरपाली, जिला-झारसुगुड़ा (ओडिशा) शामिल हैं। वहीं अभियुक्तों से अवैध गांजा 146 किग्रा (अनुमानित मूल्य 22 लाख), होंडा सिटी कार 1, बोलेरो वाहन 1, मोबाइल फोन 3 जब्त किए गए। **छापामारी दल** : छापामारी दल में उमेश प्रसाद सिंह (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बालूमाथ), अनुभव सिन्हा (थाना प्रभारी, बालूमाथ थाना), पुअनि देवेन्द्र कुमार (बालूमाथ थाना), पुअनि गौतम कुमार (बालूमाथ थाना), पुअनि धीरज कुमार सिंह (बालूमाथ थाना), पुअनि मनोज कुमार (बालूमाथ थाना), पुअनि अभिषेक कुमार सिंह (अनु०कर्ता, बालूमाथ थाना) और बालूमाथ थाना का सशस्त्र बल शामिल रहा।

# हजारीबाग में 17 से 24 अगस्त तक जनजातीय गौरव उत्सव, राज्यपाल संतोष गंगवार को मिला उद्घाटन का निमंत्रण

नई सोच एक्सप्रेस

**हजारीबाग**।बिरसा मुंडा जन कल्याण योजना प्रचार अभियान के पदाधिकारियों ने राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें हजारीबाग में 17 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाले 'जनजातीय गौरव उत्सव' के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार, राष्ट्रीय अभियान प्रमुख राजमणि और झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर सावंत ने राज्यपाल को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आठ दिवसीय उत्सव में जनजातीय संस्कृति व परंपराओं के प्रदर्शन के साथ महिला उद्यमिता, सामाजिक जागरूकता और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं और समय की उपलब्धता के आधार पर समारोह में शामिल होने का आश्वासन दिया।

# रूपाली राज ने ताइक्वांडो में जीता स्वर्ण पदक, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

नई सोच एक्सप्रेस

**मयूरहंड (चतरा)**। झारखंड स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मयूरहंड प्रखंड के ढोढ़ी गांव की रहने वाली कुमारी रूपाली राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन आगामी राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए किया गया है। रूपाली राज की इस उपलब्धि से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रूपाली के पिता सनराइज पब्लिक स्कूल के निदेशक हैं। परिजनों ने बताया कि रूपाली ने कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। इससे पहले भी रूपाली राज राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। आगरा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया था। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रूपाली ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का परिचय दिया है। उनकी सफलता से क्षेत्र के खेलप्रेमियों में भी उत्साह का माहौल है। परिजनों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने रूपाली राज को स्वर्ण पदक जीतने और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने उम्मीद जताई कि रूपाली राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर मयूरहंड, चतरा और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

# रिम्स से डॉक्टर बने चतरा के सूर्यांश वैभव, परिवार में खुशी की लहर

नई सोच एक्सप्रेस

**चतरा**।शहर के न्यू कॉलोनी निवासी एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय, मरमदिरी के शिक्षक संजय कुमार सिंदुरिया के पुत्र सूर्यांश वैभव ने झारखंड के प्रतिष्ठित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची से चिकित्सा शिक्षा पूरी कर डॉक्टर बनने की उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार में खुशी और गर्व का माहौल है। खास बात यह है कि सूर्यांश अपने परिवार एवं खानदान में डॉक्टर बनने वाले पहले सदस्य हैं। सूर्यांश की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों, शिक्षकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रतिष्ठित संस्थान रिम्स से चिकित्सा शिक्षा पूरी कर डॉक्टर बनने की उपलब्धि ने न केवल परिवार का

» शिक्षक पिता का बढ़ाया मान, खानदान के पहले डॉक्टर बनकर सूर्यांश ने रचा उपलब्धि का नया अध्याय

मान बढ़ाया है, बल्कि चतरा के लिए भी इसे गौरव का विषय माना जा रहा है। अपनी सफलता का श्रेय सूर्यांश वैभव ने अपने पिता संजय कुमार सिंदुरिया, माता अनुपमा देवी और बड़ी बहन निहारिका स्वर्णिम को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के निरंतर सहयोग, प्रेरणा और आशीर्वाद के साथ बड़ी बहन के प्रोत्साहन ने उन्हें अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुत्र के डॉक्टर बनने पर संजय कुमार सिंदुरिया एवं अनुपमा देवी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके परिवार के लिए बेहद भावुक और गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि बेटे ने वर्षों की मेहनत और लगन से परिवार का सपना साकार किया है। वहीं, सूर्यांश के दादा-दादी ने भी पोते की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय लोगों ने सूर्यांश की सफलता को चतरा के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। लोगों का कहना है कि एक शिक्षक के पुत्र का रिम्स जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान से शिक्षा पूरी कर डॉक्टर बनना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। वहीं, परिवार और खानदान का पहला डॉक्टर बनने की उपलब्धि ने सूर्यांश की सफलता को और खास बना दिया है। शुभचिंतकों ने उम्मीद जताई कि सूर्यांश वैभव आने वाले समय में चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और संवेदनशीलता के साथ बेहतर योगदान देंगे तथा समाज और देश की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# छात्रों के समर्थन में भाजपा ने किया मुख्यमंत्री आवास का घेराव, सीबीआई जांच और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

**रांची**। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और छात्रों की मांगों को लेकर भाजपा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित भाजपा के विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद भाजपा नेता मुख्यमंत्री आवास के बाहर ही धरने पर बैठ गए। बाद में पुलिस ने भाजपा नेताओं को हिरासत में लेकर खेलगांव स्थित कैंप जेल भेज दिया। भाजपा नेताओं ने राज्य की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफे की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि पिछले कई दिनों से छात्र जयपाल सिंह स्टेडियम में धरना और आमरण अनशन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों के समर्थन में मुख्यमंत्री से वार्ता करने पहुंचे भाजपा नेताओं को पुलिस ने रोक दिया और बाद में हिरासत में ले लिया। साहू ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए सरकार की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा करते हुए कहा कि अपने हक और अधिकार की मांग कर रहे निहत्थे छात्रों पर लाठीचार्ज बेहद शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल और उत्पाद सिपाही सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। भाजपा ने सरकार से सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि छात्र लंबे समय से सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार वार्ता के नाम पर उन्हें टाल रही है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल, उत्पाद सिपाही, माध्यमिक शिक्षक नियुक्ति सहित विभिन्न भर्ती मामलों की जांच अदालत की निगरानी में सीबीआई से कराई जानी चाहिए। मरांडी ने छात्रों पर लाठीचार्ज को क्रूर और बर्बरतापूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा छात्रों को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को उनकी मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि राज्य के युवा और छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं और विधायकों को हिरासत में लिए जाने को अनुचित बताया विधानसभा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने भी मुख्यमंत्री से छात्रों के मुद्दे पर वार्ता नहीं होने और विपक्षी विधायकों को हिरासत में लिए जाने पर आपत्ति जताई। घेराव कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने "मुख्यमंत्री गद्दी छोड़ो", "भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराओ", "छात्रों को न्याय दो" सहित कई नारे लगाए। भाजपा नेताओं ने कहा कि छात्रों की मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, अमर कुमार बाउरी, नवीन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता, विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# अस्वस्थ प्रवीण प्रभाकर से मिले सुदेश महतो, जाना कुशलक्षेम

नई सोच एक्सप्रेस

**रांची**।आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो सोमवार को झारखंड आंदोलनकारी एवं आजसू पार्टी के उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर के मोराबादी स्थित आवास पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने प्रवीण प्रभाकर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रवीण प्रभाकर की हाल ही में रिम्स में सर्जरी हुई है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वे चिकित्सकों की सलाह पर अपने आवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इस दौरान आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत एवं अंतरराष्ट्रीय लॉन बॉल खिलाड़ी दिनेश महतो भी मौजूद रहे। मौके पर केंद्रीय सचिव हरीश कुमार, जिला प्रवक्ता सूरज मिश्रा, दुबराज महतो, प्रेम चंद, त्रिलोचन महतो, राजेंद्र महतो, शिवा विश्वकर्मा, राजेश कुमार, अनंत महतो सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### जहानाबाद के गौरक्षणी प्राथमिक विद्यालय का भवन शीघ्र बनेगा

**भवन के निर्माण के लिए मिल चुकी है 10 डिसमिल भूमि**

**पटना।** जहानाबाद के गौरक्षणी स्थित प्राथमिक विद्यालय के लिए भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस भवनहीन विद्यालय में वर्तमान में 65 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। विद्यालय भवन के निर्माण के लिए 10 डिसमिल भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। भूमि के सीमांकन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। जहानाबाद के डीईओ ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक से विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के निर्माण की स्वीकृति का अनुरोध किया है। डीईओ ने जो प्रस्ताव भेजा है, उसके मुताबिक विद्यालय में 4 अतिरिक्त क्लास रूम, 2 शौचालय, पेयजल के लिए डीप ट्यूबवेल एवं हैंडवॉश स्टेशन तथा एक रसोईघर का निर्माण कराया जाएगा। डीईओ ने इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने का अनुरोध किया है। विद्यालय में भवन और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने से बच्चों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा।

### एसआईएस ने पांचवें शेयर बायबैक की घोषणा की

**» वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में राजस्व में सालाना आधार पर लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि**

**पटना।** एसआईएस लिमिटेड (एनएसईः एसआईएस, बीएसईः 540673) ने 30 जून 2026 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए अपने अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। इस परफॉर्मेंस पर विचार व्यक्त करते हुए, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ऋतुराज किशोर सिन्हा ने कहा, लेबर कोड्स के लागू होने और मजबूत संचालन के चलते पहली तिमाही के साथ हमने वित्तीय वर्ष 27 की अच्छी शुरुआत की है। हमें खुशी है कि हम अपने बायबैक के लिए ओपन मार्केट रूट का इस्तेमाल करने वाली शुरुआती कुछ कंपनियों में से एक हैं; यह बायबैक अगले हफ्ते शुरू होने वाला है। इस बायबैक के साथ, एसआईएस आईपीओ के बाद से शेयरधारकों को रु 700 करोड़ से अधिक की रकम लौटा चुकी होगी। सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स इंडियाः सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स इंडिया बिजनेस ने अपनी विकास की गति को बनाए रखते हुए इस तिमाही के दौरान राजस्व में 37.3 फीसदी दर्ज की, और राजस्व रु 2,004.1 करोड़ तक पहुँच गया। इस तिमाही में एजुकेशन, हेल्थकेयर, ई-कॉमर्स और बीएफएसआई सेक्टर से बड़ी सफलताएँ मिलीं। सेगमेंट EBITDA रु102.5 करोड़ रहा; वित्तीय वर्ष 27 की पहली तिमाही में रु मार्जिन 5.1 फीसदी पर स्थिर रहा, जो वित्तीय वर्ष 26 की चौथी तिमाही के बराबर है।

### फरहाना भट्ट ने अपने जीवन का पहला हाइट बेस्ड स्टंट किया

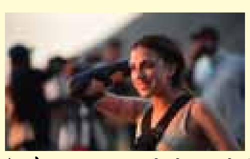

**पटना।** ब्लॉकबस्टर प्रीमियर के बाद जिसने दर्शकों को सीटों के किनारे पर बैठा दिया कलर्स का खतरों के खिलाड़ी साबित हुआ फ्रैंचाइजी का अब तक का सबसे ख़तरनाक सीज़न। बड़े रिस्क जानलेवा चुनौतियाँ और एक्शन मास्ट्रो रोहित शेट्टी की नज़र में कंटेस्टेंट्स को पहले से कहीं ज़्यादा आगे बढ़ाया गया हर एपिसोड डर और हिम्मत के बीच एक रोमांचक जंग बन गया है। इस वीकेंड एंटरटेनमेंट एक और परिभाषित पल लेकर आया जब फरहाना भट्ट ने अपने जीवन का पहला हाइट-बेस्ड स्टंट किया। लेकिन उन्हें अंततः प्रेरित किया रोहित शेट्टी के उत्साहवर्धक शब्दों ने। ज़मीन से ऊँचाई पर खड़ी फ़रहाना खुद को अपने डर से असमर्थ पाईं। उनकी हिचकिचाहट को भाँपते हुए रोहित शेट्टी ने शांत आश्वासन के साथ कदम बढ़ाया और उन्हें डर के बजाय खुद पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। जब तनाव चरम पर था उन्होंने अपने ट्रेडमार्क ह्यूमर से माहौल हल्का कर दिया और मज़ाक करते हुए कहा इसका प्रोमो कटेगा! यही अप्रत्याशित मज़ाक वह पल था जिसकी उन्हें ज़रूरत थी और उसी ने उन्हें छलांग लगाने का साहस दिया। फरहाना भट्ट ने साझा किया कि किसने उन्हें वह भरोसे की छलांग लगाने के लिए प्रेरित किया मैंने इस शो के लिए हाँ सिर्फ अपने फ़ैन्स की वजह से कहा। मुझे पता था कि लोग 'खतरों के खिलाड़ी' देखने इसलिए नहीं आते कि कंटेस्टेंट्स चुनौतियों से पीछे हट जाएँ, और यही सोच मेरे दिमाग़ में लगातार चल रही थी।

### एचडीएफसी बैंक मजबूत विकास के अगले चरण के लिए तैयार : राजीव कुमार

**पटना।** एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष एवं अतिरिक्त स्वतंत्र निदेशक राजीव कुमार ने बैंक की 32वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचे, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, तकनीक, व्यापक नेटवर्क और नवाचार के दम पर बैंक आने वाले वर्षों में मजबूत विकास के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। राजीव कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का कर पश्चात लाभ 10.9 प्रतिशत बढ़कर 74,671.3 करोड़ रुपये हो गया। बैंक के अग्रिम 12.1 प्रतिशत बढ़कर 29.37 लाख करोड़ रुपये और जमा 14.4 प्रतिशत बढ़कर 31.05 लाख करोड़ रुपये हो गई। पिछले पांच वर्षों में बैंक ने 4,000 से अधिक नई शाखाएं खोली हैं, जिनमें करीब आधी अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय से मिली तालमेल क्षमता, एमएसएमई क्षेत्र में मजबूत स्थिति और तकनीकी आधुनिकीकरण बैंक के विकास के प्रमुख आधार हैं। बैंक की पहुंच 721 जिलों तक है और एमएसएमई ऋण बाजार में उसकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से अधिक है। राजीव कुमार ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में बैंक के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत बैंक ने अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए हैं। बैंक में 58.8 लाख जन-धन खाते भी खोले हैं। उन्होंने कहा कि बैंक का 'परिवर्तन' कार्यक्रम 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में संचालित है तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रम 11 हजार से अधिक गांवों तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि बैंक अपने परिचालन को 2031-32 तक कार्बन न्यूट्रल बनाने की दिशा में काम कर रहा है। कर्मचारियों के प्रशिक्षण और कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए बैंक में सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

### ऑपरेशन मुस्कान के तहत 21 लाख के 75 मोबाइल फोन धारकों को लौटाए गए

**दानापुर।** पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम हुए मोबाईल फोन बरामद कर सोमवार को वास्तविक मोबाईल धारक को प्रदान किया गया है। सिटी एसपी पश्चिमी संकेत कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय, पटना के दिशा निर्देश के आलोक में नगर पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी पटना के नेतृत्व में चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत पश्चिमी क्षेत्र के थाना अन्तर्गत मोबाईल खोने एवं गिरने से संबंधित दर्ज सनहा के आलोक में तकनीकी अनुसंधान कर मोबाईल की बरामदगी की जा रही है। इसी संदर्भ में ऑपरेशन मुस्कान के तहत पटना पश्चिमी क्षेत्र के विभिन्न थानों में कुल 75 मोबाईल फोन बरामदगी कर उसके वास्तविक धारको को मोबाईल फोन देकर उनके चेहरे का मुस्कान लौटाया गया। बरामद सभी मोबाईल की अनुमानित कीमत तकनीकी टीम द्वारा 21,60,000/- (इक्कीस लाख साठ हजार रूपये) आंकलित की गयी है।

# बिहार सरकार के खिलाफ उतरे बिहार के 12,000 विवि शिक्षक

नई सोच एक्सप्रेस

**» पटना यूनिवर्सिटी में लगाए सम्राट सरकार के खिलाफ नारे, प्रस्तावित विवि अधिनियम में बदलाव का विरोध**

**पटना।** बिहार में 50 साल बाद यूनिवर्सिटी कानून बदलने वाला है। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम के विरोध में प्रदेश के तमाम यूनिवर्सिटी और कॉलेजों के शिक्षक आज सामूहिक अवकाश पर हैं। राज्य के 481 सरकारी डिग्री कॉलेजों के 12 हजार से ज्यादा शिक्षक सोमवार को अपने-अपने यूनिवर्सिटी मुख्यालय पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना यूनिवर्सिटी में भी सभी शिक्षक प्रदर्शन करने उतरे हैं। सभी टीचर्स बिहार सरकार मुदार्बाद के नारे लगा रहे हैं। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने इस प्रदर्शन का आह्वान किया है। सभी टीचर्स बिहार सरकार मुदार्बाद के नारे लगा रहे हैं। सभी टीचर्स बिहार सरकार मुदार्बाद के नारे लगा रहे हैं। शिक्षकों ने पटना यूनिवर्सिटी के व्हीलर सीनेट हॉल के सामने सम्राट सरकार के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। शिक्षकों ने पटना यूनिवर्सिटी के व्हीलर सीनेट हॉल के सामने सम्राट सरकार के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। पटना यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिवसागर ने कहा कि हम लोग पहले से ही धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं। बिहार विश्वविद्यालय एक्ट और पटना विश्वविद्यालय एक्ट को समाप्त किया जा रहा है। इसके विरोध में हमने पिछले दिनों चार दिन का मास कैजुअल लीव भी लिया था और मानव श्रृंखला भी बनाया था। हम लोग संघर्ष करने के लिए रोड पर उतरे हुए थे। इस विधेयक के खिलाफ शिक्षक, कर्मचारियों और छात्र तीनों विंग लगे हुए हैं। विश्वविद्यालय के स्वायत्ता को समाप्त करने पर जो प्रहार हो रहा है, इसके विरोध में हम लोग आज यहां एकजुट हुए हैं। अंतिम दम तक हम लोग पुरजोर कोशिश करेंगे कि इसको हम लोग लागू नहीं होने देंगे। शिक्षक डॉ सुधीर कुमार ने कहा कि बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के विरोध में आज हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की स्वायत्ता को समाप्त करने को लेकर सरकार साजिश रच रही है। सरकार चाहती है कि उच्च शिक्षा प्रणाली उनके नियंत्रण क्षेत्र में रहे। इससे शिक्षा की स्वतंत्रता और रिसर्च की परंपरा जो विश्वविद्यालय के अंदर है, वह प्रभावित होगी। सरकार रिसर्च और इनोवेशन कोअपने विचारधाराओं के प्रचार के एजेंट के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है। पटना यूनिवर्सिटी के व्हीलर सीनेट हॉल में 1:30 बजे से प्रदर्शन चल रहा है। इस प्रदर्शन के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें प्रस्तावित अधिनियम को तत्काल निरस्त करने की सरकार को अनुशंसा करने के लिए मांग शामिल है। शिक्षकों का मानना है कि इस नए विधेयक के आने से यूनिवर्सिटी की स्वायत्तता समाप्त हो जाएगी। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 और पटना विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। इनकी जगह 'बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026' प्रभावी होगा। इससे पहले शिक्षकों ने 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चरणबद्ध आंदोलन चलाया। उन्होंने काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज किया था। वहीं, पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षकों ने चार दिन तक सामूहिक अवकाश पर रहते हुए विरोध प्रदर्शन किया था।

# प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक शिव भक्तों की सेवा में जुटे रहे

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** धार्मिक आस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक बैकुंठधाम गौरीशंकर मंदिर में सेवा कार्य में जुटे रहे। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के दौरान स्वयंसेवकों ने प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फाउंडेशन की आपदा प्रबंधन टीम के आपदा मित्र मंदिर परिसर में तैनात रहे । टीम में लाइफ जैकेट, टॉर्च और रस्सी जैसी बचाव सामग्री भी मौजूद थी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद की जा सके। **सेवा और सुरक्षा दोनों पर फोकसः** स्वयंसेवकों ने मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को कतार में लगने, साफ-सफाई रखने और सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय कर भीड़ नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया गया।प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक गोपी ने बताया बैकुंठधाम मंदिर में हर बड़े आयोजन पर हमारे स्वयंसेवक सेवा के लिए उपस्थित रहते हैं। हमारा उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो और पूजा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने किया सराहना ड्यूटी के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों ने फाउंडेशन के युवाओं के अनुशासन और सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों के सहयोग से प्रशासनिक काम आसान हो जाता है। प्रेम यूथ फाउंडेशन लगातार धार्मिक स्थलों, सामाजिक कार्यक्रमों और आपदा के समय प्रशासन का सहयोग करता आ रहा है।

# स्कूली दोस्तों को सामने देख थिरकें कॉलेजिटियनों के पांव

नई सोच एक्सप्रेस

**» पटना कॉलेजिएट पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह हुआ आयोजित**

**पटना।** पटना कॉलेजिएट स्कूल परिसर में सोमवार का दिन बेहद खास रहा। सुबह में स्कूल के छात्रों ने स्कूल का स्थापना दिवस समारोह मनाया और दोपहर के बाद स्कूल के पूर्ववर्ती छात्र पटना कॉलेजिएट स्कूल एलुमनाई एसोसिएशन के बैनर तले पारिवारिक छात्र मिलन समारोह में जुटे। कार्यक्रम में 1956 बैच से लेकर 2008 बैच के छात्र अपने परिवार के साथ शामिल हुए। तेरे जैसा यार कहां, कहां ऐसा याराना..सात अजूबे इस दुनिया में आठवीं अपनी जोड़ी. जैसे गीतों पर कालेजिटियनों के पांव एलुमिनाई मीट में थिरकते रहे। पटना कॉलेजिएट स्कूल एलुमनाई एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित पूर्ववर्ती छात्र पारिवारिक मिलन कार्यक्रम में परिवार के साथ शामिल होने बिहार के साथ-साथ दूसरे राज्यों से भी पूर्ववर्ती छात्र अपने परिवार के साथ पहुंचे। कई दोस्त तीन दशकों के बाद एक-दूसरे को सामने देख भाव-विभोर हो गए। आंसू छलकने लगा। गले मिलकर थरार्ते हाथों से पीठ पर थाप देते रहे। स्कूल परिसर में प्रवेश करते ही पटना कालेजिएट के पूर्ववर्ती छात्रों के चेहरे खुशी, उत्साह और जोश में भरे दिखें। पुराने स्कूली दोस्तों को देखते ही एक दूसरे से लिपटने और ठहाकों की गूंज यहां हर कुछ देर में देखने को मिला। पुराने दिनों को याद करने और पुराने दोस्तों की बातों में दोपहर से कब शाम हो गई पता नहीं चला। मंच से लगातार गूंजते तरानों ने माहौल को काफी हल्का बना दिया था। इस मौके पर एलुमनाई सदस्यों ने अपने पुराने दोस्तो के साथ मिलकर काफी मस्ती की। एक से बढ़कर एक गीत व गजल गाए और कविता का स्वाद भी संगठन के सदस्यों ने चखा। पूर्ववर्ती छात्र अपने साथ आए पत्नी और परिवार को स्कूल को घुमाते देखे। स्कूल की कक्षा से लेकर खेल मैदान तक से जुड़ी यादों को साझा किया। स्कूल परिसर में एसोसिएशन की तरफ से लगाए गए सेल्फी प्वाइंट पर अपने परिवार के साथ यादगार सेल्फी लिया। कार्यक्रम में सोवेनियर का लोकार्पण किया गया और पूववर्ती छात्रों को सम्मानित भी किया गया। मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि संगठन को और मजबूत बनाया जाएगा। महासचिव राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन बीते 15 वर्षों में संगठन अपने एलुमनाई सदस्यों के हर सुख-दुख में शामिल रहा है। प्रत्येक एलुमनाई की बेटियों की शादी में 11 हजार रुपये का योगदान संगठन की तरफ से रहता है। इस योगदान को 21 हजार रुपये तक बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक एलुमनी को संगठन की तरफ से 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कराया गया है। समारोह को सफल बनाने में अमरेन्द्र कुमार, संतोष कुमार, अरबिन्द कुमार सिन्हा, गिरिश कुमार, पंकज कुमार, कृष्णा कुमार, कृष्ण प्रकाश लाल, अरूण कुमार, अरविन्द केसरी, हीरा लाल, दीपक कुमार सिन्हा, डॉ.रत्नेश, अरूण तिवारी, राकेश कुमार, शशि रंजन, रवि रंजन, विजय कुमार सिंह, बबलू, राकेश कुमार, अरविन्द कुमार, हीरा लाल, पंकज कुमार, सुनील कुमार, डॉ.महेन्द्र प्रताप सिंह, अचल कपूर सहित कोर कमिटी टीम के सदस्य शामिल रहे।

# सावन महोत्सव 2026 में कला, संस्कृति और प्रतिभा का दिखा रंग

नई सोच एक्सप्रेस

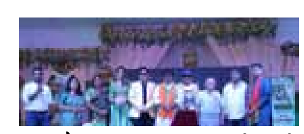

**पटना।** सावन की हरियाली और बिहार की समृद्ध कला-संस्कृति को समर्पित सावन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन हुनर के तत्वावधान में किंग्स रिसोर्ट, जगनपुरा में किया गया। कार्यक्रम में कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद, भाजपा कला-संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वरुण सिंह, अमर शौर्य, रंजन सिंह समेत फिल्म एवं मनोरंजन जगत की कई हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पटना के बच्चों एवं युवा प्रतिभाओं ने शानदार नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रसिद्ध फ्लूट आर्टिस्ट पलक जैन ने बाँसुरी वादन से समां बांधा, जबकि एंकर एवं कॉमेडियन राज सोनी ने अपनी शानदार एंकरिंग से कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।रवि शंकर चौधरी एवं पूजा चौधरी ने हुनर की डायरेक्टर मनीषा मिश्रा द्वारा तैयार मिथिला कला से सजे पारंपरिक परिधान पहनकर बिहार की कला-संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया। वहीं बॉलीवुड अभिनेता रवि सुधा चौधरी को हुनर का ब्रैंड एंबेसडर बनाया गया।प्रतियोगिताओं में मिस सावन का खिताब नव्या ने और रनरअप वैष्णवी रहीं। मिसेज सावन का खिताब स्वाति ने जीता, जबकि रनरअप माला प्रिया रहीं। किड्स मेल वर्ग में अविराज और फीमेल वर्ग में पिहू विजेता बनीं। हुनर टीम की अक्षिता वैभव और पीयूष समेत पूरी टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने कहा कि ह्यसावन महोत्सवह्न का उद्देश्य बिहार की कला, संस्कृति और प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच प्रदान करना है।

# पटना में चलती हुई बाइक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना** । गांधी मैदान थाना क्षेत्र के एग्जीबिशन रोड बीच सड़क पर अचानक एक चलती हुई बाइक आग के गोले में तब्दील हो गई। आग लगते ही सतर्क चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर भारी भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एहतियातन तुरंत अग्निशमन विभाग, पटना को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हालांकि, बाइक में अचानक आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद दमकल टीम द्वारा आग बुझाए जाने के बाद बीच सड़क से जली हुई बाइक को हटाने का काम तेजी से किया गया और रास्ते पर सुचारू यातायात को जल्द से जल्द बहाल किया गया।

# पीएनजी ज्वेलर्स के सीएमडी डॉ. सौरभ गाडगीळ के अपनी पहली पुस्तक 'चूजिंग गोल्ड' का विमोचन

नई सोच एक्सप्रेस

**» पीएनजी ज्वेलर्स को आकार देने वाली सोच के भीतर की कहानीः छठी पीढ़ी के जौहरी की दृढ़ आस्था, धैर्य और कठिन रास्ता चुनने की यात्रा**

**पुणे।** भारत की सबसे पुरानी व्यावसायिक विरासतों में से एक की जिम्मेदारी उन्होंने अपनी मध्य तीस की उम्र में संभाली। आज पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगीळ अपनी पहली पुस्तक 'चूजिंग गोल्ड' के माध्यम से उस विरासत से जुड़ी अपनी पूरी यात्रा की कहानी साझा कर रहे हैं। इस पुस्तक का राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा किया गया है। 'चूजिंग गोल्ड' एक बेहद ईमानदार और व्यक्तिगत पुस्तक है। यह उस व्यक्ति की कहानी है, जिसने कम उम्र में भारत की सबसे पुरानी व्यावसायिक विरासतों में से एक को संभाला और अब ४९ वर्ष की आयु में अपनी इस अद्भुत यात्रा को लोगों के सामने ला रहे हैं। यह कहानी दुनिया उन्हें बाहर से जिस तरह देखती है, उसकी नहीं, बल्कि उस यात्रा की है, जिसे उन्होंने वास्तव में जिया है। यह पुस्तक उन महत्वपूर्ण क्षणों की कहानी बताती है, जिन्होंने डॉ. गाडगीळ के व्यक्तित्व को आकार दिया; उनके दादा और मां के साथ हुई वे बातचीत, जो जीवनभर उनके साथ रहीं; वे सीख, जिनका वास्तविक अर्थ समय बीतने के साथ समझ में आया; और वे कठिन निर्णय, जिन्होंने उनकी दृढ़ता और विश्वास की परीक्षा ली तथा अंततः उनके सही साबित होने का मार्ग प्रशस्त किया। पीएनजी ज्वेलर्स की १९४ वर्ष पुरानी विरासत इस यात्रा की पृष्ठभूमि है। लेकिन इस पुस्तक के केंद्र में स्वयं डॉ. गाडगीळ हैं—उनका विकास, उनके निर्णय, उनके संघर्ष और अपने से पहले की विरासत का सम्मान करते हुए अपनी राह स्वयं बनाने का साहस। पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, "अपने जीवन के अधिकांश समय में मैं इस यात्रा को जीने में इतना व्यस्त था कि कभी रुककर इसे समझने और परखने का अवसर ही नहीं मिला। जिन सवालों को मैं लगभग तीन दशकों से टालता आया था, उन्हें पूछने के लिए इस पुस्तक को लिखते हुए मैं स्वयं मजबूर हुआ। अपने किन फैसलों पर मुझे वास्तव में गर्व है? कौन-से फैसले आज भी मुझे बेचैन करते हैं? मैंने किन बातों को अपनी समझदारी से सही किया और किन्हें महज अपनी किस्मत से? बिना किसी दिखावे के और बिना किसी पूर्वदृष्टि की बुद्धिमत्ता के, 'चूजिंग गोल्ड' इन सभी सवालों के जवाब तलाशने की मेरी एक ईमानदार कोशिश है। इस पुस्तक को लिखते समय मुझे सबसे अधिक आश्चर्य इस बात से हुआ कि मेरी कहानी को आकार देने में उन शांत और छोटे-छोटे पलों की कितनी बड़ी भूमिका रही। मेरे दादा के साथ हुई एक ऐसी बातचीत, जिसके बारे में मुझे तब एहसास भी नहीं था कि वह जीवनभर मेरी स्मृतियों में रहेगी; एक असफलता, जिसे मैंने सभी से, यहां तक कि स्वयं से भी छिपाया; और एक सलाह, जिसे मैंने २५ वर्ष की उम्र में नजरअंदाज कर दिया था और जिसका वास्तविक अर्थ मुझे दशकों बाद समझ आया। बैलेंस शीट पर दिखाई देने वाली उपलब्धियों से कहीं अधिक इन क्षणों ने मुझे गढ़ा है।

# खेत तक कृषि अनुसंधान के लिए पहुँचेगी आईसीएआर की पांच टीमें

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में आयोजित तीन दिवसीय संस्थान अनुसंधान परिषद बैठक-2026 का शुक्रवार को समापन हुआ। बैठक में पूर्वी भारत के किसानों के लिए जलवायु-सहिष्णु, टिकाऊ और लाभकारी कृषि के समाधान विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। 5 से 7 अगस्त, 2026 तक आयोजित इस बैठक में संस्थान की चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की गई तथा किसानों की बदलती जरूरतों और राष्ट्रीय कृषि प्राथमिकताओं के अनुरूप नई अनुसंधान पहलों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पाँच प्रमुख विषयगत कार्यक्रमों के अंतर्गत संचालित 85 अनुसंधान उप-परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। संस्थान के निदेशक एवं संस्थान अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष डॉ. अनुप दास ने वैज्ञानिकों से एक टीम, एक कार्य की भावना से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुसंधान का उद्देश्य ऐसी तकनीक और समाधान विकसित करना होना चाहिए, जो किसानों की वास्तविक समस्याओं को दूर करें, संसाधनों का बेहतर उपयोग करें तथा खेती की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने में मदद करें। उन्होंने वैज्ञानिकों से स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर अनुसंधान को तेजी से खेत तक पहुँचाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अनुसंधान के दौरान आने वाली चुनौतियाँ और बाधाएँ अक्सर बेहतर एवं प्रभावशाली परिणामों का आधार बनती हैं। फसल अनुसंधान प्रभाग के प्रमुख डॉ. संजीव कुमार ने जलवायु-सहिष्णु कृषि के लिए पुनयोर्जी एवं समेकित कृषि प्रणालियाँ विषय का नेतृत्व किया। इसके अंतर्गत संरक्षण कृषि के माध्यम से धान परती क्षेत्र का बेहतर उपयोग, धानझगेहूँ प्रणाली का सतत गहनीकरण, प्राकृतिक खेती, लघु एवं सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली मॉडल, फसल विविधीकरण, विभिन्न तनावों को सहन करने वाली फसल किस्मों का विकास, कृषिवानिकी, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं तथा पादप संरक्षण पर चर्चा की गई। डॉ. कुमार ने ऐसी कृषि प्रणालियाँ विकसित करने पर जोर दिया, जो बदलती जलवायु के बीच भी अच्छी उपज और लाभ दें तथा संसाधनों के कुशल उपयोग के साथ किसानों की आय बढ़ाने में मदद करें। कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र, रांची के प्रमुख डॉ. अवनि कुमार सिंह ने बागवानी फसलों के आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन एवं उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियाँ विषय का नेतृत्व किया। इसके अंतर्गत आनुवंशिक संसाधनों का प्रबंधन, किस्म सुधार, उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियाँ, संरक्षित खेती, कटाई उपरांत प्रबंधन तथा मूल्य संवर्धन पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि फलों एवं सब्जियों की बेहतर किस्मों और उत्पादन तकनीकों को किसानों की जरूरतों तथा बाजार की संभावनाओं से जोड़ना जरूरी है, ताकि बागवानी किसानों को बेहतर उत्पादन, गुणवत्ता और आय का लाभ मिल सके।भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने भूमि एवं जल उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विषय का नेतृत्व किया। इसके अंतर्गत मृदा, भूमि एवं जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन, जल उत्पादकता एवं पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने, परिशुद्ध जल एवं पोषक तत्व प्रबंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर चर्चा की गई। डॉ. उपाध्याय ने सौर ऊर्जा, सेंसर-आधारित सिंचाई, धान परती क्षेत्र के मानचित्रण तथा प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ी तकनीकों पर अनुसंधान को बढ़ावा देने का आह्वान किया, ताकि किसानों को कम पानी और संसाधनों में बेहतर उत्पादन मिल सके। पशुधन एवं मत्स्य प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख डॉ. कमल शर्मा ने ह्लसतत पशुधन एवं मत्स्य उत्पादन प्रणालियाँह्व विषय का नेतृत्व किया। इसके अंतर्गत पशुधन एवं मत्स्य उत्पादन में सुधार, सतत उत्पादन प्रणालियाँ, फसलझपशुधनझमत्स्य एकीकरण, आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण, पशु स्वास्थ्य, रोग निगरानी, संसाधनों का पुनर्चक्रण तथा आजीविका संवर्धन पर चर्चा हुई।

# चौरसिया दिवस आयोजन हेतु बिहार आदर्श चौरसिया सभा की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।** बिहार आदर्श चौरसिया सभा, पटना के तत्वावधान में आयोजित होने बाली,नागपंचमी महोत्सव-सह चौरसिया दिवस आयोजन की तैयारी के लिए द्वितीय कार्यकारिणी की बैठक, डॉ एन पी प्रियदर्शी की अध्यक्षता में श्री राज ट्रस्ट अस्पताल में सम्पन्न हुआ 1 जिसमें आगामी 16 अगस्त 2026 को होने वाले आयोजन से पूर्व मुख्य रूप से इसे सफल बनाने के लिए सदस्यों को कार्यों की जिम्मेवारी सौंपी गई 1 इस बैठक में मुख्य रूप से डॉ एन पी प्रियदर्शी (अध्यक्ष), ई० आर० के० प्रसाद ,(राष्ट्रीय कार्य० अध्यक्ष - सह - मुख्य सलाहकार बिहार), प्रो० अनिरुद्ध प्रसाद मंडल( राष्ट्रीय उपाध्यक्ष),पवन चौरसिया(महामंत्री),निरंजन चक्रवर्ती (महामंत्री), आनंद चौरसिया ( जिलाध्यक्ष वैशाली), चौरसिया राजू पेंटर,श्याम सुंदर चौरसिया, ब्रिजेश कुमार मोदी(कार्यालय सहायक) एवं मीडिया प्रभारी अशोक नागवंशी (खगौल) आदि उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### विभाजन पीड़ितों का होगा सम्मान, दिवंगत आत्माओं को दी जाएगी श्रद्धांजलि

**कुरुक्षेत्र।** विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर 14 अगस्त को पंचायत भवन , कुरुक्षेत्र में "सम्मान एवं श्रद्धांजलि सभा" का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विभाजन के दौरान विस्थापन की पीड़ा झेलने वाले उन बुजुर्गों का सम्मान किया जाएगा, जो आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। साथ ही, विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाने वाले तथा दिवंगत हो चुके विभाजन पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यह कार्यकर्म पंजाबी बिरादरी महासभा कुरुक्षेत्र द्वारा किया जाएगा कार्यकर्म के संयोजको आशीष सभरवाल , फतह चंद गाँधी , अशोक मेहता , राकेश अरोड़ा , पंकज बजाज, कृषण धमीजा , सुनील मुंजाल , डॉ राजेश वधवा , महेश अरोड़ा , ललित चावला , धर्मेन्दर सचदेवा , रजनीश धींगरा एवं गुलशन गाबा एवं समस्त कार्यकारणी ने बताया कि 14 अगस्त 1947 की विभाजन विभीषिका केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की पीड़ा, संघर्ष और त्याग की जीवंत स्मृति है। उस समय असंख्य परिवारों ने अपने घर-बार, जन्मभूमि, संपत्ति और अपनों को छोड़कर अनजान स्थानों पर नई जिंदगी की शुरुआत की। गाँधी ने बताया कि इस कार्यकर्म में नगर के दो दर्जन से अधिक बजुर्गो को सम्मानित भी किया जाएगा उन्होंने अपील की है जो भी बजुर्ग महिला या पुरष 80 वर्ष का है वो सभा से संपर्क करके अपना पंजीकरण करवा सकता है | सभरवाल ने बताया कि कार्यकर्म का उदेश्य केवल इतना है कि आज कि पीडी को पता हो कि बजुर्गो ने क्या बलिदान किया है और बजुर्गो जो आज हमारे बिच में है वो सभी को बता सके कि उन्होंने क्या क्या झेला है उनका दर्द हल्का करने के लिए इस कार्यकर्म का आयोजन किया जा रहा है | चरण जीत गाबा , सुनील मुंजाल ने बताया की विशेषकर पंजाबी समाज के बुजुर्गों ने विस्थापन का असहनीय दर्द सहने के बावजूद अपने परिश्रम और साहस से नई बस्तियां बसाईं तथा देश के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य उस पीढ़ी के संघर्ष और योगदान को सम्मान देना तथा नई पीढ़ी को विभाजन की पीड़ा और उससे मिली सीख से परिचित कराना है। आयोजक मंडल ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम 14 अगस्त 2026 | स्थान : पंचायत भवन, कुरुक्षेत्र में पहुंचकर विभाजन पीड़ितों के प्रति सम्मान एवं दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने का आह्वान किया है।

### डॉ.शुभम कुमार सेठ की साध्वी निरंजन ज्योति से भेंट,पिछड़ा व स्वर्णकार समाज के विकास पर मंथन

**वाराणसी।** दिल्ली में श्री हरिशचंद्र पीजी कॉलेज वाराणसी के पूर्व छात्रसंघ महामंत्री एवं भाजपा नेता डॉ.शुभम कुमार सेठ ने आदरणीया साध्वी निरंजन ज्योति अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से उनके निजी कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की | इस अवसर पर समसामयिक विषयों के साथ-साथ सामाजिक एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक सार्थक चर्चा हुई | विशेष रूप से स्वर्णकार समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान तथा पिछड़े समाज के सर्वांगीण विकास को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया | समाज के युवाओं को शिक्षा,रोजगार एवं अवसरों से जोड़ने,पिछड़े वर्गों के अधिकारों और हितों को मजबूत करने तथा सामाजिक विकास की मुख्यधारा में अधिक प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई | डॉ.शुभम कुमार सेठ ने साध्वी निरंजन ज्योति के मार्गदर्शन एवं बहुमूल्य समय के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया ||

### माता-पिता मिल जाएंगे लख चौरासी मांहिं, गुरु सेवा और बंदगी फिर मिलेगी नाहिं

**नई दिल्ली।** पांडव कालीन भगवान वाल्मीकि आश्रम नेहरू पार्क मे गुरुदेव वाल्मीकि राष्ट्रीय महामंडलेश्वर स्वामी विवेक नाथ महाराज जी ने अपने भक्तों के बीच में बोलते हुए कहा कि व्यक्ति को प्रत्येक जन्म में किसी भी योनि में माता-पिता मिल जाते हैं परंतु गुरु नहीं मिल पाता गुरु बड़े भाग्य से मिलते हैं और बड़े परिश्रम से, उसके उपरांत तो मालिक नौकर को मिल जाता है प्रत्येक इंसान को इंसान दास तो बन जाता है किसी भी पूंजी पति का नौकर तो कोई भी मालिक पैसे के दम पर किसी को बना सकता है परंतु गुरु नहीं पर गुरु नहीं मिलते गुरु पैसों से नहीं मिलते , गुरु वह नहीं होता जो शिक्षा का व्यापार करें गुरु वह होता है जो संस्कार दे शिक्षा दे गुरु बड़े जतनो यतनो और पुण्य से मिलते हैं राष्ट्रीय महामंडलेश्वर स्वामी विवेक नाथ महाराज ने यह भी कहा माता-पिता प्रभु गुरु की वाणी बिना विचार करो शुभ जाने माता और पिता की और गुरु की वाणी को हमेशा शुभ समझना चाहिए क्योंकि वह हर प्रकार से अपने बच्चों का भला चाहते हैं गुरु अपने शिष्यों का बनना चाहते हैं

### श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर विश्व हिंदू महासंघ की वर्चुअल बैठक

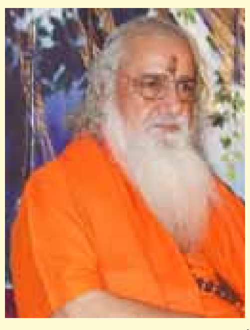

**वाराणसी।** विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की एक आवश्यक वर्चुअल बैठक प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक का संचालन क्षेत्रीय अध्यक्ष श्याम बाबू शर्मा ने किया | बैठक में आगामी 16 अगस्त को झांसी में होने वाली प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक की तैयारी की समीक्षा की गई। धर्माचार्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य डॉ. हरिओम पाठक ने कहा कि जिलाध्यक्ष हमारी ताकत हैं | श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति पर निकलने वाली धार्मिक शोभा यात्रा की कमान जिलाध्यक्षों के ही हाथ रहेगी इसलिए जिलाध्यक्ष बैठक में अवश्य भाग लें मातृशक्ति व अन्य प्रकोष्ठों के भी जिलाध्यक्ष बैठक में भाग लें | सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गंगा शर्मा कौशिक,क्षेत्रीय अध्यक्ष दीपक त्रिपाठी,आशा शर्मा,नीलम गिरी,किन्नर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी,श्रीवंत तिवारी,संजय शुक्ला तथा मनोज प्रजापति ने कहा कि बैठक में समय सीमा का ध्यान रखना होगा | जिलाध्यक्ष मोहित सिंह परिहार,प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा वीरेंदर सिंह ठाकुर,राजेश शर्मा,अखंड प्रताप सिंह तथा दीपक शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर निकलने वाली शोभायात्रा हमारी बैठक का मुख्य बिंदु होगी | अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र कुमार पाठक,प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना,संभाग प्रभारी शरद प्रजापति, प्रिंट मिडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सिंह चंदेल,सुमन पटेल,अंशु छौंकर,इंद्रदीप जैन इत्यादि साथियों ने कहा कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति हेतु निकलने वाली शोभा यात्रा में सभी प्रकोष्ठों की जिम्मेदारी होगी इसलिए बैठक में उनका रहना भी जरूरी है |

# रोटरी क्लब वाराणसी नॉर्थ ने धूमधाम से मनाया 36वां स्थापना दिवस,पूर्व अध्यक्षों का हुआ सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

**वाराणसी।** रोटरी क्लब ऑफ वाराणसी नॉर्थ ने रोहनिया स्थित लेमन ट्री होटल में अपना 36वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया | सर्वप्रथम एन एन दुबे द्वारा वर्तमान सत्र के अध्यक्ष अशोक सुल्तानिया को रोटरी कॉलर पहनाया गया तथा अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की गई | सर्वप्रथम मंच पर उपस्थित सभी सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया | सभागार में उपस्थित मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष पूनम गुलाटी तथा सह मंडल अध्यक्ष अविनाश मेहरोत्रा एवं पूर्व मंडल अध्यक्षो एवं सह मंडल अध्यक्षों तथा आये हुए अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र तथा बुके देकर अध्यक्ष ने किया | क्लब के संस्थापक सदस्य तथा पूर्व अध्यक्ष सुरेश खण्डेलवाल ने क्लब की स्थापना से लेकर अब तक के कार्यो पर विस्तृत जानकारी दी एवं इसके उतार चढ़ाव की भी चर्चा की | इस कार्यक्रम का सफल संचालन सतीश चंद्र जैन ने किया | तत्पश्चात क्लब के पूर्व अध्यक्षो डॉ संजीव शर्मा,गणेश अग्रवाल,डॉ शिव जी गुप्ता, एन के द्विवेदी,अतुल जायसवाल,डॉ अनिल कुमार राय,डॉ नीलम गुप्ता,राजेश भार्गव,एन एन दुबे,इंद्रसेन सिंह,शैलेन्द्र श्रीवास्तव,सतीश जैन,डॉ रोहित गुप्ता,डॉ राकेश जायसवाल,रत्नेश जैन,नीरज अग्रवाल एवं रुचि भार्गव को सम्मानित किया गया तथा उनके सत्र में हुए कार्यो के बारे में जानकारी दी गयी | इस कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्षों बी डी गुजराती,हरि मोहन सहाय,संजय अग्रवाल तथा ए जी प्रशांत नागर एवं क्लब के सह मंडल तथा डिस्टिक गवर्नर रिजनल हेड संजय गुप्ता ने सभा को संबोधित किया | इन सभी का सम्मान वरिष्ठ सदस्य सी के त्रिवेदी एवं अनिल किंजवाडेकर सचिव डॉ राकेश जायसवाल ने अंगवस्त्रम देकर किया | स्वागत और सम्मान के पश्चात पूर्व अध्यक्षों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य के साथ अपनी प्रस्तुति दी | इसके अलावा क्लब के अन्य सदस्यों ने गायन तथा नृत्य के कार्यक्रम को यादगार बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन किया | कार्यक्रम का संचालन रोली अग्रवाल एवं अतुल भालोटिया ने समवेत रूप में किया | कार्यक्रम में दीपक माहेश्वरी,सपना खण्डेलवाल,वर्षा श्रीवास्तव,हर्ष अग्रवाल,वंदना गुप्ता,डॉ डॉली श्रीवास्तव,सुभाष जैन,अरविंद जायसवाल,डॉ अनूप मिश्र,जगदीश राय,डॉ राजीव शुक्ला,मनीष अग्रवाल,डॉ राकेश मोहन, चित्रा मिश्र,राकेश रस्तोगी, सीमा शुक्ला,स्वाति अग्रवाल,वंदना जायसवाल,संजीव बोस,विनोद गुप्ता,एस के अग्रवाल,राधा अग्रवाल,शिवि राय,डॉ मोनिशा सिंह आदि सदस्य उपस्थित थे | अंत में धन्यवाद ज्ञापन क्लब के निर्वाचित अध्यक्ष विजय केसरी ने किया ||

## माटी उवाच' का लोकार्पण, जनजातीय जीवन-दर्शन पर हुआ विमर्श

नई सोच एक्सप्रेस

**कुरुक्षेत्र।** प्रोफेसर हिम्मत सिंह सिन्हा स्मृति न्यास के तत्वावधान में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. कुमुद रामानन्द बंसल की नवीनतम कृति 'माटी उवाच' का लोकार्पण समारोह शनिवार को कुरुक्षेत्र में हुआ। कार्यक्रम में साहित्यकारों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं साहित्यप्रेमियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के सदस्य (न्यायिक) मुकेश गर्ग ने कहा कि प्रकृति और सांस्कृतिक मूल्यों से बढ़ती दूरी के दौर में 'माटी उवाच' जैसी कृतियां अत्यंत प्रासंगिक हैं। मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. लाल चन्द गुप्त 'मंगल' ने पुस्तक को मनुष्य, प्रकृति और संस्कृति के त्रिवेणी संबंध का प्रभावी साहित्यिक आख्यान बताया। अध्यक्षता कर रहे डॉ. रामेन्द्र सिंह ने कहा कि पुस्तक भारतीय ज्ञान-परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और जनजातीय जीवन-दर्शन को आधुनिक संदर्भों में समझने का सार्थक प्रयास है। लेखिका डॉ. कुमुद रामानन्द बंसल ने कहा कि पुस्तक के माध्यम से जनजातीय समाज के प्रकृति के साथ सहजीवी संबंध, मानवीय मूल्यों और जीवन-दृष्टि को सामने लाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में न्यास के अध्यक्ष डॉ. सी.डी.एस. कौशल ने न्यास की गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा के विचारों एवं मार्गदर्शन को आगे बढ़ाया जाएगा। संचालन डॉ. मोहित गुप्ता ने किया। अंत में महासचिव संत कुमार ने अतिथियों एवं उपस्थित साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## अगस्त क्रांति के उपलक्ष्य में कविकल्प की गोष्ठी

नई सोच एक्सप्रेस

**कोलकाता।** महानगर की स्वनामधन्य साहित्यिक संस्था बंगीय हिंदी परिषद में अगस्त क्रांति की स्मृति में कविकल्प की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया , जिसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध कवि डॉ. गिरिधर राय ने की। प्रधान अतिथि के रूप में देवरिया से पधारे हिंदी और संस्कृत के प्रकांड विद्वान डॉ. मधुसूदन मणि त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब के कथाकार एवं कवि भूपिंदर सिंह देओत उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रणति ठाकुर की सरस्वती वंदना से हुआ।स्वागत वक्तव्य देते हुए परिषद् के मंत्री डॉ. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने परिषद् की ऐतिहासिक विरासत से लोगों को परिचित कराया तथा अगस्त क्रांति की महत्ता पर प्रकाश डाला।काकोरी काण्ड के नायकों के प्रति विनम्र श्रद्धा भाव प्रकट करते हुए कवियों ने अपनी काव्यांजलि प्रस्तुत की। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए डॉ. गिरिधर राय ने परिषद् के साहित्यिक आयोजनों की सराहना की। प्रधान अतिथि डॉ. त्रिपाठी ने परिषद् में आमंत्रित किए जाने पर आभार व्यक्त किया और परिषद् के संकल्पों की सराहना की।उन्होंने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।समारोह में विनय कुमार शर्मा, प्रवेश पटियालवी, कमल पुरोहित , रामपुकार सिंह,अय्यूब वारसी,ब्रजेश कुमार त्रिपाठी,प्रतिभा सिंह, लवलेश कुमार, मनोज मिश्र, गणेश नाथ तिवारी, मनोज कुमार मिश्र, रामनारायण झा, बीना रजक, विश्वजीत ठाकुर, नंदलाल रौशन, रंजीत सिंह , शिवम त्रिपाठी, पुष्पा मिश्रा , दीपक साहा,रुद्र कुमार सिंह, मनोज गुप्ता, कुमार संकल्प, विनोद कुमार यादव, नज़ीर राही, नश्तर शहूदी, जातिब हयाल, विनय जायसवाल, चंद्र किशोर चौधरी, मुज़्तर इफ़्तेख़ारी, मंजू तिलक,देवमित्र चक्रवर्ती, रणजीत भारती, नंदू बिहारी, अम्बर सिद्दीक़ी, यूसुफ़ अख़्तर, मुश्ताक़ ज़ैर, राधा गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह,तथा सूरज रजक उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार धानुक ने किया तथा प्रबंधन कमल पुरोहित ने किया। विशिष्ट अतिथि का स्वागत एवं परिचय शिप्रा मिश्रा ने कराया तथा मंचस्थ अतिथियों का अंगवस्त्र से सम्मान पुष्पा मिश्रा ने किया। परिषद् के उपाध्यक्ष रामपुकार सिंह गाजीपुर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे कांवरियों को बांटी नमकीन,मिठाई और शीतल पेय

नई सोच एक्सप्रेस

**वाराणसी।** श्रावण मास में काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से सोमवार को काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल 'न्याय मंच' की ओर से जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया | कार्यक्रम के दौरान मंदिर पहुंचे कांवरियों एवं श्रद्धालुओं को नमकीन,मिठाई,पानी और जलजीरा वितरित किया गया | आयोजकों के अनुसार करीब पांच से छह हजार श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं पेय पदार्थ वितरित किए गए | श्रावण मास में काशी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा को ध्यान में रखते हुए यह जनसेवा कार्य किया गया | कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश जैन के साथ अध्यक्ष सोनालाल सेठ,महामंत्री महेश चन्द माहेश्वरी,कोषाध्यक्ष मनोज सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिंह सहित राजेश सेनी,केशरी नन्दन उपाध्याय,पवन मोदी,मनोज चौरसिया, सुमन मिश्रा,राकेश गिरी एवं आवेश कुमार सेठ,विजय पांडे,सुरेश सेठ,नन्द लाल अरोड़ा सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे | काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से श्रावण मास की सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं भी दी गईं ||

## जितना खतरा विदेश मैं बैठे आतंकवादियों से है उतना ही खतरा भारत में भी छिपे बैठे गद्दारो से देश को खतरा -- महंत राजू नाथ

नई सोच एक्सप्रेस

» भारत को अखंड भारत विश्व गुरु बनने से रोकने में पूरी ताकत लगा रहे हैं देश में छिपे बैठे,गद्दार

**नई दिल्ली।** महंत गुरुजी राजू नाथ (चंदेल) ने आज पत्रकारों से बात करते हो कहा कि आज हमारे देश में अपनों से ही खतरा है जो सनातनी होते हुए सनातन धर्म को बदनाम करने में लगे हुए हैं और भारत को विश्व गुरु बनने में अड़ंगा अड़ा रहे हैं उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोसी देश चीन में पाकिस्तान जो हमेशा ही भारत को कमजोर देखना चाहते हैं कुछ जयचंद के औलाद उनके एजेंडे को चलाकर भारत के खिलाफ कार्य कर रहे हैं आज हमें देश में छिपे हुए उन जयचंद की औलादे से भी भारत देश को खतरा है अब देश की जनता को तय करना है किस देश को विकसित और धर्मगुरु विश्व गुरु बनना देखना चाहते हैं तो उन जयचंद की औलादे का सनातन विरोधियों का बहिष्कार करना होगा तभी हमारा देश तरक्की करेगा और शक्तिशाली बनेगा महंत गुरुजी राजू नाथ ने कहा कि आज हमारे देश के नौजवानों को बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ धर्म शास्त्रों और महापुरुषों की जीवन शैली से अवगत होना बहुत जरूरी है आज देश के नौजवानों को तमाम धर्मगुरु ऑन और महापुरुषों के बताए हुए रास्तों पर चलना भी जरूरी है क्योंकि हमारे देश का नौजवान इस देश का भविष्य है हमारे देश का छात्र इस देश का भविष्य है उन्हें गुमराह होने की जरूरत नहीं है उन्हें मात्र धर्म गुरुओं और महापुरुषों के जीवन गाथा से प्रेरणा लेते हुए आगे की अपनी यात्रा आरंभ करनी पड़ेगी और देशवासी अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ धर्मशास्त्र और महापुरुषों की जीवन शैली जीवन गाथा से अवगत कराने की अति आवश्यकता है तभी देश का भविष्य आज के नौजवान और शक्तिशाली युवाओं के हाथों में जाकर कामयाब होगा अगर देश का नौजवान गलत रास्तों पर चलेगा तो देश का भविष्य भी गलत हाथों में चला जाएगा

## प्रतिभा और मेहनत से मनोरंजन जगत में पहचान बना रहीं आरती मित्तल

नई सोच एक्सप्रेस

**मुंबई।** दिल्ली की अभिनेत्री आरती मित्तल अपनी प्रतिभा, मेहनत और प्रभावशाली अदाकारी के दम पर मनोरंजन जगत में मजबूत पहचान बना रही हैं। रंगमंच से अभिनय की शुरुआत करने वाली आरती ने हरियाणवी व पंजाबी म्यूजिक वीडियो, मॉडलिंग और विज्ञापनों के बाद फिल्मों, टेलीविजन और डिजिटल मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आरती ने लघु फिल्म 'विराग' से अभिनय की शुरुआत की। वर्ष 2022 में उनकी मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'है इश्क वजह' प्रदर्शित हुई। इसके अलावा वह 'अशर्फी', 'रक्षाबंधन', 'अपनापन', 'बन्नी चौ होम डिलीवरी' और 'एक महानायक डॉक्टर भीमराव आंबेडकर' सहित कई टीवी धारावाहिकों में नजर आ चुकी हैं। डिजिटल मंच पर भी उन्होंने 'रूहानियत', 'धारावी बैंक', 'ताज : रक्त से बंटा साम्राज्य' और 'गॉन गेम-2' जैसी श्रृंखलाओं में काम किया है। अभिनय के साथ आरती अपनी आयोजन संस्था 'प्लानटास्टिक' का संचालन भी कर रही हैं। कुछ समय के विराम के बाद उन्होंने फिर अभिनय में वापसी की है और आगामी परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। उनका कहना है कि कलाकार के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। नए कलाकारों को संदेश देते हुए वह मेहनत, अनुशासन, धैर्य और निरंतर सीखने को सफलता की कुंजी मानती हैं।

## सावन के दूसरे सोमवार पर निशुल्क कांवड़िया सेवा शिविर का भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

**वाराणसी।** स्व.विकास यादव बाबू की स्मृति में त्रिशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं हिंदू युवा वाहिनी महानगर के नेतृत्व में सावन के दूसरे सोमवार को बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं की सेवा हेतु निशुल्क कांवड़िया सेवा शिविर का वृहद स्तर पर आयोजन किया गया यह सेवा शिविर पूरे सावन माह तक संचालित किया जाएगा | शिविर में शिवभक्त कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क फलाहार वितरण के साथ-साथ मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया है जहां जरूरतमंद श्रद्धालुओं को चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है | इस अवसर पर अम्बरीश सिंह भोला वाराणसी विकास प्राधिकरण के मानद सदस्य एवं हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान वाराणसी मंडल प्रभारी ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों की कांवड़ सेवा सबसे बड़ी सेवाओं में से एक मानी जाती है | श्रद्धालुओं की सेवा और उनकी सुविधाओं का ध्यान रखना हम सभी का सौभाग्य है | कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रीति गुप्ता ( सत्सागर चौकी प्रभारी), हिंदू युवा वाहिनी के महानगर उपाध्यक्ष एवं निवर्तमान रुद्र पांडे, महानगर मीडिया प्रभारी अश्वनी गुप्ता,कार्यक्रम अध्यक्ष दिनेश अग्रहरि सहित हिंदू युवा वाहिनी के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ||

## राजातालाब में 'तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ' का हुआ शुभारंभ,राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा माहौल

नई सोच एक्सप्रेस

**वाराणसी।** सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के राजातालाब मंडल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 'तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ' का शुभारंभ राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति के उत्साह के साथ हुआ | यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं,भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश दिया | कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल,भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ काशी क्षेत्र के क्षेत्र संयोजक डॉ.अशोक राय,अरविंद प्रधान,प्रेम प्रकाश पाठक,यतीश तिवारी, प्रवीण सिंह,संदीप सिंह मिंटू और वीरेंद्र पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे | इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा देश की आन,बान और शान का प्रतीक है | हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज और देश के गौरव से जोड़ना है युवाओं की भागीदारी इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है | कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा | भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता व अखंडता का संकल्प लेने का आह्वान किया ||

## संक्षिप्त समाचार

### जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना शुरू, तालाबंदी और भूख हड़ताल आज से

**झुमरीतिलैया।** जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार से शुरू हो गया। पहले दिन जेजे कॉलेज के दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल हुई और छात्र आंदोलन को निर्णायक मोड़ तक ले जाने का संकल्प लिया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महेश भारती ने किया, जबकि संचालन सचिव देवेंद्र कुमार ने किया। धरना को प्रकाश रजक,सईद नसीम,पूर्व छात्र नेता रवि पासवान,वीरेंद्र कराटे समेत छात्र-छात्राओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि छात्रों के ज्वलंत मुद्दे पर जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति पिछले दो महीने से लगातार छात्रों-अभिभावको और जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के डिग्री कॉलेज को वीबीयू में रखने की अपील कर रहें। लेकिन कोडरमा के लिए दुर्भाग्य है की 25 हज़ार से ज्यादा छात्रों को प्रभावित करने वाला मुद्दा सदन में गूंज नही पाया।वक्ताओं ने कहा कि जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के डिग्री कॉलेज को वीबीयू से हटाकर सर जेसी बोस विश्वविद्यायल में करना सरकार की छात्र विरोधी नीति का परिणाम है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार तक छात्रों की समस्या का समाधान करने की शक्ति है। छात्रों का आंदोलन सरकार तक अपनी मजबूत आवाज़ पहुंचाने का लोकतांत्रिक अधिकार है। संवेदनशील सरकार कोडरमा के हज़ारों छात्रों की आवाज़ जरूर सुनेगी। वक्ताओं ने कहा कि जेजे कॉलेज के मुद्दे पर सांसद-विधायक ने छात्रों से कभी संवाद नही किया, छात्रों के भावनाओ से उनका कोई सरोकार नही रहा।इसलिए सरकार तक बात पहुंचाने के लिए संघर्ष समिति छात्रों अभिभावको की एकता बनाकर आंदोलन को निर्णायक स्तर तक ले जाएगी। उन्होंने कोडरमा के सभी आम नागरिकों और छात्रों से आंदोलन के समर्थन में सहयोग और शिरकत करने की अपील किया। वहीं संघर्ष समिति ने ऐलान किया कि अनिश्चित कालीन धरना के दूसरे दिन से जे जे कॉलेज में तालाबंदी और भूख हड़ताल किया जाएगा। मौके पर खुशबू पासवान, शिवानी कुमारी, रिमझिम कुमारी, शालू गुप्ता, अमीषा कुमारी, मीनाक्षी कुमारी स्वामी, आशा गोस्वामी, विनीत श्रीवास्तव, अनुष्का गुप्ता, सुजाता कुमारी, खुशबू कुमारी, सिमरन शेखर, पूनम कुमारी, निशा कुमारी, सिंटू कुमारी चांदनी कुमारी, ज्योति कुमारी, मनीषा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, नेहा वर्मा, पल्लवी गोस्वामी, राहुल कुमार, भोला गिरी, आकाश कुमार सिंह, सौरभ कुमार, अरमान भारती, हर्ष कुमार, गौतम कुमार, राहुल कुमार, सत्यजीत आनंद, अंजली कुमारी, श्वेता सिंह, और अन्य छात्र उपस्थित थे।

### सूर कुटीर के बच्चों में समाजसेवी अमित सिंह परिवार ने बांटी खुशियाँ - खाद्य सामग्री पाकर बच्चों ने कहा थैंक्यू भैया

**आगरा।** पवित्र सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर समाजसेवी अमित सिंह एवं वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती उमा वर्मा ने शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लेकर कीठम स्थित सूर कुटीर (स्कूल फॉर ब्लाइंड) के दृष्टिबाधित बच्चों को खाद्य सामग्री भेंट की। सेवा-सम्मान और अपनत्व से भरे इस भावपूर्ण अवसर पर बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दिखाई दी। सेवा-सम्मान, संवेदना और अपनत्व की इस छोटी सी पहल ने एक बार फिर महत्वपूर्ण संदेश दिया कि सच्ची सेवा वही हैं, जिसमें जरूरतमंदों के जीवन में मुस्कान और उम्मीद की रोशनी जगाई जाए।

### भाजपा ग्रामीण मंडल के वरीय उपाध्यक्ष डॉ. हरेराम तिवारी ने दिया इस्तीफा

**ब्रह्मपुर।** भारतीय जनता पार्टी ब्रह्मपुर ग्रामीण मंडल के वरीय उपाध्यक्ष डॉ. हरेराम तिवारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन पर ब्रह्मपुर ग्रामीण मंडल के साथ सौतेला व्यवहार और मनमानी करने का आरोप लगाया है। डॉ. तिवारी ने कहा कि ब्रह्मपुर ग्रामीण मंडल एक वर्ष से अधिक समय से बिना मंडल अध्यक्ष के संचालित हो रहा है। अब तक मंडल अध्यक्ष या संयोजक की नियुक्ति नहीं की गई, जबकि विधानसभा चुनाव भी बिना मंडल अध्यक्ष के संपन्न हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि मंडल को मिलने वाले वित्तीय प्रबंधन की जानकारी भी कार्यकर्ताओं को नहीं दी जाती थी। उन्होंने कहा कि छोटकी नैनीजोर में आयोजित मंडल की मासिक बैठक में जिला के दो मंत्री विनोद तिवारी उर्फ भूतेली तिवारी और दिलीप चंद्रवंशी मौजूद रहे, लेकिन वरीय उपाध्यक्ष होने के बावजूद उन्हें बैठक की सूचना नहीं दी गई। डॉ. तिवारी ने कहा कि ऐसी स्थिति में उन्हें अपने पद की उपयोगिता नहीं दिख रही है, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय लिया।

### इंटेक्स ने होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो का विस्तार किया, कई नए उत्पादों की घोषणा

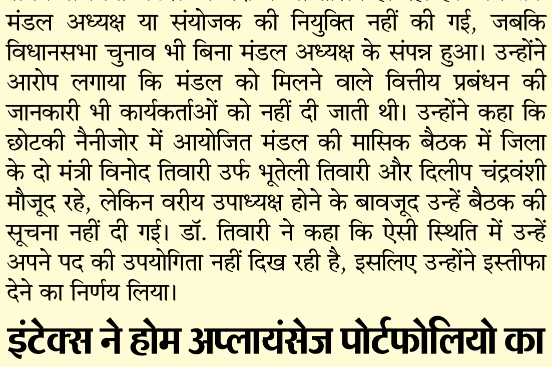

**पटना।** भारत के प्रमुख स्वदेशी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स में से एक इंटेक्स टेक्नोलॉजीज़ ने अपने होम अप्लायंसेज़ पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा की है। यह विस्तार भारत के तेज़ी से बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाज़ार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत बनाने की कंपनी की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इंटेक्स टेक्नोलॉजीज़ के निदेशक केशव बंसल ने कहा, "हमारे कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कारोबार में तेज़ वृद्धि इंटेक्स ब्रांड के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उपभोक्ताओं की बदलती आकांक्षाओं को देखते हुए हमें एक ऐसा व्यापक होम अप्लायंसेज़ पोर्टफोलियो तैयार करने का अवसर दिखाई देता है, जो किफायती कीमतों पर गुणवत्ता, विश्वसनीयता और बेहतर मूल्य प्रदान करे। पंखे, वॉटर हीटर और स्मॉल डोमेस्टिक अप्लायंसेज़ श्रेणियों में हमारा विस्तार इसी रणनीति का स्वाभाविक अगला कदम है। इससे हम उपभोक्ताओं की घरेलू जरूरतों की कहीं अधिक व्यापक रूप से पूर्ति कर सकेंगे। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह कारोबार इंटेक्स के लिए एक महत्वपूर्ण ग्रोथ ड्राइवर साबित होगा और भारत के बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार में हमारी स्थिति को और मजबूत करेगा।"

# दूसरी सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भीड़, चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस

नई सोच एक्सप्रेस

» बगहा के प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, पुलिस ने संभाली भीड़ और यातायात व्यवस्था

**बगहा।** श्रावण की दूसरी सोमवारी पर सोमवार को शहर और आसपास के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए बगहा पुलिस की ओर से मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देश पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की ड्यूटी लगाई गई। मंदिर परिसरों के अलावा प्रवेश और निकास मार्ग, मुख्य सड़कों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। संबंधित थानों के पदाधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लेते रहे।बगहा बाजार स्थित बाबा विशम्भरनाथ शिव मंदिर, नीलकंठ नर्मदेश्वर महादेव मंदिर समेत अन्य प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। पुलिस ने मंदिरों में भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से पूजा-अर्चना कराने पर भी नजर रखी। मंदिर के आसपास यातायात व्यवस्था सामान्य बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी सड़कों पर तैनात रहे।पुलिस अधिकारियों ने मंदिर परिसरों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति देखी। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक पूजा करने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई। एसपी राजेश कुमार ने कहा कि श्रावणी महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रमुख शिव मंदिरों और पूजा स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाया गया है। सभी पदाधिकारियों को लगातार गश्त और निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

## जीजा के साथ डैम घूमने आई युवती ने लगाई छलांग, मौत

नई सोच एक्सप्रेस

**पलामू।** जिले के छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के बटाने (हड़ियाही) डैम में घूमने के क्रम में छलांग लगाने से एक युवती की मौत हो गई। वह अपने जीजा के साथ डैम घूमने आई थी। इसी क्रम में अचानक उसने खुदकुशी कर ली। गोताखोरों की मदद से शव को निकाला गया। युवती की पहचान नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के पुराना थाना रोड निवासी रेखा गुप्ता (21) के रूप में हुई है। घटना दोपहर के आसपास हुई। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया गया है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार रेखा गुप्ता अनाथ आश्रम में जाना चाहती थी। परिवार के लोग उसे रोक रहे थे। इसे लेकर वह अक्सर रोते रहती थी। सोमवार को रेखा ने बटाने डैम घूमने जाने की बात कही तो उसे उसके जीजा भूषण गुप्ता के साथ भेजा गया था। अचानक घूमने के क्रम में डैम में छलांग लगा दी। जब तक उसे बाहर निकाला जाता तब तक उसकी मौत हो गई थी। रेखा एक निजी विद्यालय में शिक्षिका थी। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी नीरज कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पूरे मामले में जांच की जा रही है।

## आरपीएफ ने धनबाद स्टेशन से 6.18 किलो गांजा किया बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

**धनबाद।** धनबाद रेलवे स्टेशन पर स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान में आरपीएफ और सीआइबी की टीम को बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन एनएआरसीओएस के तहत संयुक्त टीम ने धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 के कालका छोर से एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 6 किलो 180 ग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 9 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में जिआरपीएस धनबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। धनबाद रेलवे स्टेशन पर स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान आरपीएफ पोस्ट धनबाद और सीआइबी की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन एनएआरसीओएस के तहत कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया। टीम प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 के कालका छोर पर गश्त और जांच कर रही थी। इसी दौरान काले रंग का पिट्ठू बैग लेकर जा रहे युवक पर जवानों को शक हुआ। तलाशी लेने पर बैग से गांजा के छह पैकेट बरामद किए गए। वजन करने पर गांजे की कुल मात्रा 6 किलो 180 ग्राम निकली, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 9 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी के पास से एक कीपैड मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम 28 वर्षीय गणेश सिंह बताया है। वह गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र का रहने वाला है।आरपीएफ के अनुसार, पूछताछ में गणेश सिंह ने बताया कि उसके दोस्त दीपक कुमार ने उसे गांजे की यह खेप धनबाद से हजारीबाग रोड स्टेशन तक पहुंचाने के लिए दी थी। वहां पहुंचने के बाद उसे गांजा किसी अन्य व्यक्ति को सौंपना था। इसके बदले गणेश को पांच हजार रुपये मिलने थे। राजपत्रित अधिकारी सहायक सुरक्षा आयुक्त की मौजूदगी में बरामद गांजे को जब्त कर आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की गई।आरपीएफ की लिखित शिकायत के आधार पर जिआरपीएफ धनबाद में कांड संख्या 151/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(बी)/29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले के अनुसंधान की जिम्मेदारी अवर निरीक्षक हरीश चंद्र लकड़ा को दी गई है। रेल पुलिस के मुताबिक, आरोपी का आपराधिक इतिहास तकनीकी खराबी के कारण आईसीजेएस से तत्काल जांच नहीं किया जा सका। फिलहाल पुलिस और आरपीएफ गांजे की खेप के स्रोत और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस इस नेटवर्क के दूसरे सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

## भागलपुर में किसान, मजदूर और युवाओं का 'जेल भरो आंदोलन', केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

**भागलपुर।** संयुक्त ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सोमवार को भागलपुर जिला समाहरणालय के समक्ष किसान, मजदूर, छात्र और युवा संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए 'जेल भरो आंदोलन' किया। सीआईटीयू, एसएफआई, डीवाईएफआई, एआईकेएस और एआईएडब्ल्यूयू के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और समाहरणालय गेट पर अपनी गिरफ्तारी दी। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कृषि संकट को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे नेताओं ने चारों नए लेबर कोड को तुरंत रद्द करने, मनरेगा व्यवस्था को दुरुस्त करने और बिजली के निजीकरण सहित स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने पर रोक लगाने की मांग की। आंदोलनकारियों की मुख्य मांगों में चारों लेबर कोड को पूरी तरह रद्द करने, मनरेगा को सुचारू रूप से बहाल करने, बिजली का निजीकरण और स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने पर रोक लगाने, सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी देने, किसानों और खेत मजदूरों का पूरा कर्ज माफ करने सहित अन्य कई मांगें शामिल है। वहीं आंदोलन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। समाहरणालय गेट पर प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया और सरकारी वाहनों से गंतव्य की ओर ले गई। संगठनों के नेताओं का कहना है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो यह आंदोलन आगे और उग्र होगा।

# नालंदा जिले में अच्छी बारिश से लहलहाए खेत, 95 प्रतिशत धान रोपाई का रिकॉर्ड

नई सोच एक्सप्रेस

**नालंदा।** नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड में इस वर्ष मानसून किसानों के लिए राहत लेकर आया है। लगातार हो रही अच्छी बारिश के कारण धान की रोपनी का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। पर्याप्त वर्षा होने से खेतों में नमी बनी हुई है, जिससे किसानों को सिंचाई की अतिरिक्त व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ रही है। अनुकूल मौसम का लाभ उठाते हुए किसान तेजी से धान की रोपनी पूरी करने में जुटे हैं। कृषि विभाग के अनुसार अब तक प्रखंड में लगभग 95 प्रतिशत धान की रोपनी पूरी हो चुकी है, जिससे इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही है।प्रखंड के कल्याण बिगहा, सरथा, बिरजू मिल्की, बराह, द्वारिका बिगहा, चेरो, शेरपुर, पोआरी, चैनपुर सहित कई पंचायतों और गांवों में एक माह पहले रोपी गई धान की फसल अब हरी-भरी नजर आने लगी है। लगातार हो रही बारिश से खेतों में पर्याप्त पानी उपलब्ध है, जिससे धान के पौधों का विकास संतोषजनक ढंग से हो रहा है। खेतों में लहलहाती फसल को देखकर किसानों के चेहरे पर भी खुशी साफ दिखाई दे रही है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी तारकेश्वर राम ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हरनौत प्रखंड में 12,123 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि पर धान की खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 11,516 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपनी पूरी हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 95 प्रतिशत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि अगले कुछ दिनों तक मौसम अनुकूल बना रहा तो प्रखंड के सभी गांवों में शत-प्रतिशत रोपनी का लक्ष्य आसानी से पूरा कर लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि अगस्त माह की शुरुआत धान की रोपनी के लिए सबसे उपयुक्त समय मानी जाती है। अगले चार से पांच दिनों तक किसान रोपनी का कार्य तेजी से पूरा कर सकते हैं। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं और शेष खेतों में भी समय पर रोपनी सुनिश्चित करें, ताकि उत्पादन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।कृषि पदाधिकारी ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि जिन खेतों में पहले ही धान की रोपाई हो चुकी है, वहां एक से दो इंच पानी अवश्य बनाए रखें। इससे पौधों की जड़ों का विकास बेहतर होगा, खरपतवार पर नियंत्रण रहेगा और फसल की बढ़वार भी अच्छी होगी। साथ ही किसानों को समय-समय पर खेतों की निगरानी करने तथा कीट एवं रोगों से बचाव के लिए कृषि विभाग की सलाह का पालन करने की भी अपील की गई है। कृषि विभाग का मानना है कि समय पर रोपनी और अनुकूल मौसम के कारण इस वर्ष धान की फसल बेहतर होने की पूरी संभावना है। यदि मौसम इसी तरह साथ देता रहा तो नवंबर माह में धान की कटाई शुरू हो जाएगी और उत्पादन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक हो सकता है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी, उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा प्रखंड में कृषि क्षेत्र को भी नई मजबूती मिलेगी।लगातार हो रही मानसूनी वर्षा ने न केवल धान की खेती को नई गति दी है, बल्कि किसानों के बीच बेहतर पैदावार की उम्मीद भी जगा दी है। कृषि विभाग का कहना है कि समय पर रोपनी, पर्याप्त वर्षा और वैज्ञानिक तरीके से फसल प्रबंधन अपनाने पर इस वर्ष हरनौत प्रखंड में धान की बंपर पैदावार होने की पूरी संभावना है।

## रामनवमी पहाड़ स्थित ऐतिहासिक बजरंगबली मंदिर में तोड़फोड़, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

**कोलेबिरा।** नावाटोली स्थित रामनवमी पहाड़ के ऐतिहासिक बजरंगबली मंदिर में असामाजिक तत्वों के तोड़फोड़ किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया गया कि मंदिर का दरवाजा तोड़ने के साथ-साथ मंदिर परिसर में लगे हनुमान जी के फोटोयुक्त फ्रेम को भी क्षतिग्रस्त किया गया। घटना को लेकर सोमवार को कोलेबिरा थाना में लिखित सूचना देकर मामले की जांच करने व घटना को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना से श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि धार्मिक स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए व दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो। वहीं, श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब प्रत्येक मंगलवार को रामनवमी पहाड़ स्थित बजरंगबली मंदिर में सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि प्रत्येक मंगलवार को अधिक से अधिक संख्या में मंदिर पहुंचकर शांतिपूर्ण ढंग से सामूहिक आरती में शामिल हों व हिंदू सनातन समाज की एकजुटता व भाईचारे का परिचय दें। स्थानीय लोगों ने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों की रक्षा करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है व किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

## बुद्ध स्मृति पार्क, पटना में गूंजा देशभक्ति का स्वर

नई सोच एक्सप्रेस

» रेलवे सुरक्षा बल हाजीपुर बैंड टीम ने प्रस्तुत किया देशभक्ति धुन

**पटना।** 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर के प्रमुख स्थलों पर रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के बैंड दल द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों की प्रस्तुति किए जाने की कड़ी में पटना के बुद्ध स्मृति पार्क में सायं काल में भव्य बैंड प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल, हाजीपुर की बैंड टीम ने देशभक्ति की विभिन्न मधुर एवं जोशीली धुनों की शानदार प्रस्तुति देकर वातावरण को देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। बैंड की सुमधुर धुनों ने उपस्थित लोगों में राष्ट्रीय गौरव, एकता और देश के प्रति समर्पण की भावना को और प्रबल किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आमजन ने रेलवे सुरक्षा बल के बैंड दल की अनुशासित एवं आकर्षक प्रस्तुति की सराहना की। देशभक्ति की धुनों के बीच पूरा परिसर राष्ट्रप्रेम के भाव से सराबोर नजर आया। यह प्रस्तुति पुनः 12.08.2026 को पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन परिसर में शाम 6:00 बजे दी जाएगी।

## एस.एम.डी कॉलेज पुनपुन में एन.सी.सी.इकाई द्वारा नशा मुक्ति प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

**पुनपुन।** सोमवार को एस.एम.डी. कॉलेज, पुनपुन, पटना में एन.सी.सी इकाई के तत्वावधान में नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से एन.सी.सी कैडेट्स को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर एन.सी.सी कैडेट्स ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के लोगों को भी नशे के दुष्परिणाम के प्रति जागरूक करेंगे।महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ) मधुरेंद्र ने कहा कि "नशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या है। युवाओं को नशे से दूर रखकर ही स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। एन.सी.सी कैडेट्स समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।"वहीं एन.सी.सी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट मुकेश कुमार ने कहा कि "एनसीसी का उद्देश्य केवल अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना ही नहीं, बल्कि कैडेट्स को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना भी है। नशा मुक्ति अभियान के माध्यम से कैडेट्स स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।"कार्यक्रम के दौरान नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में कैडेट्स को जानकारी दी गई। सभी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

## काम और प्यार का परफेक्ट बैलेंस

# अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने खोला पति जैकी भगनानी संग काम करने का खूबसूरत राज

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी की जोड़ी ने अपने रिश्ते को हमेशा निजी रखा है, लेकिन समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी जिंदगी से जुड़ी खूबसूरत झलकियां भी साझा करते रहते हैं। हाल ही में रकुल ने जैकी के साथ अपने काम और निजी रिश्ते को लेकर एक खास बात साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि पति के साथ काम करना उनके लिए कितना खास और मजेदार अनुभव है।

रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर जैकी भगनानी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें दोनों के बीच की खास बॉन्डिंग साफ नजर आ रही है। इस पोस्ट में रकुल ने फैंस द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले उस सवाल का जवाब दिया कि पति के साथ काम करना कैसा होता है। रकुल ने अपने कैप्शन में लिखा, जब लोग मुझसे पूछते हैं कि साथ काम करने का अनुभव कैसा है, तो इसका जवाब बहुत आसान है। हम दोनों का आधा समय काम को लेकर बातचीत करने में और बाकी समय हंसी-मजाक करने और खाने की चर्चा करने में बीतता है। मुझे यह अच्छा लगता है, क्योंकि हमारी सोच और तालमेल एक जैसी है। जब दो लोग किसी काम को लेकर एक जैसी एनर्जी और उत्साह रखते हैं, तो साथ मिलकर कुछ नया बनाना और भी खास हो जाता है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, साथ मिलकर जिंदगी बनाना अपने आप में एक अलग अनुभव है, लेकिन जब आप दोनों मिलकर ऐसी चीज बनाने की कोशिश करते हैं, जिसे लेकर दोनों उत्साहित हों, तो वह सफर और भी खास बन जाता है। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अपने रिश्ते का खुलासा किया था। इसके बाद दोनों ने फरवरी 2024 में गोवा में शादी की थी, जिसमें परिवार के करीबी लोग और खास दोस्त शामिल हुए थे। शादी के बाद भी दोनों अपने-अपने काम में सक्रिय हैं और अक्सर एक-दूसरे को सहयोग करते नजर आते हैं, जो उनके रिश्ते की मजबूती को दर्शाता है। उनका यह साझा अनुभव कई कपल्स के लिए प्रेरणा बन सकता है। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी का यह सफर केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यावसायिक स्तर पर भी दोनों एक-दूसरे के लिए सबसे बड़े संबल बनकर उभरे हैं। शादी के बाद उनके बीच का यह तालमेल और मजबूत हुआ है, जो उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में साफ तौर पर दिखाई देता है। फिल्म इंडस्ट्री में जहां अक्सर दो कलाकारों या निर्माताओं के बीच व्यस्त शेड्यूल के कारण दूरियां आ जाती हैं, वहीं रकुल और जैकी ने अपने काम और निजी जिंदगी के बीच एक बेहतरीन संतुलन बनाया है। दोनों का मानना है कि जब आपका जीवनसाथी ही आपका बिजनेस पार्टनर या सह-कलाकार हो, तो रचनात्मक चर्चाएं और अधिक रचनात्मक और सहज हो जाती हैं।हाल ही में एक इंटरव्यू में जैकी भगनानी ने भी रकुल की तारीफ करते हुए कहा था कि रकुल न केवल एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, बल्कि फिल्म निर्माण की प्रक्रिया को भी बहुत गहराई से समझती हैं। जैकी के प्रोडक्शन हाउस 'पूजा एंटरटेनमेंट' के तहत आने वाली कुछ आगामी परियोजनाओं में रकुल की क्रिएटिव इनपुट ने काम को काफी आसान और दिलचस्प बना दिया है। दोनों जब भी किसी नए प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट पर बैठकर चर्चा करते हैं, तो उनकी प्राथमिकता एक ऐसी कहानी को सामने लाने की होती है जो दर्शकों के दिलों को छू सके।

इस प्रक्रिया में उनके बीच के मतभेद भी हमेशा एक सकारात्मक मोड़ पर आकर समाप्त होते हैं, जिससे काम की गुणवत्ता और निखरती है। प्रशंसकों के बीच भी इस जोड़ी को लेकर एक अलग ही क्रेज देखने को मिलता है।

# सोहा अली खान ने साझा की अपनी पसंदीदा डाइजेस्टिव टी

## किताबें और फिटनेस उपलब्धि

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस, किताबों और लाइफस्टाइल से जुड़ी अपडेट्स देती रहती हैं। इस बार उन्होंने अपने फैंस को बताया कि इस हफ्ते उन्हें कौन-कौन सी चीजें सबसे ज्यादा पसंद आईं। सोहा ने अपनी रोजमर्रा की आदतों, पढ़ने की पसंद और फिटनेस से जुड़ी चीजों के बारे में बात की। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी इस हफ्ते की तीन पसंदीदा चीजों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि रात के खाने के बाद वह एक खास डाइजेस्टिव टी पीती हैं, जो उनकी शाम की दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। यह चाय पेट को हल्का रखने में मदद करती है। अभिनेत्री ने बताया कि यह डाइजेस्टिव टी घर पर आसानी से तैयार की जा सकती है, जिसमें दालचीनी, अदरक, तुलसी और सौंफ जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। यह पेय उन्हें काफी सुकून देता है, और अब यह उनकी छोटी सी शाम की आदत बन चुकी है।

हालांकि, उन्होंने महत्वपूर्ण सलाह दी कि यह चाय हर किसी के लिए सही नहीं हो सकती, खासकर गर्भवती महिलाओं, ब्लड थिनर लेने वाले लोगों, एसिडिटी या रिफ्लक्स की समस्या से जूझ रहे लोगों और डायबिटीज की दवा लेने वालों को इसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। सोहा ने अपनी पढ़ने की आदत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह इन दिनों जापानी लेखक केइगो हिगाशिनो की किताब मैलिस पढ़ रही हैं और उन्हें इस लेखक की किताबें पसंद हैं, क्योंकि इनकी कहानियां हमेशा पाठकों को हैरान करती हैं और अंत तक बांधे रखती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह एक समय में फिक्शन और नॉन-फिक्शन दोनों तरह की किताबें पढ़ना पसंद करती हैं। वह इन दिनों नाओमी वुल्फ की किताब द ब्यूटी मिथ भी पढ़ रही हैं, जिसमें महिलाओं पर खूबसूरत दिखने के सामाजिक दबाव के बारे में बात की गई है, जो आज भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सोहा ने अपनी फिटनेस से जुड़ी एक उपलब्धि भी साझा की, जिसे लेकर वह काफी खुश नजर आईं। उन्होंने बताया कि उन्होंने पुल-अप करना सीख लिया है। यह उनके लिए फंक्शनल स्ट्रेंथ माइलस्टोन है और अपने शरीर का वजन खुद उठाने की क्षमता हासिल करना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। सोहा ने कहा कि भले ही किसी के लिए पुल-अप करना बहुत बड़ी बात न लगे, लेकिन उनके लिए यह मेहनत और फिटनेस सफर का एक खास पड़ाव है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए फैंस से पूछा कि उनका यह हफ्ता कैसा रहा और उन्होंने कौन-कौन सी खास चीजें अनुभव कीं।

# अभिनेता सनी देओल ने डेब्यू फिल्म बेताब के 43 साल पूरे होने पर दर्शकों का जताया आभार

अभिनेता सनी देओल ने अभिनय की दुनिया में 43 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी डेब्यू फिल्म बेताब के 43 साल पूरे होने पर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ा एक क्लिप पोस्ट किया, जिसमें उनके साथ को-स्टार अमृता सिंह भी नजर आ रही हैं। सनी देओल ने अपनी इस पोस्ट के जरिए उन सभी दर्शकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उनके इस लंबे सफर में साथ दिया। उन्होंने लिखा, 43 साल पहले, बेताब से सिनेमा में मेरा सफर शुरू हुआ था। मुझे जो प्यार मिला और आज भी मिल रहा है, वह मेरी सबसे बड़ी ताकत है। हर याद, हर फिल्म और हर उस इंसान का शुक्रगुजार हूं, जो इस सफर का हिस्सा रहा है। आने वाले कई सालों, और कहानियों और प्यार का इंतजार है। साल 1983 में रिलीज हुई रोमांटिक-ड्रामा फिल्म बेताब से अभिनेता सनी देओल के साथ अभिनेत्री अमृता सिंह ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। राहुल रवैल द्वारा निर्देशित और राहुल देव बर्मन (आर.डी. बर्मन) के संगीत से सजी यह फिल्म उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। यह फिल्म साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही थी, जिसके बाद सनी देओल और अमृता सिंह रातों-रात स्टार बन गए थे। फिल्म की रिलीज के साथ-साथ इसके संगीत ने भी इतिहास रचा था। जब हम जवान होंगे और जाने कहां गए वो दिन जैसे गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं और सदाबहार गीतों में शुमार किए जाते हैं। यह फिल्म एक क्लासिक लव स्टोरी थी, जिसमें सनी (एक साधारण पृष्ठभूमि का युवा) और रोमा (एक अमीर घराने की घमंडी लड़की) के बीच की प्रेम कहानी को दिखाया गया था, जिसमें अहंकार और वर्ग-भेद की दीवारों को पार करते हुए उनका प्यार परवान चढ़ता है। राहुल रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म का लेखन जावेद अख्तर ने किया था, जबकि विक्रम सिंह दहल और धर्मेंद्र इसके निर्माता थे। फिल्म में सनी देओल, अमृता सिंह, शम्मी कपूर और प्रेम चोपड़ा मुख्य भूमिका में नजर आए थे, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था।

# डेब्यू फिल्म सांवरिया के फ्लॉप होने के बावजूद रणबीर कपूर बने सुपरस्टार

बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर ने साल 2007 में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। कपूर खानदान के चिराग होने के नाते उनसे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन जब उनकी पहली फिल्म सांवरिया रिलीज हुई, तो यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। इसके बाद रणबीर कपूर की एक्टिंग से लेकर करियर तक पर लोगों ने सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि, लोगों को शायद यह नहीं पता था कि रणबीर कपूर की रगों में कपूर्स का खून दौड़ता है और वह एक्टिंग से चूक नहीं सकते। आगे चलकर रणबीर कपूर ने खुद को साबित किया और 19 सालों के अंदर उन्होंने अपनी डायलॉग डिलीवरी, फिल्मों के सिलेक्शन और दमदार एक्टिंग से खुद को सुपरस्टार के रूप में स्थापित कर लिया है। साल 2007 में संजय लीला भंसाली जैसे सुपरस्टार निर्देशक की फिल्म सांवरिया के जरिए रणबीर कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसी फिल्म से सोनम कपूर ने भी फिल्म डेब्यू किया था। सांवरिया एक म्यूजिकल रोमांस फिल्म थी, जिसमें रानी मुखर्जी और जोहरा सहगल जैसे सितारे भी थे। फिल्म को संजय लीला भंसाली और प्रकाश कपाड़िया ने मिलकर लिखा था। यह व्हाइट नाइट्स शॉर्ट स्टोरी पर आधारित थी और इसे 53वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 6 नॉमिनेशन भी मिले थे। हालांकि, सांवरिया बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। फिल्म के फ्लॉप होने के पीछे दो मुख्य कारण बताए जाते हैं। अच्छी एक्टिंग और बेहतरीन डायरेक्शन के बावजूद फिल्म का धीमा वर्ज़न मेनस्ट्रीम ऑडियंस को कनेक्ट नहीं कर पाया। वहीं, दूसरा सबसे बड़ा फैक्टर यह था कि संजय लीला भंसाली ने शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण की ओम शांति ओम से पंगा मोल लिया था, जो उसी दिन रिलीज हुई थी। जहां फराह खान की फिल्म ओम शांति ओम ब्लॉकबस्टर बनी, वहीं सांवरिया फ्लॉप रही। भले ही सोनम कपूर की सादगी लोगों को पसंद आई और रणबीर कपूर का टॉवल वाला आइकॉनिक सीन भी खूब छाया, लेकिन इन सब के बावजूद फिल्म दर्शकों को खींचने में कामयाब नहीं रही। अगर आपको रणबीर कपूर का पुराना अंदाज देखना है, तो आप सांवरिया को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं। इस फिल्म को आईएमडीबी की 5.2 की रेटिंग मिली थी।

# 30 साल बाद साथ काम कर रहे सनी देओल और राजकुमार संतोषी

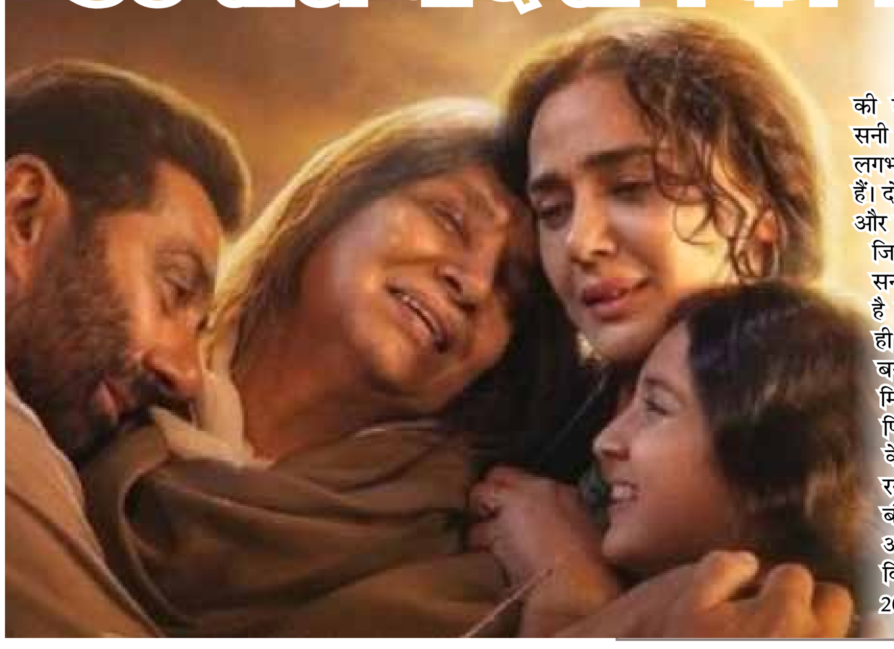

अभिनेता सनी देओल अपनी अपकमिंग फिल्म बंटवारा 1947 की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म में सनी देओल और निर्देशक राजकुमार संतोषी लगभग 30 साल बाद एक साथ काम कर रहे हैं। दोनों की इस जोड़ी ने पहले घातक, घायल और दामिनी जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं, जिन्हें दर्शक आज भी नहीं भूल पाए हैं। सनी देओल ने हाल ही में खुलासा किया है कि वे संतोषी के साथ केवल बंटवारा ही नहीं, बल्कि कुछ और फिल्में भी बनाना चाहते थे, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिल पाया था। सनी देओल ने बताया कि पिछले कई सालों से वह राजकुमार संतोषी के साथ फिर से काम करने की इच्छा रख रहे थे। उन्होंने खुलासा किया कि बंटवारा 1947 से पहले, वे दोनों सम्राट अशोक या पृथ्वीराज चौहान जैसे पौराणिक विषयों पर फिल्में बनाना चाहते थे। साल 2000 के दशक की शुरुआत में, उन्होंने

इन प्रोजेक्ट्स पर काम भी शुरू किया था, लेकिन उस वक्त कोई भी निर्माता इन पर पैसा लगाने को तैयार नहीं था। निर्माताओं को लगता था कि इस तरह की ऐतिहासिक और पौराणिक फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पातीं। यह उनके लिए एक बड़ी निराशा का कारण था, क्योंकि उनका सपना इन भव्य कहानियों को बड़े पर्दे पर लाने का था। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए सनी देओल ने बताया कि साल 2001 में उनकी फिल्म गदरः एक प्रेम कथा को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था और यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई। इस सफलता के बाद उन्हें लगा कि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी फिल्में भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो सकती हैं। इसी प्रेरणा से, उन्होंने और राजकुमार संतोषी ने बंटवारा 1947 की कहानी पर फिल्म बनाने का विचार किया और इस पर काम शुरू किया। हालांकि, इस फिल्म के लिए भी लंबे समय तक कोई फाइनेंसर नहीं मिल रहा था। आखिरकार, आमिर खान ने इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी उठाई। सनी देओल ने बताया कि आमिर खान को बंटवारा 1947 की कहानी बेहद पसंद आई और उन्होंने इसे प्रोड्यूस करने का फैसला किया। आमिर खान के इस समर्थन से ही सनी देओल का बरसों पुराना सपना पूरा हो पाया। यह फिल्म भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म को लेकर सनी देओल के फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

# प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से आगे और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी : मीराबाई चानू

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन और हौसला बढ़ाने वाले शब्द उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगे। चानू ने ग्लासगो में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने भावुक सफर को भी याद किया।

मोदी से मिलने के बाद चानू ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, "हमारी यात्रा में लगातार सहयोग और प्रोत्साहन के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी का धन्यवाद। कल हुई हमारी खास बातचीत के दौरान हर मेडलिस्ट के लिए आपके उत्साह बढ़ाने वाले शब्द निश्चित रूप से हमें अगली प्रतियोगिताओं में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेंगे।" ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, लेकिन उन्होंने कहा कि इस जीत का भावनात्मक महत्व मेडल से कहीं ज़्यादा था। मणिपुर की इस एथलीट को वे चोटें, पारिवारिक मुश्किलें और पेरिस ओलंपिक में मेडल न जीत पाने की निराशा याद आई, जिनसे वे पिछले चार सालों में गुज़री थीं। चानू से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उन भावनाओं को समझा जिनकी वजह से उन्हें यह जीत मिली और मेडल सेरेमनी के बाद उनके आंसुओं के महत्व की सराहना की। प्रधानमंत्री ने चानू से कहा, "आपने सभी को गौरवान्वित किया है। इतने आंसू बह रहे थे। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे आंसुओं की हर बूंद से एक गोल्ड मेडल गिर रहा हो।" चानू ने बताया कि पोडियम पर वापस पहुँचकर उन्हें बहुत खुशी हुई, लेकिन उस पल ने उन्हें पेरिस में हुई निराशा की भी याद दिला दी। चानू ने कहा, "उस दिन मैं बहुत खुश और भावुक थी। मैं बहुत खुश थी। और मैं रो पड़ी क्योंकि पेरिस ओलंपिक में मेरा मेडल हाथ से निकल गया था।

एक खिलाड़ी को ज़िंदगी में कई चीज़ों का सामना करना पड़ता है और मैंने इन 4 सालों में बहुत कुछ झेला है।" चानू ने बताया कि चोटों की वजह से उनके करियर में बार-बार रुकावटें आईं और साथ ही उन्हें पारिवारिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, "मुझे बार-बार चोटें लग रही थीं। और मैं पारिवारिक समस्याओं से भी जूझ रही थी। पिछले चार साल बहुत मुश्किल भरे थे।" उन मुश्किलों से गुज़रने की वजह से, ग्लासगो में पोडियम तक पहुंचने का पल और भी ज़्यादा खास हो गया। उन्होंने बताया कि गोल्ड मेडल जीतने के बाद जब भारतीय झंडा फहराया गया और राष्ट्रगान बजा, तो वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं और रो पड़ीं।

## कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तानी मुक्केबाज को हराना जादुमणि के लिए बना खास पल

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तान के मुक्केबाज के खिलाफ मिली अपनी जीत को याद किया। जादुमणि ने बताया कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण यह मुकाबला उनके लिए बेहद खास था और उन्होंने अपनी जीत कारगिल के वीर जवानों को समर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के भारतीय पदक विजेताओं से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेलों से जुड़े अपने यादगार अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। प्रधानमंत्री ने जादुमणि से कारगिल विजय दिवस के दिन मिली उनकी जीत के बारे में पूछा। जादुमणि ने बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों में उनका पाकिस्तान के सुमामा रहमान से मुकाबला कारगिल विजय दिवस के दिन हुआ था। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। जादुमणि ने 16वें दौर के मुकाबले में सुमामा रहमान को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया और अपनी जीत भारतीय सेना के वीर जवानों को समर्पित की। प्रधानमंत्री ने जादुमणि की इस भावना की सराहना करते हुए कहा कि कारगिल के वीरों को अपनी जीत समर्पित करने से उनकी उपलब्धि का महत्व और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि जादुमणि ने जिस प्रतिद्वंद्वी को हराना था, उसी को हराकर देश के लिए गौरव का क्षण बनाया।

## प्रधानमंत्री मोदी ने लवलीना की देशभक्ति की सराहना की, ग्लासगो में गलत नक्शे पर जताई थी आपत्ति

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की देशभक्ति की भावना की सराहना की। लवलीना ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान ग्लासगो के एक रेस्तरां में भारत का विकृत नक्शा प्रदर्शित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। प्रधानमंत्री ने भारतीय पदक विजेताओं के साथ अपने आवास पर हुई बातचीत के दौरान इस घटना का उल्लेख करते हुए लवलीना के जज्बे की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में लवलीना से रेस्तरां में हुई घटना के बारे में पूछा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा कि क्या वह रेस्तरां के कर्मचारियों से इस मुद्दे पर उलझ गई थीं। इसके जवाब में लवलीना ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बाद वह भावुक थीं। रेस्तरां में भारत का गलत नक्शा देखकर उन्होंने कर्मचारियों से इस बारे में बात की और उसे बदलने का आग्रह किया। लवलीना ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण वहां बड़ी संख्या में भारतीय मौजूद थे। ऐसे में उन्हें भारत का विकृत नक्शा देखकर बुरा लगा और उन्होंने रेस्तरां कर्मचारियों से दृढ़ता से अपनी बात रखी। कर्मचारियों ने उनकी बात मान ली और बाद में नक्शे में बदलाव कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने इस घटना को खिलाड़ियों के भीतर देश के प्रति गहरे सम्मान का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पदक जीतने के बाद खुशी और जश्न के माहौल में भी लवलीना का भारत के नक्शे पर ध्यान जाना दिखाता है कि देश के प्रति भावना केवल पदक लेते समय दिखाई देने वाली चीज नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के भीतर गहराई से मौजूद है।

## बरवाल ने प्रधानमंत्री को सुनाया पाकिस्तानी मुक्केबाज से जुड़ा दिलचस्प किस्सा

**एजेंसी, नई दिल्ली।** राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज नरेंदर बरवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान अपने करियर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने 2015 के विश्व सैन्य खेलों में पाकिस्तान के एक मुक्केबाज को हराने के बाद हुई बातचीत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेलों के दौरान और अपने करियर से जुड़े यादगार अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। नरेंदर बरवाल ने बताया कि 2015 के विश्व सैन्य खेलों में पाकिस्तान के मुक्केबाज को हराने के बाद उसने उनसे एक दिलचस्प बात कही। बरवाल के मुताबिक, पाकिस्तानी मुक्केबाज ने कहा, "आपका नाम नरेंदर है, आपके कोच का नाम नरेंद्र है और आपके प्रधानमंत्री का नाम नरेंद्र है। मुझे नरेंद्र नाम से नफरत हो गई है।" बरवाल ने यह किस्सा सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में सुनाया। उनके इस किस्से पर बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का हो गया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें उनकी मेहनत, समर्पण और देश का गौरव बढ़ाने के लिए बधाई दी।

## डीपीएलः सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरुआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया।

# बिजनेस

## धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ लॉन्च, 17 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी धूत ट्रांसमिशंस का 3,066.89 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 14 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 829 रुपये से लेकर 871 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 17 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 17 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,807 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,491 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 221 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,52,18,047 शेयर जारी किए जा रहे हैं।

इनमें लगभग 1,400 करोड़ रुपये के 1,60,80,445 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 1,667 करोड़ रुपये के 1,91,37,602 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए ज्यादा से ज्यादा 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। धूत ट्रांसमिशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 298.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 353.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 396.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,799.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3,472.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4,563.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 554.90 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 776.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

## लोकसभा में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पेश

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को लोकसभा में हंगामे के बीच खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश किया। इस विधेयक का मकसद खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करना है। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जी. किशन रेड्डी ने सदन में विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य देश के महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के अन्वेषण को बढ़ावा देना, खनन क्षेत्र में निवेश को आसान बनाना और खनिज सुरक्षा को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में केंद्र सरकार के पास राज्यों के लिए ऐसे नियम तय करने का प्रावधान किया गया है जिसके तहत वे खनन अधिकारों और खनिज वाली जमीनों पर टैक्स, सेस या अन्य लेवी लगा सकें।

## स्टॉक मार्केट में अनाविल वायर की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

विंडमिल टावर का निर्माण करने वाली कंपनी अनाविल वायर एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने बढ़त के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 270 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 22.09 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 329.65 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 336.90 रुपये के स्तर तक पहुंचे, वहीं मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण इसने 313.20 रुपये तक गोता भी लगाया। सुबह 10:45 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 325 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 55 रुपये यानी 20.37 प्रतिशत का फायदा हो चुका था। अनाविल वायर एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड का 177.81 करोड़ रुपये का आईपीओ तीन से पांच अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 149.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 164.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 233.36 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 104.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 65,85,600 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 52,84,800 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 13,00,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। अनाविल वायर एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

## सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, लाल निशान में पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

**एजेंसी, नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन कुछ ही देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 2.42 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 78,501.59 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक 175 अंक से अधिक उछल कर 78,676.98 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि पहले पांच मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 78,298.92 अंक के स्तर तक टूट गया।

## गैलेक्सी AI में भारतीय R&D की भूमिका बढ़ी, छोटे शहरों में प्रीमियम फोन की मांग तेज

**पटना।** सैमसंग इंडिया के अनुसार, नोएडा और बेंगलुरु स्थित उसके रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) सेंटर गैलेक्सी AI के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में विकसित तकनीकें अब सैमसंग के वैश्विक AI इनोवेशन का हिस्सा बन रही हैं। कंपनी के साउथवेस्ट एशिया प्रेसिडेंट एवं सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि सैमसंग का लक्ष्य केवल इंजीनियरिंग टीम का विस्तार करना नहीं, बल्कि भारत से नई और मौलिक तकनीक विकसित करना है। कंपनी के मुताबिक, भारतीय इंजीनियरों ने नए फोल्डेबल स्मार्टफोन में उपलब्ध 'पे नाउ' फीचर विकसित किया है, जो बिल भुगतान की याद दिलाने और सैमसंग वॉलेट के जरिए भुगतान में मदद करता है। सैमसंग AI रिसर्च के लिए IIT और स्टार्टअप्स के साथ भी साझेदारी कर रहा है। जेबी पार्क ने कहा कि AI अपनाने में भारतीय ग्राहक वैश्विक औसत से आगे हैं, खासकर युवा नई तकनीक को तेजी से अपना रहे हैं। इसका असर प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार में भी दिख रहा है। सैमसंग के अनुसार, उसकी करीब 65 प्रतिशत फ्लैगशिप बिक्री टियर-2 और टियर-3 शहरों से हो रही है और इन बाजारों में वृद्धि दोहरे अंक में है। कंपनी ने बताया कि उसके 80 हजार से अधिक रिटेल स्टोर और करीब 20 हजार इन-स्टोर प्रमोटर हैं। वहीं, फोल्डेबल स्मार्टफोन की हिस्सेदारी सैमसंग की कुल फ्लैगशिप बिक्री में 20 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुकी है। कंपनी का कहना है कि भारत अब केवल बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक तकनीकी इनोवेशन का महत्वपूर्ण केंद्र भी बन रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।